सुप्रभात
रांची, शुक्रवार
30.05.2025
* * नगर संस्करण। पेज : 12

धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

खबर मन्त्र

रांची और धनबाद से एक साथ प्रकाशित — सबकी बात सबके साथ

khabarmantra.net | ज्येष्ठ, शुक्ल पक्ष, चतुर्थी, संवत् 2082 | मूल्य : ₹ 3 । वर्ष : 12 । अंक : 314 | 12

परम सुंदरी टीजर में जाह्नवी का जलवा

आइपीएल

विराट जीत के साथ आरसीबी फाइनल में

मुल्लांपुर(पंजाब)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु विराट जीत के साथ क्वालिफायर-1 में पंजाब किंग्स को रौंदते हुए आइपीएल 2025 के फाइनल में प्रवेश कर गया। कप्तान रजत पाटीदार ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पंजाब किंग्स को सिर्फ 14.1 ओवरों में 101 रनों पर समेट दिया। आरसीबी ने विराट कोहली का विकेट जल्दी गिरने के बावजूद धमाकेदार अंदाज में सिर्फ 10 ओवरों में लक्ष्य हासिल कर लिया। फिल साल्ट ने 27 गेंदों में 6 चौके और 3 छक्के उड़ाते हुए नाबाद 56 रनों की पारी खेली। इस तरह 2016 के बाद विराट कोहली की टीम पहली बार फाइनल में पहुंचने में कामयाब रही है।

न्यूज डायरी

सीएम हेमंत केदारनाथ धाम यात्रा पर रवाना

रांची। सीएम हेमंत सोरेन अपनी पत्नी कल्पना सोरेन के साथ केदारनाथ धाम की तीर्थ यात्रा पर निकल गये हैं। उनके एक जून को रांची लौटने की संभावना है। मुख्यमंत्री की अनुपस्थिति में वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर 30 मई को वित्त आयोग के साथ होने वाली बैठक में हिस्सा लेंगे और झारखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे।

डीजीएम हत्याकांड में एक और आरोपी गिरफ्तार

हजारीबाग। एनटीपीसी के डीजीएम कुमार गौरव हत्याकांड में हजारीबाग पुलिस ने एक और मुख्य आरोपी मुकेश साव उर्फ प्रभात उर्फ माइकल को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार मुकेश साव लातेहार का रहने वाला है। पूछताछ में उसने डीजीएम कुमार गौरव की हत्या में शामिल होने की बात स्वीकार की है।

शादी समारोह में फायरिंग में एक की मौत

चतरा। जिले के प्रतापपुर के बरवा कोचवा गांव में एक शादी समारोह में हर्ष फायरिंग के दौरान गोली लगने से अभिषेक कुमार की घटना स्थल पर ही मौत हो गयी। पुलिस ने कट्टे के साथ दो युवक विक्रम कुमार और सुमित कुमार को हिरासत में लिया है। बारात में नाचने के दौरान लड़ाई हुई थी। इसी बीच गोली लगने से उसकी घटनास्थल पर मौत हो गयी।

उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों की नियुक्ति

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति ने कर्नाटक हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश एन वी अंजारिया, गुवाहाटी हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश विजय बिश्नोई और बॉम्बे हाईकोर्ट के न्यायाधीश ए एस चंदुरकर को पदोन्नत कर सुप्रीम कोर्ट का न्यायाधीश नियुक्त किया है।

कार्टून कोना

पीएम ने बंगाल टाइगर की धरती से पाकिस्तान को फिर चेताया

तीन बार घर में घुसकर मारा है... ऑपरेशन सिंदूर खत्म नहीं हुआ

■ साल 1947 में बंटवारे के बाद से ही पाकिस्तान ने भारत पर आतंकवादी हमला किया। कुछ साल के बाद उसने बांग्लादेश में भी आतंक फैलाया

एजेंसी

कोलकाता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार में एक रैली को संबोधित करते हुए ऑपरेशन सिंदूर को लेकर पाकिस्तान को फिर से चेताया। पीएम मोदी ने बंगाल की धरती से पाकिस्तान को याद दिलाया कि भारत की सेना ने पड़ोसी देश को तीन बार घर में घुसकर मारा है। उन्होंने कहा कि 140 करोड़ भारतीयों का ऐलान है कि ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है।

आतंकवाद को लेकर भारत के नए संकल्प की चर्चा स्वाभाविक
रैली को संबोधित करते करते हुए पीएम मोदी ने कहा, जब सिंदूर खेला की इस धरती पर आया हूं तो आतंकवाद को लेकर भारत के नए संकल्प की चर्चा स्वाभाविक है। उन्होंने आगे कहा, आतंक को पालने वाले पाकिस्तान के पास दुनिया को देने के लिए कुछ भी सकारात्मक नहीं है। जब से वे अस्तित्व में आए हैं, तब से ही उसने सिर्फ आतंक को पाला है। साल 1947 में बंटवारे के बाद से ही उसने भारत पर आतंकवादी हमला किया। कुछ साल के बाद उसने बांग्लादेश में आतंक फैलाया।

इधर... पटना में मोदी ने किया रोड शो

निर्मम टीएमसी सरकार से लोग चाहते हैं छुटकारा

पीएम मोदी ने अलीपुरद्वार में रैली को संबोधित करते हुए तृणमूल कांग्रेस सरकार पर भी जमकर हमला बोला। उन्होंने तृणमूल को निर्मम सरकार करार देते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल हिंसा, भ्रष्टाचार और अराजकता से ग्रस्त है। लोग अब इस निर्मम सरकार से छुटकारा चाहते हैं। मोदी ने कहा कि मुर्शिदाबाद और मालदा में सांप्रदायिक हिंसा तृणमूल कांग्रेस शासन की क्रूरता और उदासीनता की याद दिलाती है। आयुष्मान योजना का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार की आयुष्मान भारत योजना के तहत देशभर में करोड़ों लोगों को मुफ्त इलाज मिल रहा है, जिसमें 70 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्ग भी शामिल हैं लेकिन, पश्चिम बंगाल में तृणमूल सरकार ने इस योजना को लागू नहीं होने दिया, जिसके कारण राज्य के लोग इस लाभ से वंचित हैं। इसके अलावा, केंद्र सरकार की गरीबों को पक्का मकान देने की योजना का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि तृणमूल के लोग गरीबों से कट मनी वसूल रहे हैं, जिसके कारण लाखों परिवारों को घर नहीं मिल पा रहा है।

ममता का मोदी पर प्रहार

पीएम अब 'ऑपरेशन बंगाल' भी करेंगे क्या

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने पीएम मोदी पर हमला बोला। ममता ने कहा कि हमने राष्ट्रहित में आतंकवाद के मुद्दे पर केंद्र को पूरा सहयोग किया है। संसद में हमारे प्रतिनिधि हैं लेकिन प्रधानमंत्री ऑपरेशन सिंदूर पर वोट पाने के लिए बंगाल में प्रचार कर रहे हैं। ममता बनर्जी ने कहा कि कहा कि पीएम मोदी ने जो कहा, उससे हम न स्तब्ध हैं, बल्कि यह सुनना दुर्भाग्यपूर्ण भी है। क्या पीएम मोदी और उनके नेताओं के लिए यह कहने का समय आ गया है कि वे 'ऑपरेशन सिंदूर' की तरह 'ऑपरेशन बंगाल' भी करेंगे। मैं उन्हें चुनौती देती हूं कि कल चुनाव लड़ें।

पीएम पर ममता बनर्जी की विवादित टिप्पणी : सीएम ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री पर विवादित टिप्पणी भी की। उन्होंने घर-घर में सिंदूर पहुंचाने की बात पर कहा कि पीएम मोदी ऐसे बात कर रहे हैं, जैसे हर महिला के पति हों। उन्होंने कहा कि वे इस संबंध में बात नहीं करना चाहती, लेकिन आपने मुझे इस पर बोलने के लिए विवश कर दिया।

वित्त आयोग ने संथाल के सभी जिप अध्यक्षों का लिया फीडबैक

देवघर, दुमका, जामताड़ा, पाकुड़ व गोड्डा की जरूरतों पर की चर्चा

संथाल परगना के सभी छह जिलों के जिप अध्यक्षों और लोकल बॉडीज के साथ बैठक करती आयोग की टीम

खबर मन्त्र ब्यूरो

देवघर/रांची। केंद्र सरकार के 16वें वित्त आयोग की टीम झारखंड के चार दिवसीय दौरे के दूसरे दिन गुरुवार को देवघर पहुंची। टीम ने देवघर सर्किट हाउस में संथाल परगना के सभी छह जिलों (देवघर, दुमका, जामताड़ा, साहिबगंज, गोड्डा और पाकुड़) के जिला परिषद अध्यक्षों और लोकल बॉडीज के साथ बैठक कर योजनाओं के बारे में जनकारी ली। उनका फीडबैक भी लिया। बैठक में देवघर डीसी, एसडीएम समेत सभी प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे। टीम ने प्रमंडल स्तर पर बैठक कर सहायता अनुदान पर पंचायत व निकायों से भी राय ली। साथ ही प्रबंधन व लोगों के सामाजिक-आर्थिक विकास की समीक्षा भी की। राज्य सरकार द्वारा सामाजिक आर्थिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में हो रहे कार्यों की पूर्ण जानकारी ली गई। कृषि कार्य के लिए सिंचाई सुविधा, विद्यार्थियों में क्वालिटी एजुकेशन, बेहतर स्वास्थ्य सुविधा, इंफ्रास्ट्रक्चर, पर्यटन के क्षेत्र में हो रहे काम की जानकारी पीपीटी के माध्यम से ली। हालांकि, बैठक के बाद वित्त आयोग के अध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया ने मीडिया से कुछ भी कहने से इनकार कर दिया।

टीम के सदस्यों ने बाबा मंदिर में की पूजा-अर्चना

इससे पूर्व देवघर डीसी नमन प्रयेश लकड़ा समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने देवघर एयरपोर्ट पर 16वें वित्त आयोग की टीम के सदस्यों का स्वागत किया। वहां से टीम के सदस्य सीधे बाबा मंदिर पहुंचे और बाबा बैद्यनाथ का जलाभिषेक कर पूजा-अर्चना की और देश और झारखंड की खुशहाली की कामना की। देवघर की बैठक में एनी जोर्जे मैथ्युज मेम्बर, डॉ मनोज पंडा मेम्बर, पुष्पांजलि पंडा, डॉ सॉम्या कांति घोष (दोनों मेंबर), रित्विक पांडे सेक्रेटरी, डॉ प्रशांत कुमार पंडा, अलिवा दीपाली पांडे (इकॉनोमिक एडवाईजर), कुमार विवेक (पीएस टू चेयरमैन), प्रिया सर्राफ (ज्वाइंट डायरेक्टर), मानसी गुप्ता (उप निदेशक), शिखा सिंह (उप निदेशक), कोमल सिंह (प्राईवेट सेक्रेट्री), श्याम लाल (जूनियर सेक्रेटेरिएट अस्सिटेंट) उपस्थित थे।

वित्त आयोग की बैठक में आजसू से देवशरण व प्रवीण लेंगे भाग
16वें वित्त आयोग की शुक्रवार को रांची में राजनीतिक दलों के साथ होने वाली बैठक में आजसू पार्टी की ओर से डॉ देवशरण भगत तथा प्रवीण प्रभाकर भाग लेंगे। बैठक में आजसू पार्टी राज्य सरकार की नाकामी को मुद्दा बनाएगी तथा केंद्र के हस्तक्षेप की मांग करेगी।

झारखंड को विशेष राज्य का दर्जा दे केंद्र सरकार : झामुमो

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा ने केंद्र सरकार से झारखंड को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग की है। पार्टी के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि झारखंड को विशेष राज्य का दर्जा देकर केंद्र को राज्य के विकास में विशेष भागीदारी निभानी चाहिए। गुरुवार को उन्होंने कहा कि 16वें वित्त आयोग के आगमन के साथ झारखंड की सामाजिक, आर्थिक और भौगोलिक परिस्थिति का आकलन किया जाना चाहिए, ताकि राज्य को उसका उचित अधिकार मिल सके।

1 लाख 40 हजार करोड़ की राशि की मांग : सुप्रियो ने कहा कि झारखंड ने एक लाख 40 हजार करोड़ की राशि की मांग की है, लेकिन उसे अब तक नहीं मिला है। केंद्र सरकार को योजनाओं में 75% हिस्सेदारी देनी चाहिए और राज्य को 25% वहन करना चाहिए। झारखंड ने अपने प्राकृतिक संसाधनों का बलिदान कर राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

झारखंड की चुनौतियां गिनायीं

- **विस्थापन और पलायन** : राज्य में विस्थापन और पलायन बड़ी समस्या है, फिर भी राज्य राष्ट्र निर्माण में पीछे नहीं।
- **शिक्षा व्यवस्था कमजोर** : झारखंड में शिक्षा के लिए बच्चों को दूर-दराज पैदल चलना पड़ता है।
- **खनिज संसाधनों का प्रमुख उत्पादक** : झारखंड यूरेनियम सहित कई खनिजों का प्रमुख उत्पादक राज्य है, बावजूद राज्य को इसका समुचित लाभ नहीं मिलता।
- **रेलवे में उपेक्षा** : झारखंड को रेलवे जैसे क्षेत्रों में उपेक्षा का सामना करना पड़ता है, जहां हमेशा रिजेक्टेड रैक भेजे जाते हैं।
- **स्वास्थ्य समस्याएं** : खनन क्षेत्रों में मलेरिया और टीबी जैसी बीमारियां आम हैं। राज्य में स्वास्थ्य सेवा भी कमजोर है।

आइएएस विनय चौबे और गजेंद्र सिंह समेत 4 सस्पेंड

शराब घोटाला मामला

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड सरकार ने शराब घोटाला मामले में गिरफ्तार चार अफसरों को सस्पेंड कर दिया है। इनमें आईएएस अधिकारी विनय चौबे और संयुक्त उत्पाद आयुक्त गजेंद्र सिंह शामिल हैं। विनय चौबे और गजेंद्र सिंह के अलावा जियाडा के रीजनल डायरेक्टर और जेएसबीसीएल के तत्कालीन जीएम सुधीर कुमार और वर्तमान जीएम फाइनेंस सुधीर कुमार दास को भी निलंबित किया गया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने पिछले दिनों इन्हें गिरफ्तार था। इस संबंध में कार्मिक और प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है। दोनों अधिकारियों का निलंबन 20 मई से माना जायेगा।

क्या है मामला : भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने 20 मई को ही विनय चौबे और गजेंद्र सिंह को गिरफ्तार किया था। बाद में उन्हें एसीबी की विशेष अदालत के आदेश पर 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया था। इस मामले में दोनों अधिकारियों पर पद का दुरुपयोग करने और सरकारी खजाने को नुकसान पहुंचाने का आरोप है।

सुधीर कुमार और सुधीर दास भी निलंबित : जियाडा) के रीजनल डायरेक्टर और झारखंड राज्य पेय पदार्थ निगम लिमिटेड (जेएसबीसीएल) के तत्कालीन महाप्रबंधक (जीएम) सुधीर कुमार और वर्तमान महाप्रबंधक (जीएम) फाइनेंस सुधीर कुमार दास को 21 मई से निलंबित किया गया है।

उल्लेखनीय है कि सरकारी कर्मी को 48 घंटे से अधिक समय तक पुलिस हिरासत में रहने पर निलंबित करने का प्रावधान है। सुधीर कुमार, सुधीर कुमार दास और मार्शन के प्रतिनिधि नीरज को 22 मई को गिरफ्तार किया गया था।

रिमांड पर पूछताछ जारी : आइएएस विनय चौबे और संयुक्त उत्पाद आयुक्त गजेंद्र सिंह एसीबी की दो दिनों की रिमांड पर हैं। गुरुवार और शुक्रवार को उनसे एसीबी के अधिकारी पूछताछ की। राज्य प्रशासनिक सेवा के पदाधिकारी सुधीर कुमार और सुधीर कुमार दास रांची की बिरसा मुंडा जेल में हैं। एसीबी अब तक पांच आरोपियों को इस मामले में गिरफ्तार कर चुकी है।

डीजे वाहन ने बाराती वाहन को मारी टक्कर, चार की मौत

खबर मन्त्र संवाददाता

मनातू/तरहसी (पलामू)। जिले के मनातू प्रखंड क्षेत्र के मनातू से तरहसी जाने के बीच हिटवा मुख्य पथ पर एक बाराती वाहन और डीजे वाहन में भीषण टक्कर हो गयी। इस दुर्घटना में चार लोगों की मौत हो गयी, जबकि आठ लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। बता दें कि ग्राम नावा से बारात लेस्लीगंज के ग्राम बैस्ता के लिए बुधवार रात डीजे साउंड के साथ रवाना हुई थी, इसी बीच डीजे साउंड वाले वाहन ने बाराती वाहन को टक्कर मार दी। जानकारी के अनुसार डीजे वाहन का ड्राइवर नशे में धुत था। मौके पर पुलिस पहुंची और मृतकों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

इस संबंध में तरहसी थाना प्रभारी ने दुर्घटना की जानकारी देते हुए बताया कि चार व्यक्ति की मौके पर मौत हो गयी। जबकि घायल लोग अब खतरे से बाहर हैं। पुलिस ने एक वाहन को अपने कब्जे में ले लिया जबकि एक वाहन फरार हो गया। पुलिस गहनता पूर्वक जांच कर रही है।

भारतीय उद्योग परिसंघ के वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन में रक्षा मंत्री हुए शामिल

वह दिन दूर नहीं जब देश का अभिन्न हिस्सा 'पीओके' स्वयं लौटेगा और कहेगा, मैं भारत हूं : राजनाथ सिंह

▶▶ पीओके भारत का हिस्सा, भौगोलिक व राजनीतिक रूप से अलग हुए लोग स्वेच्छा से भारत लौटेंगे

एजेंसी

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नयी दिल्ली में गुरुवार को भारतीय उद्योग परिसंघ के वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में कहा कि आतंकवाद का कारोबार चलाना कॉस्ट इफेक्टिव नहीं है, बल्कि इसकी एक भारी कीमत अदा करनी पड़ सकती है, इसका अंदाजा आज पाकिस्तान को हो चुका है। उन्होंने कहा कि भारत हमेशा ही दिलों को जोड़ने की बात करता है और हमें विश्वास है कि प्रेम, एकता और सत्य के मार्ग पर चलकर वो दिन दूर नहीं जब हमारे देश का अभिन्न अंग पीओके स्वयं लौटकर कहेगा, मैं भारत ही हूं, मैं वापस आया हूं। श्री सिंह ने स्पष्ट किया कि पीओके भारत का हिस्सा है और भौगोलिक और राजनीतिक रूप से अलग हुए लोग जल्द या बाद में स्वेच्छा से भारत लौट आयेंगे। उन्होंने कहा कि पीओके के अधिकतर लोगों का भारत के साथ गहरा संबंध है। केवल कुछ ही लोग हैं जिन्हें गुमराह किया गया है। पीओके की भारत से एकजुटता इस देश की सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक समृद्धि पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा कि भारत ने पाकिस्तान के साथ अपनी भागीदारी और बातचीत के दायरे को फिर से निर्धारित किया है और अब बातचीत केवल आतंकवाद और पीओके पर होगी।

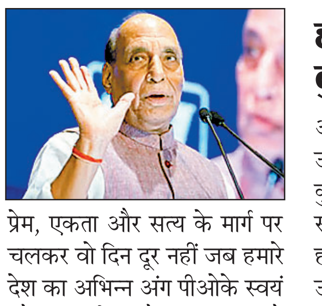

हम और भी बहुत कुछ कर सकते थे...

ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि हम और भी बहुत कुछ कर सकते थे, परंतु शक्ति और संयम, इन दोनों के समन्वय का, हमने दुनिया के सामने एक शानदार उदाहरण पेश किया।

वायु सेना प्रमुख ने रक्षा परियोजनाओं में लगातार हो रही देरी पर फिर जतायी चिंता

नयी दिल्ली। वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने रक्षा परियोजनाओं में लगातार हो रही देरी पर गंभीर चिंता जतायी है। एयर चीफ मार्शल ने गुरुवार को भारतीय उद्योग परिसंघ के वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन में कहा कि डिफेंस सिस्टम की खरीद और डिलीवरी में ऐसा एक भी प्रोजेक्ट नहीं है, जो समय पर पूरा हुआ हो। उन्होंने कहा कि टाइमलाइन एक बड़ा मुद्दा है। समय से डिफेंस प्रोजेक्ट पूरा न होने की वजह से ऑपरेशनल तैयारी पर असर पड़ता है। उन्होंने कहा कि दुनिया की मौजूदा स्थिति ने हमें एहसास दिलाया है कि 'आत्मनिर्भरता' एकमात्र समाधान है, हमें भविष्य के लिए तैयार रहना होगा। वहीं नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने कहा कि युद्ध का स्वरूप बदल रहा है। हर दिन हम नई तकनीक खोज रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर ने हमें यह स्पष्ट रूप से बताया है कि हम किस दिशा में जा रहे हैं और भविष्य में हमें क्या चाहिए।

सेना की ओर से एक स्मृति चिन्ह भेंट की

रामभद्राचार्य ने गुरु दक्षिणा में पीओके मांगा, आर्मी चीफ बोले- जरूर मिलेगा

एजेंसी

चित्रकूट। चित्रकूट में आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने अपनी पत्नी सुनीता द्विवेदी के साथ जगद्गुरु रामभद्राचार्य का आशीर्वाद लिया। बुधवार को जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने सेना प्रमुख को औपचारिक रूप से गुरु दीक्षा दी। उन्हें जीत का मंत्र भी दिया। रामभद्राचार्य ने सेना प्रमुख से कहा- तुम शस्त्र से लड़ो, मैं शास्त्र से। गुरु दक्षिणा में मुझे पीओके चाहिए। इस पर आर्मी चीफ ने मुस्कुराते हुए कहा- निश्चित रूप से आपको आपकी गुरु दक्षिणा मिलेगी। इस दौरान जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने जगद्गुरु रामभद्राचार्य को बताया कि ऑपरेशन सिंदूर को पूरे देश से भरपूर समर्थन मिला। इससे भारतीय सेना का मनोबल कई गुना बढ़ा है। यह अभियान पूरी तरह से सफल रहा।

रामभद्राचार्य ने कहा- ये धर्म और राष्ट्र की रक्षा का युद्ध : आर्मी चीफ ने जगद्गुरु रामभद्राचार्य को भारतीय सेना की ओर से एक स्मृति चिन्ह भेंट किया। सूत्रों के अनुसार, जनरल उपेंद्र द्विवेदी सुबह 9:30 बजे से लेकर दोपहर 1:30 बजे तक चित्रकूट धाम में रूके। इस दौरान उन्होंने आध्यात्मिक चर्चा भी की। रामभद्राचार्य ने थल सेना प्रमुख से कहा- ये सिर्फ सैन्य लड़ाई नहीं है, ये धर्म और राष्ट्र की रक्षा का युद्ध है। यह युद्ध सीमाओं का है नहीं, भारत की आत्मा और अखंडता का भी है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने वर्चुअल माध्यम से की स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा

झारखंड को मिले विशेष स्वास्थ्य पैकेज, राज्य में एम्स और पांच मेडिकल कॉलेज जरूरी : ईरफान अंसारी

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने डॉ. अंसारी को रिपोर्ट के साथ बुलाया दिल्ली, राज्य की स्वास्थ्य जरूरतों पर होगा मंथन

- 1170 पंचायतों में बनेगा सीएचसी, स्वास्थ्य सेवाओं को जमीनी स्तर तक ले जाने की तैयारी
- जेएन-1 कोरोना वैरिएंट पर झारखंड सरकार अलर्ट, ढपीएल प्लांट एक्टिव, जल्द होगी मॉक ड्रिल

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने केंद्र सरकार से आग्रह किया है कि राज्य की सामाजिक-आर्थिक परिस्थिति और आदिवासी बहुलता को देखते हुए स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए विशेष पैकेज दिया जाये। उन्होंने यह मांग केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा द्वारा वर्चुअल माध्यम से आयोजित स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक में रखी।

नामकुम स्थित राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के आरसीएच सभागार से इस बैठक में राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. अंसारी ने भाग लिया। उनके साथ अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह, अभियान निदेशक अबु इमरान, स्वास्थ्य सेवाओं के निदेशक प्रमुख डॉ. चंद्र किशोर शाही एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में टीबी मुक्त भारत अभियान, खसरा-रूबेला टीकाकरण, प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन, 15वां वित्त आयोग अनुदान और पीएसए प्लांट संचालन पर चर्चा की गई। डॉ. अंसारी ने बताया कि झारखंड में टीबी मरीजों को अब निक्षय आहार योजना के तहत 500 रुपये के स्थान पर 1000 रुपये प्रति माह पोषण सहायता दी जा रही है। अब तक 12 करोड़ रुपये डीबीटी के माध्यम से मरीजों को हस्तांतरित किए जा चुके हैं। राज्य में अब तक 226 पंचायतों को टीबी मुक्त घोषित किया जा चुका है। साथ ही 100 दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान को राज्य में गंभीरता से चलाया जा रहा है। खसरा एवं रुबेला की रोकथाम के लिए वर्ष 2023 में 9 उच्च जोखिम जिलों-साहेबगंज, पाकुड़, गोड्डा, जामताड़ा, धनबाद, देवघर, गिरिडीह, कोडरमा और दुमका में 45 लाख बच्चों का टीकाकरण किया गया। वहीं वित्तीय वर्ष 2024-25 में टफ1 टीका 8,41,319 बच्चों को और टफ2 टीका 7,83,165 बच्चों को दिया गया। इसके लिए व्यापक जन-जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है। डॉ. अंसारी ने रांची में एम्स की स्थापना, पांच नए मेडिकल कॉलेज और एक मेडिकल सिटी की मांग दोहराते हुए कहा कि झारखंड जैसे पिछड़े राज्य को स्वास्थ्य के क्षेत्र में विशेष प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

डॉ. अंसारी ने बताया कि 1170 पंचायतों में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) निर्माण की मंजूरी मिल चुकी है। स्वास्थ्य विभाग तेजी से कार्य कर रहा है, ताकि दूर-दराज और दुर्गम क्षेत्रों में भी स्वास्थ्य सुविधाएं सुलभ कराई जा सकें। कोरोना के वर्तमान जेएन-1 वैरिएंट को लेकर भी राज्य सरकार अलर्ट मोड में है। सभी सिविल सर्जनों को तैयारी के निर्देश दिए गए हैं। राज्य के सभी पीएसए प्लांट क्रियाशील हैं और शीघ्र ही मॉक ड्रिल के माध्यम से तैयारियों का आकलन किया जाएगा।

बैठक में केंद्र सरकार द्वारा 15वें वित्त आयोग की स्वास्थ्य अनुदान राशि को इस वित्तीय वर्ष में प्राथमिकता के साथ खर्च करने के निर्देश भी दिए गये।

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने की राज्य में स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की सराहना

बैठक के दौरान केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने राज्य में स्वास्थ्य विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि आप अच्छा कार्य कर रहे हैं। मैं आपकी सोच की सराहना करता हूं और हर संभव मदद करूंगा। उन्होंने डॉ. अंसारी को निर्देशित किया कि वे एक सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट के साथ दिल्ली आएं, ताकि झारखंड की आवश्यकताओं पर विस्तृत चर्चा की जा सके।

झामुमो का वित्त आयोग पर प्रहार शर्मनाक : भाजपा

- भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता ने कहा कि विकास की राह छोड़, विवाद और घोटालों में उलझी झामुमो सरकार

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता अजय साह ने कहा है कि झामुमो का रवैया राज्य सरकार से भिन्न और विरोधाभासी होता जा रहा है। एक ओर झारखंड सरकार के प्रतिनिधि वित्त आयोग से मुलाकात कर राज्य की मांगें रखते हैं। वहीं, दूसरी ओर झामुमो के प्रवक्ता उसी वित्त आयोग को सार्वजनिक मंचों से कोस रहे हैं। यह दोहरी राजनीति राज्य की जनता को भ्रमित करने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 280 के तहत गठित वित्त आयोग एक संवैधानिक संस्था है। जो भारत के संघीय ढांचे की रीढ़ है। लेकिन, कांग्रेस के शासनकाल में इस संवैधानिक संस्था को किनारे कर गैर संवैधानिक योजना आयोग के जरिये निर्णय लिये जाते थे। भाजपा की सरकार ने सत्ता में आने के बाद न सिर्फ योजना आयोग को समाप्त कर नीति आयोग की स्थापना की। बल्कि वित्त आयोग को भी वास्तविक शक्ति और सम्मान प्रदान किया है।

उन्होंने कहा कि यह संस्था विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिये राज्यों को मार्गदर्शन देती है। लेकिन, झामुमो के प्रवक्ता इसके विपरीत वित्त आयोग पर अशोभनीय और अमर्यादित टिप्पणी कर रहे हैं। जो संवैधानिक मर्यादा और लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार द्वारा झारखंड को दी गई अधिकांश योजनाओं में भ्रष्टाचार चरम पर है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत योजना में भारी वित्तीय अनियमितता की पुष्टि स्वयं कैग रिपोर्ट कर चुकी है। उन्होंने कहा कि झारखंड में शहरी विकास का काम चुने हुये जनप्रतिनिधियों की बजाय नौकरशाही के हवाले कर दिया गया है।

उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार को चाहिये कि वह केंद्र सरकार पर आरोप लगाने के बजाय अपने घोटालों और कुप्रबंधन पर नियंत्रण करे। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का रास्ता विकसित राज्यों से होकर गुजरता है। लेकिन, झामुमो-कांग्रेस गठबंधन ने झारखंड को बर्बादी की राह पर डाल दिया है।

सेना, सिंदूर, सनातन और स्त्री का अपमान कर रही है बीजेपी : मंतोष यादव

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड प्रदेश युवा राष्ट्रीय जनता दल के महासचिव सह प्रवक्ता मंतोष यादव ने बीजेपी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा है कि सेना के शौर्य को नजरअंदाज कर बीजेपी इसका सारा श्रेय लेना चाहती है, जो सेना का अपमान है। उन्होंने कहा है कि दरअसल आतंकवादियों द्वारा पहलगाम में कायराना हमला करते हुए 26 निर्दोषों की हत्या का बदला लेने के लिए भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर चलाकर अपने शौर्य पराक्रम वीरता से पाकिस्तान में बने आतंकवादी ठिकानों को ध्वस्त किया लेकिन सेना के ऑपरेशन सिंदूर को अपने चुनावी और राजनीतिक फायदे के लिए प्रधानमंत्री मोदी सहित पूरे भाजपा द्वारा श्रेय लेना भारतीय सेना का अपमान है। उन्होंने कहा है कि प्रचार प्रसार से भी बीजेपी का मन नहीं भरा तो अब हर घर सिंदूर भेजने का अभियान चला रही है जो शर्मनाक ही नही सनातन एवं स्त्री विरोधी है। उन्होंने कहा है कि सनातन धर्म को माननेवाली भारत की महिलाएं अपने पति का नाम सिंदूर लगाती हैं। किसी गैर का दिया हुआ सिंदूर नहीं लगातीं।

मंतोष यादव ने कहा है कि सिंदूर और मंगलसुत्र राजनीतिक प्रचार के लिए नहीं होता है। लेकिन भाजपा ने सारी हदें पार करते हुए महिलाओं के सिंदूर को भी अपने प्रचार का माध्यम बना लिया है, जो शर्मनाक और सुहागिन महिलाओं तथा सनातन संस्कृति का अपमान है। उन्होंने कहा है कि सनातनी महिलाएं कभी भी अपने संस्कृति, परपंराओं, पवित्रता को अपमानित नहीं होने देंगी तथा भाजपा के इस शर्मनाक एजेंडे को ध्वस्त कर जवाब देने का काम करेगी।

मंतोष यादव ने कहा है कि आजादी के बाद भारत और पाकिस्तान तथा चीन से कई युद्ध हुए, कई स्ट्राइक और झड़पें हुईं जहां भारतीय सेना ने अपने शौर्य, पराक्रम, वीरता से जीतने तथा दुश्मनों को धूल चटाने का काम कर देश को गौरवान्वित करने का काम किया। इसके बावजूद कभी भी किसी ने सेना के शौर्य का राजनीतिक इस्तेमाल नहीं किया और ना ही इसका श्रेय लेने का प्रयास किया। उन्होंने कहा है कि वर्तमान समय में बीजेपी सेना के शौर्य का राजनीतिक इस्तेमाल कर इसका श्रेय लेना चाहती है।

राज्य की हर पंचायत में बनेगा मत्स्य पालन का मॉडल तालाब : शिल्पी नेहा तिर्की

- कृषि मंत्री ने कहा कि नीली क्रांति की दौड़ में आंध्र प्रदेश से आगे निकलना उद्देश्य

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा है कि हर पंचायत में मत्स्य पालन के लिये मॉडल तालाब का निर्माण किया जायेगा। वह गुरुवार को खेलगांव स्थित टाना भगत इंडोर स्टेडियम में झारखंड मत्स्य महोत्सव का उदघाटन समारोह में बोल रही थीं। उन्होंने कहा कि राज्य के इतिहास में पहली बार इस तरह का आयोजन हो रहा है। राज्य भर के सभी डैम में केज कल्चर पद्धति के जरिये मत्स्य पालन किया जायेगा। उन्होंने कहा कि विभाग का उद्देश्य नीली क्रांति की दौड़ में आंध्र प्रदेश से आगे निकलना है। इसके लिये अगले 5 साल में एक हेक्टेयर में 10 मीट्रिक टन मछली उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। वर्तमान में एक हेक्टेयर में 3 मीट्रिक टन ही मछली का उत्पादन हो रहा है। इस दौरान 75 मत्स्यजीवी सहयोग समितियों के बीच 2- 2 लाख रुपए की अनुदान राशि का वितरण किया गया। समितियों के सुदृढ़ीकरण के लिये डेढ़ करोड़ रुपये की राशि मददगार साबित होगी। उन्होंने कहा कि विभाग मत्स्य पालन से जुड़े किसानों की समस्या और चुनौती का समाधान करते हुये उन्हें आर्थिक रूप से सबल बनाना चाहती है। इसके लिये राज्य में तालाबों की संख्या बढ़ानी होगी। खास कर राज्य में विलुप्त हो रहे तालाब को पुनर्जीवित करना होगा। उन्होंने कहा कि राज्य में मछली के सीड और फीड पर बहुत काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि राज्य में 80 के करीब फिश फॉर्म है जिसे मछली बीज के रूप में विकसित किया जा सकता है। फिश फॉर्म का संचालन पीपीपी मोड पर भी किया जा सकता है। हमारे पास राज्य में मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के लिये विजन भी है और इच्छा शक्ति भी। उन्होंने कहा कि आज ब्लॉक चेन तकनीक की शुरूआत की गई है। इस तकनीक के माध्यम से बीज के वितरण से लेकर मत्स्य पालन से जुड़ी हर जानकारी मत्स्य पालक बहुत आसानी से ग्रहण कर सकते हैं। इस तकनीक से विभाग को भी लाभुक को ट्रेस करने में मदद मिलेगा। पारंपरिक विधि के साथ- साथ आज जरूरत आधुनिक तकनीक को अपनाने की है। मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि राज्य में 1 लाख 70 हजार किसानों का बीमा कराया गया है। मत्स्य पालकों को बीमा के प्रति जागरूक होने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग से जुड़ी योजनाओं की समुचित जानकारी के लिये न्यूज लेटर जारी किया गया है। इस न्यूज लेटर के माध्यम से गांव- घर के लोग आसानी से योजनाओं की विस्तृत जानकारी हासिल कर सकेंगे।

विधायक सुरेश बैठा ने कहा कि ये पहला मौका है जब इस तरह का मत्स्य महोत्सव हो रहा है। मछली पालन से जुड़े किसान कैसे आत्म निर्भर बनें, विभाग इस पर काम कर रहा है।

हैदराबाद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ बीके बेहरा ने कहा कि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की काफी ऊर्जावान हैं और वो मत्स्य पालन के क्षेत्र में राज्य को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की सोच रखती हैं। मत्स्य महोत्सव में अनुकम्पा के आधार पर निम्नवर्गीय लिपिक पद पर श्रेया को मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की के हाथों नियुक्ति पत्र दिया गया। मत्स्य पालन के विकास के लिए ब्लॉक चेन तकनीक का शुभारंभ किया गया। वहीं, मत्स्य कृषकों की सफलता की कहानी पुस्तक का विमोचन किया गया। मत्स्य महोत्सव में कुल 24 स्टॉल लगाये गये थे।

मौके पर विशेष सचिव गोपाल जी तिवारी, विशेष सचिव नयन तारा केरकेटा, प्रदीप हजारी, मत्स्य निदेशक डॉ एच एन द्विवेदी सहित विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

विभाग ने नई शुरूआत की है : सचिव

इस अवसर पर विभागीय सचिव अबू बक्कर सिद्दीखी ने कहा कि विभाग ने नई शुरूआत की है। किसानों को मत्स्य पालन के लिये सही तरीके से गाइड करने की जरूरत है। राज्य में साढ़े 3 लाख मीट्रिक टन मछली का उत्पादन हो रहा है। किसानों के फीडबैक के आधार पर भविष्य की कार्य योजना तैयार की जायेगी।

16वें वित्त आयोग की बैठक में कांग्रेस की ओर से राज्य हित में पक्ष रखेंगे दो वरिष्ठ नेता

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने 16वें वित्त आयोग की बैठक में भाग लेने के लिए कांग्रेस के दो वरिष्ठ नेताओं को अधिकृत किया है। इसकी जानकारी देते हुए सतीश पौल मुंजनी ने बताया कि शुक्रवार 30 मई को कांग्रेस के पूर्व वित्त मंत्री सह विधायक डॉ रामेश्वर उरांव और सूर्यकांत शुक्ला 16वें वित्त आयोग से मिलकर राज्य को अधिक सहायता देने के लिए अपनी तार्किक मांग रखेंगे।

उन्होंने बताया कि 16वें वित्त आयोग में समता यानी पिछड़े राज्य को आगे लाने, दक्षता और राज्य की विशेष आवश्यकता को ध्यान में रखकर कांग्रेस का मांग पत्र रखेंगे। यह कोशिश होगा कि राज्य को मौजूदा शेयरिंग पैटर्न में अभी 3.30 प्रतिशत मिलते हैं, वह राशि कैसे बढ़े। इसकी अनुशंसा दोनों नेता 16वें वित्त आयोग से करेंगे।

उन्होंने बताया कि प्रदेश कांग्रेस का मानना है कि वित्त आयोग राज्य को आर्थिक पैकेज देने पर अनुशंसा करेगी ताकि राज्य में आधारभूत संरचना, शिक्षा, स्वास्थ, सड़क ऐसे तमाम बुनियादी सुविधा राज्य की जनता को अधिक तीव्रता के साथ प्राप्त हो और राज्य के अंतिम व्यक्ति तक विकास की किरण पूरी प्रतिबद्धता के साथ पहुंच सके।

16वें वित्त आयोग से सीपीएम का शिष्टमंडल आज मिलेगा

रांची। राजनीतिक दलों से वार्ता के आमंत्रण के क्रम में सीपीएम का दो सदस्यीय शिष्टमंडल जिसमें पार्टी के राज्य सचिवमंडल सदस्य सुखनाथ लोहरा और अमल आजाद शामिल हैं। ये दोनों नेता 30 मई दिन शुक्रवार को 16वें वित्त आयोग से मुलाकात कर उन्हें झारखंड के लिए विभिन्न सेक्टरों में आधारभूत संरचना के निर्माण, शिक्षा व स्वास्थ्य तथा रोजगार उपलब्ध कराए जाने के लिए आर्थिक अनुदान और सहायता दिए जाने से सबंधित संदर्भों की शर्तों पर अपना लिखित दृष्टिकोण सौंपेगा।

विनय चौबे ने खटखटाया हाईकोर्ट का दरवाजा

रांची। शराब घोटाले में गिरफ्तार निलंबित आईएएस अधिकारी विनय चौबे ने झारखंड हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। विनय चौबे ने एसीबी कोर्ट के दो दिनों के रिमांड पर दिए जाने के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। चौबे ने याचिका दायर कर रिमांड पर दिए जाने को चुनौती दी है। बता दें कि याचिका में कहा गया है कि एसीबी ने जिस दिन प्राथमिकी दर्ज की उसी दिन उनसे पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर कोर्ट मे पेश किया। इसके बाद एसीबी ने कोर्ट में रिमांड में लेने का आवेदन दिया। एसीबी के इस आवेदन का विरोध किया गया। एसीबी ने पूछताछ के बाद ही उन्हें गिरफ्तार किया था। इसके बाद उन्हें रिमांड पर लेने की जरूरत नहीं थी। प्राथमिकी दर्ज करने के दिन ही कोर्ट में पेश किए जाने से यह प्रतीत होता है कि एसीबी की पूछताछ पूरी हो गयी थी। ऐसे में उन्हें रिमांड पर लेने का आदेश देना उचित नहीं है।

एमएसपी वृद्धि में लिये गये फैसले स्वागत योग्य : पवन साहू

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पवन साहू ने किसानों के हित में एमएसपी में वृद्धि के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने इस फैसले के लिये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद ज्ञापित किया है। उन्होंने कहा कि खरीफ की खेती शुरू होने से पहले केंद्र सरकार ने किसानों के पक्ष में बड़ा फैसला लिया है। केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में 28 मई बुधवार को वर्ष 2025-26 के खरीफ सत्र के लिये 14 फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में बढ़ोतरी किया है। इसमें धान, कपास, सोयाबीन, अरहर, मूंग, उड़द, मूंगफली, सूरजमुखी, ज्वार, बाजरा, रागी, मक्का, तिल एवं रामतिल शामिल है। इसकी ए ग्रेड व सामान्य धान की एमएसपी कर दी गई है। दालों में अरहर का एमएसपी 450 रुपए बढ़कर 8,000 प्रति क्विंटल कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में दलहन, तिलहन और पोषण युक्त श्रीअन्न की खेती को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। इनके एमएसपी में लगातार बढ़ोतरी की जा रही है। बाजरे की खेती पर आने वाली लागत पर 63 प्रतिशत एवं मक्का और अरहर पर 59 प्रतिशत बढ़ाकर किसानों को भुगतान किया जायेगा। उन्होंने कहा कि अब देखना यह है कि हेमंत सोरेन सरकार यहां के किसानों को कितना सुविधा दे पाती है।

आजसू ने पेसा व सरना कोड के मुद्दे पर साधा निशाना, कहा

कांग्रेस और झामुमो सबको कर रहे गुमराह

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। आजसू पार्टी ने कहा है कि कांग्रेस और झामुमो पेसा कानून और सरना कोड के मुद्दे पर झारखंडी जनता को गुमराह करना बंद करें। साथ ही बताएं कि 2014 में केंद्र की मनमोहन सरकार ने सरना कोड की मांग को खारिज क्यों किया था? आजसू पार्टी ने कांग्रेस और झामुमो से पेसा कानून के संबंध में अपनी स्थिति और रुख स्पष्ट करने को कहा है।

पार्टी के मुख्य प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत और झारखंड आंदोलनकारी प्रवीण प्रभाकर ने पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में गुरुवार को आयोजित एक प्रेस वार्ता में संयुक्त रूप से कहा कि मौजूदा सरकार आदिवासियों के अधिकारों के साथ खिलवाड़ कर रही है और पेसा कानून को पूरी तरह लागू करने से कतरा रही है। आजसू पार्टी हमेशा से आदिवासियों की पहचान, संस्कृति और अधिकारों के लिए संघर्ष करती रही है। उसके संघर्ष की बदौलत झारखंड राज्य हासिल हुआ है। कांग्रेस-झामुमो ने तो 1993 में झारखंड आंदोलन की सौदेबाजी कर ली थी और अलग राज्य का निर्माण नहीं होने दिया था। 1999 में आजसू ने तत्कालीन गृहमंत्री लालकृष्ण आडवाणी के साथ वार्ता कर झारखंड निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया था। प्रेस कॉन्फ्रेंस में मीडिया प्रभारी परवाज खान, केंद्रीय सचिव हरीश कुमार, युवा नेता संजय मेहता आदि भी उपस्थित थे।

डॉ भगत ने कहा कि 2012 में मनमोहन सरकार ने लोकसभा में सरना कोड की मांग को गृह मंत्रालय के जरिए अव्यावहारिक बताते हुए खारिज कर दिया था। सरना कोड पर घड़ियाली आंसू बहाने के पहले कांग्रेस-झामुमो इस बात का जवाब दें कि 11 फरवरी 2014 को यूपीए के केंद्रीय आदिवासी कल्याण मंत्री वी. किशोर चंद्रदेव ने आधिकारिक वक्तव्य में सरना कोड की मांग को खारिज क्यों किया था? केंद्रीय मंत्री ने अपने वक्तव्य में स्पष्ट रूप से कहा था कि सरना कोड की मांग व्यवहारिक नहीं है। आजसू पार्टी सरना कोड के समर्थन में है, लेकिन कांग्रेस-झामुमो की दोहरी नीति का पर्दाफाश किया जाना जरूरी है।

श्री प्रभाकर ने कहा कि सरना कोड आदिवासी समुदाय की भावना, पहचान और अस्तित्व से जुड़ा प्रश्न है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और झामुमो ने इस मुद्दे को पहले अव्यावहारिक कहकर खारिज कर दिया था और अब राजनीतिक लाभ के लिए इसे उछाल रहे हैं। उन्होंने जानकारी दी कि 1871 से लेकर 1951 तक की जनगणनाओं में आदिवासियों के लिए अलग धर्म कोड था, लेकिन 1961 से इसे समाप्त कर दिया गया, जिससे आदिवासी पहचान को कमजोर करने की कोशिश हुई।

पेसा कानून को लेकर संजय मेहता ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन इस कानून के पूरी तरह लागू होने से डरते हैं, क्योंकि इससे आदिवासी समाज को जल, जंगल और जमीन पर परंपरागत अधिकार मिलेंगे और सत्ता में बैठे लोगों की भ्रष्टाचार आधारित राजनीति उजागर हो जाएगी। उन्होंने कहा कि इस कानून के प्रभावी क्रियान्वयन से बालू माफियाओं की चोरी रुकेगी और प्राकृतिक संसाधनों की लूट पर लगाम लगेगी।

आजसू नेताओं ने स्पष्ट किया कि पार्टी जातीय जनगणना का पूरा समर्थन करती है और इसे मूल जनगणना के साथ ही सम्पन्न कराने की मांग करती है। उन्होंने कहा कि यह सामाजिक न्याय की दिशा में एक निर्णायक कदम होगा। आजसू पार्टी नेताओं ने कांग्रेस और झामुमो पर वोट बैंक और तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाते कहा कि जो दल आज सत्ता में हैं, वही धरने पर बैठकर जनता को भ्रमित कर रहे हैं, यह झारखंड के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है। आजसू पार्टी झारखंडी अस्मिता और आदिवासी अधिकारों की लड़ाई को आगे भी मजबूती से लड़ती रहेगी।

शराब घोटाले में सीएम की भूमिका संदेहास्पद, समन भेजकर हो पूछताछ : बाबूलाल मरांडी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने झारखंड शराब घोटाला मामले पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने शराब घोटाला में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की भी भूमिका होने का संदेह व्यक्त किया है। साथ ही सीएम को समन कर मामले में उनका पक्ष जानने की भी बात कही है। उन्होंने एंटी करप्शन ब्यूरो को बिना किसी राजनीतिक दबाव के सीएम की भूमिका की निष्पक्ष जांच करने को कहा है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि झारखंड का शराब घोटाला दिल्ली शराब घोटाले से भी कहीं ज्यादा बड़ा है। इतना बड़ा घोटाला केवल विभागीय अधिकारियों और प्लेसमेंट एजेंसी तक सीमित नहीं हो सकता। इस पूरे प्रकरण में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की भूमिका भी संदेह के घेरे में है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की जिन कंपनियों को शराब कारोबार का जिम्मा सौंपा गया, उनसे सीएम हेमंत सोरेन को किन माध्यमों से आर्थिक लाभ पहुंचाया गया है। एसीबी मुख्यमंत्री को समन कर उनका पक्ष अवश्य जानें और 100 करोड़ के शराब घोटाले में बगैर किसी राजनीतिक दबाव के हेमंत जी की भूमिका की निष्पक्ष जांच करे।

शराब घोटाले में सच उजागर करने के लिये विनय चौबे से पूछे महत्वपूर्ण सवाल

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने गुरुवार को शराब घोटाले की एसीबी जांच पर फिर सवाल उठाये हैं। उन्होंने कहा कि शराब घोटाला मामले में जेल में बंद पूर्व उत्पाद सचिव विनय चौबे से दो दिनों के रिमांड पर एसीबी पूछताछ कर रही है। अगर इरादा घोटाले की तह तक जाने का हो तो उनसे ये सवाल जरूर पूछे जाने चाहिये। उन्होंने कहा कि जब झारखंड के विधायक रायपुर भ्रमण पर गए थे, तो क्या वहां की व्यवस्था और गाड़ियों में भरकर उस होटल में शराब पंहुचवाने के लिये आपकी ओर से किसके आदेश पर किसी को कहा गया था। उस दौरान रायपुर के किन–किन लोगों से आपकी बातचीत हुई थी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की भूमिका इस पूरे घोटाले में कितनी रही और छत्तीसगढ़ सिंडिकेट आगमन से जो काली कमाई हुई, उसमें मुख्यमंत्री की कितने की हिस्सेदारी थी। बाबूलाल के अनुसार, वे समझते हैं कि मुख्यमंत्री के अधीन एसीबी से ऐसी उम्मीद करना थोड़ा दुः साहसिक है। वैसे अगर एसीबी ये सारे सवाल नहीं पूछेगी तो आगे स्वतंत्र एजेंसियां इन सवालों का जवाब तो ढूंढ ही निकालेंगी।

आज से दो दिन मौसम रहेगा साफ, बढ़ सकता है तापमान

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। मौसम विभाग के अनुसार, अगले दो दिनों में गर्मी बढ़ने का पूवार्नुमान है। मौसम विभाग के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी में आए निम्न दबाव का क्षेत्र अब पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश के तटीय इलाकों से होकर उत्तर की ओर बढ़ रहा है। इसका झारखंड में असर कम हो गया है। विभाग के अनुसार, राज्य में 30 से पांच जून के बीच कहीं-कहीं हल्की बारिश होने की संभावना है। रांची समेत राज्य के विभिन्न जिलों में शुक्रवार को हल्के बादल साफ होंगे। इस दौरान राज्य में अधिकतम तापमान पारा 31 से 40 डिग्री के बीच रह सकता है।

मौसम विभाग के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया कि राज्य में दो दिन बाद तापमान में तीन से पांच डिग्री के बीच बढ़ोतरी हो सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक, राज्य में अधिकतम तापमान वर्तमान में भी सामान्य से करीब छह डिग्री नीचे चल रहा है। न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब है। इधर राज्य में पिछले 24 घंटे के दौरान घाटशिला समेत कुछ जगहों पर बारिश हुई।

जिला टॉपर तहरीन फतिमा को प्रशासन ने किया सम्मानित

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। मैं इंजीनियरिंग करना चाहती हूं...। इसके बाद आइएएस बनना चाहती हूं। आत्मविश्वास से भरे इस जवाब के बाद सबके चेहरे पर हल्की सी मुस्कान आ जाती है...वो इसलिए कि ये जवाब एक सीनियर आइएएस के सवाल के बाद आया था कि ...आगे क्या करना चाहती हो बेटी...? यह सवाल उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री का था और जवाब... रांची की बेटी तहरीन फातिमा का। जिसने मैट्रिक जैक बोर्ड में रांची जिला में पहला स्थान प्राप्त किया है। इस शानदार उपलब्धि पर जिला प्रशासन द्वारा तहरीन और उसके माता-पिता को सम्मानित किया गया। उपायुक्त ने तहरीन को मोमेंटो एवं उसके माता पिता को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। उन्होंने तहरीन की उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्होंने माता-पिता को भी बधाई दी। उन्होंने कहा कि संघर्ष के साथ अपनी बेटी को पढ़ाना और आगे बढ़ाना ही वास्तव के 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' है। इस दौरान तहरीन के स्कूल की वाइस प्रिंसिपल सिस्टर विक्टोरिया, शिक्षिका सिस्टर सुनीता लकड़ा एवं शिक्षक एंथोनी तिग्गा भी उपस्थित थे। उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री द्वारा सभी के प्रयासों की सराहना की गयी।

...जब नम हो गयीं माता-पिता की आंखें : तहरीन फातिमा ने मैट्रिक में 97.4 प्रतिशत के साथ जिला में पहला और राज्य में पांचवां स्थान हासिल किया है। तहरीन की सफलता में पिता अब्दुल रहमान का संघर्ष काफी बड़ा है, जो ठेले पर कपड़ा बेचते हैं। बेटी को जब उपायुक्त सम्मानित कर रहे थे तब माता-पिता की आंखें नम हो गयीं। उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने कहा कि अपनी बेटी के हौसले को उड़ान दें, उसे आगे पढ़ायें। उपायुक्त द्वारा जिला शिक्षा पदाधिकारी विनय कुमार एवं जिला शिक्षा अधीक्षक को तहरीन के उज्ज्वल भविष्य के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

रातू रोड फ्लाइओवर पर रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ की बाइक राइडिंग

रंगदारी नहीं देने पर जान से मारने की धमकी देने का आरोप

रांची। पुंदाग ओपी अंतर्गत लवातु टोला में रहनेवाले कृष्णा कुमार महतो ने घर में घुसकर अवैध हथियार लेकर रंगदारी मांगने व पत्नी के साथ छेड़खानी करने का आरोप कृष्णा मंडल और संजीव उपाध्याय पर लगाया है। दोनों न्यु पुंदाग के रहनेवाले हैं। इस मामले में पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ थाने में नामजद प्राथमिकी दर्ज करायी है। पुलिस घटना की छानबीन कर रही है। प्राथमिकी में कृष्णा कुमार महतो ने पुलिस को बताया कि 23 मई की सुबह करीब साढ़े ग्यारह बजे न्यु पुंदाग में रहनेवाले कृष्णा मंडल और संजीव उपाध्याय दोनों घर में आकर पत्नी को गाली गलौज करने लगे। मना करने पर वो पत्नी के साथ छेड़खानी करने लगे और बोले की अगर आज शाम तक दो लाख रूपया नहीं देगा तो उसको जान से मार देंगे। ये कहते हुए दोनों वहां से चले गए। दोबारा शाम को सवा पांच बजे संजीव उपाध्याय एक अज्ञात व्यक्ति के साथ मेरे रिषभ नगर स्थित घर में हाथ में पिस्टल लेकर घुस गया और वहां मौजूद लोगों को गाली देते हुए मेरे बारे में पूछते हुए घर में घुस गए।

परिजनों ने लगाया दहेज हत्या का आरोप, डोरंडा थाना में प्राथमिकी दर्ज

बैंक अधिकारी पर पत्नी को जहर देकर हत्या का आरोप, सास-ससुर गये जेल

■ स्वपना और सतीश की हुई थी लव विथ अरेंज मैरेज, एसबीआई पंडरा में कार्यरत है पति

विवेक राज

रांची। डोरंडा थाना की पुलिस ने दहेज हत्याकांड में आरोपी ससुर राजेंद्र मंडल और सास अनीता देवी को गिरफ्तार कर गुरुवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। दोनों अभियुक्त बोकारो सेक्टर-12 के हैं। पुलिस आरोपी पति सतीश चंद्रा और अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए छापामारी कर रही है। इस मामले में मृतका स्वपना कुमारी की मां रेणुका देवी ने थाने में आरोपियों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज करायी है।

क्या है घटना : प्राथमिकी में बिहार की वैशाली जिले की रहनेवाली रेणुका देवी ने पुलिस को बताया कि उनकी बेटी स्वपना की शादी वर्ष 2019 में बोकारो में सतीश चंद्रा के साथ हुई थी। वर पक्ष के द्वारा दहेज में 18 लाख की मांग की गई थी। जिसमें 15 लाख रुपया नगद, 3 लाख का फर्नीचर एवं 1 लाख रूपया का किचन का सामान एवं 6 लाख रूपया का जेवर शादी मे दिया गया था। शादी के बाद कुछ माह तक सबकुछ अच्छा चल रहा था। दामाद सतीश चंद्रा, भारतीय स्टेट बैंक के लोन डिपार्टमेंट में है। दो माह बाद बिहार में तबादला होने के बाद बेटी भी जमुई, बिहार चली गई। इसके कुछ दिन बाद से ही दामाद ने चार पहिया वाहन और तीन लाख रूपये की मांग करने लगे। जिसका विरोध करने पर बेटी के साथ मारपीट व प्रताड़ना का दौर शुरू हो गया। 26 मई की रात करीब एक बजे बेटी ने मोबाइल पर बताया कि उसके साथ मारपीट की जा रही है। इसकी लिखित शिकायत डोरंडा थाना में बेटी के द्वारा की गई। इसके बाद 27 मई की शाम बेटी स्वपना ने अपने भाई के मोबाइल पर कॉल कर बताया कि उसके साथ मारपीट कर जान मारने का प्रयास किया जा रहा है। इसकी जानकारी डोरंडा थाना को दी गई। जिसके बाद पुलिस के द्वारा घायल बेटी को अस्पताल में भर्ती किया गया, जहां इलाज के दौरान स्वपना की मौत हो गई। आरोपी अभियुक्तों ने साजिश के तहत बेटी की मारपीट व जहर देकर हत्या की है।

कमरा का दरवाजा बाहर से बंद

स्वपना के भाई ने डोरंडा थाना की पुलिस को कॉल कर जब घटना की जानकारी दी तो पुलिस पहुंची तो कमरा का दरवाजा बाहर से बंद था। पुलिस कुंडी खोलकर जब अंदर गई तो देखी की स्वपना गिरी पड़ी है और उसके मुंह से झाग निकल रहा है। पुलिस स्वपना को इलाज के लिये बर्लिन अस्पताल ले गये, जहां उसकी मौत हो गई।

वर्ष 2023 में तबादला होने पर पति के साथ रांची आई थी स्वपना : परिजनों ने बताया कि वर्ष 2023 में दामाद का तबादला रांची के एसबीआई, पंडरा में हो गया था। जिसके बाद बेटी और दामाद डोरंडा के डीबडीह के पास किराये के घर में रहने लगे। वहां भी सास, ससुर, ननद, देवर और पति के द्वारा मारपीट व प्रताड़ित किया जाता था।

दामाद का किसी अन्य लड़की से है संबंध : परिजनों के अनुसार दामाद सतीश चंद्रा का किसी दूसरी लड़की से भी अवैध संबंध है। इसकी जानकारी पूरे परिवार को भी है। स्वपना ने बताया था कि पति और ससुराल वाले जानबुझकर प्रताड़ित कर रहे हैं। कहा जाता था कि इसको इतना प्रताड़ित करेंगे कि यह खुद अपनी जान देगी। स्वपना और सतीश चंद्रा की लव विथ अरेंज मैरेज थी। इसके बावजूद सतीश किसी और लड़की से प्यार करने लगा था। इसकी जानकारी होने पर स्वपना को और अधिक प्रताड़ित किया जा रहा था।

खबर एक नजर में

ग्रामीण एसपी प्रवीण पुष्कर ने पदभार लिया

रांची। आईपीएस अधिकारी प्रवीण पुष्कर ने गुरुवार को रांची के रुरल पुलिस अधीक्षक (एसपी) के रूप में पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने कहा कि उनकी पहली प्राथमिकता ग्रामीण इलाकों में अपराध नियंत्रण, कानून-व्यवस्था बनाए रखना और पुलिसिंग को अधिक संवेदनशील बनाना होगा। प्रवीण पुष्कर का कहना है कि ग्रामीण पुलिस को नई दिशा देने और सुधार लाने के लिए वे हर संभव प्रयास करेंगे।

आजसू कार्यालय जलाने के आरोपियों को जमानत

रांची। धनबाद में आजसू कार्यालय में आग लगाने के आरोपी वीरेंद्र यादव और राजकुमार यादव को हाईकोर्ट से जमानत मिल गयी है। वीरेंद्र यादव 4 फरवरी 2025 से तथा राजकुमार यादव 9 अप्रैल 2025 से इस मामले में जेल में है। दोनों पर आरोप है कि एक मामले में झामुमो नेता कारू यादव को गिरफ्तार करने के लिए धनबाद पुलिस गई थी। कारू यादव के समर्थकों से पुलिस की झड़प हुई थी। इसी दौरान आजसू कार्यालय में आग लगा दी गई थी। मामले को लेकर धनबाद के मधुबन थाना में प्राथमिकी दर्ज की गयी थी।

लाइट हाउस के आवेदकों को लोन में प्राथमिकता

रांची। पीएम आवास योजना के तृतीय घटक लाइट हाउस प्रोजेक्ट, रांची के तहत रांची नगर निगम द्वारा आनी में 1008 फ्लैट का निर्माण किया गया है। लाभुकों को इसका आवंटन भी कर दिया गया है पर इनमें से 308 लाभुकों ने आवंटन पत्र लेने के बावजूद पूर्ण किस्त का भुगतान नहीं किया है। अब निगम ने ऐसे लाभुकों को 2 जून तक पूर्ण किस्त की राशि जमा करने को कहा है। ऐसा नहीं करने पर लाभुकों का आवास रद्द करने की कार्रवाई की जायेगी। इस संदर्भ में उप प्रशासक गौतम प्रसाद साहू ने पीएम आवास योजना के पदाधिकारियों और बैंक अधिकारियों संग बैठक की। इसमें लोन सेक्शन के पदाधिकारियों से कहा कि यदि बैंक में लाइट हाउस के लाभुकों ने पूर्व में लोन के लिए आवेदन कर रखा हो या आवेदन करते हों तो उन्हें प्राथमिकता दें। जो लाभुक होम लोन लेना चाहते हों, वो जल्द इन बैंकों से संपर्क करें।

रांची रेलवे स्टेशन से दो नाबालिग का रेस्क्यू

रांची। रांची रेल मंडल में मंडल सुरक्षा आयुक्त, पवन कुमार के निर्देश पर आरपीएफ बेहद सतर्क है। आरपीएफ को सूचना मिली कि दो नाबालिग बालक, जो घर से भाग गए थे, रांची रेलवे स्टेशन के आसपास देखे गए हैं। उक्त सूचना के आधार पर आरपीएफ पोस्ट रांची के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा 'नन्हे फरिश्ते' टीम के सहयोग से तत्काल खोज अभियान चलाया गया। त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों बालकों को रेलवे स्टेशन के सकुर्लेटिंग एरिया से सकुशल खोज निकाला गया। आरपीएफ के पूछताछ के दौरान बालकों ने अपनी पहचान बिट्टू कुमार (पिता– राजेश चौधरी, निवासी– वार्ड संख्या 7, चांद सराय, जिला वैशाली, बिहार) और आदित्य सैनी (पिता– शंभू भगत, निवासी –वार्ड संख्या 11, जंदाहा, जिला– वैशाली, बिहार) है। दोनों नाबालिग ने बताया कि उन्हें माता–पिता द्वारा डांटने पर वे घर से भाग आए थे।

कोविड-19 के बढ़ते मामले को लेकर सतर्क रहने की अपील

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। रांची जिला प्रशासन ने बढ़ते कोविड संक्रमण को लेकर जिला वासियों के लिए सामान्य परामर्श जारी किया है। डीसी मंजूनाथ भजंत्री की पहल पर कुछ जरूरी बिंदुओं का ख्याल रखने का आग्रह लोगों से किया गया है। इसमें कहा गया है कि अगर आप भीड़-भाड़ वाली जगह पर हैं या आपको बहती नाक, गले में खराश, सिरदर्द या बुखार जैसे लक्षण हैं, तो मास्क पहनें। एम्स/आईसीएमआर कोविड-19 नेशनल टास्क फोर्स के दिशा-निर्देशों के अनुसार, हल्के लक्षण वाले लोगों को घर पर ही आइसोलेट रहना चाहिए। यदि आपको फ्लू का कोई लक्षण है तो घर पर शारीरिक दूरी बनाए रखें। मास्क पहनें। हाथों की अच्छी स्वच्छता का अभ्यास करें।

प्रशासन के मुताबिक, हल्के मामलों पर आराम, तरल पदार्थ और लक्षणों से राहत के लिए दवाओं का इस्तेमाल किया जा सकता है। हाइड्रेटेड रहें, अपने तापमान और ऑक्सीजन के स्तर की निगरानी करें और अपने डॉक्टर के संपर्क में रहें। जब तक बैक्टीरिया के संक्रमण का स्पष्ट संकेत न हो, तब तक एंटीबायोटिक्स का उपयोग न करें। अगर आपको सांस लेने में तकलीफ हो, आपका ऑक्सीजन स्तर 93% या उससे कम हो जाए, या आपको तेज बुखार हो या पाँच दिनों से ज्यादा समय तक खांसी हो, तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लें।

लाल विजय नाथ शाहदेव को हॉस्पिटल से मिली छुट्टी : झॉलीवुड से बॉलीवुड तक फिल्म मेकिंग में अपनी पहचान बना चुके लाल विजय शाहदेव को अस्पताल से छुट्टी मिल गयी। कोविड की चपेट में आने के बाद अब तबीयत बिल्कुल ठीक है। जांच रिपोर्ट भी कोविड नेगेटिव आई है। दरअसल, इस समय जो वेरिएंट फैला हुआ है, वह पहले की तरह घातक नहीं है, और ऐसे में घबराकर अस्पताल में भर्ती होना आवश्यक नहीं लगता। मुंबई से रांची आने के दौरान कुछ स्वास्थ्य दिक्कतों का सामना करना पड़ा, जिससे डॉक्टरों ने निगरानी में रखा था।

झारखंड चेंबर ने भवन नियमितीकरण योजना को प्रभावी करने का किया आग्रह

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। विभाग से जुड़े लंबित मुद्दों के समाधान के लिए चैंबर महासचिव आदित्य मल्होत्रा के नेतृत्व में गुरूवार को फेड्रेशन ऑफ झारखण्ड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की वार्ता नगर विकास एवं आवास मंत्री सुदिव्य कुमार से उनके आवास पर हुई। चैंबर के सदस्यों ने अनाधिकृत निर्माण को नियमितीकरण करने के लिए राज्य में भवन नियमितीकरण योजना को जल्द प्रभावी करने का आग्रह किया। सदस्यों ने भवन योजनाओं में मल्टी लेवल स्टैक पार्किंग की स्वीकृति देने, कोडरमा जिले में सर्किल रेट की विसंगतियों में संशोधन करने तथा रांची मास्टर प्लान 2037 एवं जेबीबीएल 2016 के प्रावधानों की समीक्षा का भी आग्रह किया। महासचिव आदित्य ने कहा कि रांची मास्टर प्लान 2037 के प्रावधानों के अनुसार प्रत्येक पांच वर्ष में प्रावधानों विशेषकर लैंड यूज की समीक्षा/पुनर्विचार करने का प्रावधान निर्धारित किया गया है। किंतु पिछले आठ वर्षों से इस महत्वपूर्ण प्लान के प्रावधानों की समीक्षा नहीं की जा सकी है, जिस कारण भू-मालिक अपनी भूमि का प्रभावी ढंग से उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। यह सुझाया कि स्टेकहोल्डर्स के प्रतिनिधित्व से एक उच्चस्तरीय कमिटी का गठन कर मास्टर प्लान 2037 एवं जेबीबीएल 2016 के प्रावधानों की समीक्षा की जाए साथ ही स्मॉर्ट सिटी की भूमि का सीओ म्युटेशन नहीं होने से हो रही कठिनाई की ओर भी ध्यान दिलाया गया।

नगर विकास एवं आवास मंत्री ने सदस्यों की सभी बातों पर सकारात्मक रूख दिखाते हुए उचित कार्रवाई का भरोसा दिलाया। प्रतिनिधिमंडल में चैंबर महासचिव आदित्य मल्होत्रा, सह सचिव नवजोत अलंग, कोषाध्यक्ष रोहित अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य डॉ0 अभिषेक रामाधीन, अमित शर्मा, मुकेश अग्रवाल, आस्था किरण, पूर्व अध्यक्ष मनोज नरेडी, निवर्तमान अध्यक्ष किशोर मंत्री, आर्किटेक्ट अरूण कुमार और सदस्य अमित अग्रवाल शामिल थे। ये जानकारी प्रवक्ता सुनील सरावगी ने दी।

समन पर उपस्थित नहीं हुए अधिकारी, आयोग ने जतायी नाराजगी

रांची। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग (एनसीएसटी) की सदस्य डॉ. आशा लकड़ा ने अधिकारियों की कार्यशैली पर नाराजगी जतायी है। उन्होंने सिरमटोली-मेकान फ्लाईओवर के रैंप विवाद को लेकर आयोग की ओर से पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार, डीसी मंजूनाथ भजंत्री और रांची नगर निगम के प्रशासक संदीप सिंह को समन जारी कर गुरुवार को नई दिल्ली स्थित आयोग के कार्यालय में उपस्थित होने के लिये कहा गया था, लेकिन, निर्धारित तिथि पर संबंधित अधिकारी एनसीएसटी कार्यालय नहीं पहुंचे। पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव ने निर्धारित तिथि से एक दिन पहले 28 मई को एनसीएसटी के सचिव को ई-मेल के माध्यम से आयोग के समक्ष उपस्थित होने में अपनी असमर्थता जताई। एनसीएसटी की सदस्य डा आशा लकड़ा ने कहा कि राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग एक संवैधानिक संस्था है। झारखंड राज्य के अधिकारी आयोग की मर्यादा को समझें और आदिवासी समाज के प्रति अपना नजरिया बदलें।

अधिकार दिलाने को प्रयासरत है आइसीएल

रांची। इंडियन कनफेडरेशन आफ लेबर आईसीएल के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष सह प्रदेश अध्यक्ष दिनेश सोनी एवं प्रदेश महासचिव ललन सिंह द्वारा गुरुवार को आईसीएल झारखंड प्रदेश में प्रदेश उपाध्यक्ष कृष्ण देव पासवान (धनबाद), राम सिंहासन शर्मा प्रदेश महासचिव (बोकारो), शंकरी देवी जिला उपाध्यक्ष (देवघर), संदीप कुमार पासवान, जिला उपाध्यक्ष देवघर महेश साव उर्फ भगत जी महासचिव (चतरा), चंदन कुमार सचिव (चतरा), दिलीप जिला सचिव (धनबाद), आर्यन सिंह जिला सचिव (उत्तर प्रदेश) को मनोनीत किया गया है। मौके पर दिनेश सोनी ने कहा कि हम सभी को उम्मीद है कि आईसीएल के ये पदाधिकारी हर गरीब मजदूर वर्ग के लोगों तक पहुंच कर उन सब का हक अधिकार दिलाने का लिए हर समय हर संभव प्रयासरत रहेंगे। इस दौरान उन्होंने सभी साथी को ढेर सारी शुभकामनाएं और बधाई दी है।

सरना धर्म कोड के मामले पर झारखंड में सियासत गर्म
सत्तारूढ़ दलों के अलग-अलग प्रदर्शन पर उठ रहे सवाल

सत्येन्द्र

रांची। सरना धर्म कोड की मांग को लेकर चल रहे आंदोलन के बीच सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा और कांग्रेस के बीच शक्ति प्रदर्शन का दौर शुरू हो गया है। कांग्रेस द्वारा जनगणना में सरना धर्म कोड कॉलम लागू करने की मांग को लेकर 26 मई को राजभवन के समक्ष के राज्यस्तरीय धरना के ठीक एक दिन बाद 27 मई को झामुमो ने सभी जिला मुख्यालयों में प्रदर्शन कर सरना धर्मकोड की मांग करते हुए सरना धर्म कोड नहीं लागू करने पर जनगणना नहीं होने तक की धमकी दे डाली। वर्तमान समय में झारखंड की राजनीतिक को नजदीक से जाननेवाले कहने में यह संकोच नहीं कर रहे हैं कि अब इसका श्रेय लेने के लिए सरकार में शामिल कांग्रेस और जेएमएम के बीच होड़ सी मच गई है। हालांकि दोनों ही दल एक दूसरे के बीच खुलकर बोलने के लिए तैयार नहीं है। दरअसल जातीय जनगणना में सफलता के बाद कांग्रेस जनगणना में सरना धर्म कोड शामिल कराने को लेकर कांग्रेस मुखर हो गई है। कांग्रेस को विश्वास है आंदोलन कर जातीय जनगणना की तरह इसको लागू करने के लिए केंद्र सरकार को बाध्य किया जा सकता है। कांग्रेस पार्टी ने सरना धर्म कोड को लेकर भाजपा के रुख को जनता के बीच पहुंचाने के लिए जिला एवं प्रखंड स्तर पर आंदोलन करने की घोषणा तक कर चुकी है।

मालूम हो कि सरकार में शामिल दोनों प्रमुख दलों द्वारा चल रहे इस आंदोलन के पीछे की वजह भले ही केंद्र की भाजपा सरकार पर मांग को पूरा करवाने के लिए दबाव बनाना है, लेकिन अंदरूनी बात यह है कि पिछले विधानसभा चुनाव में दोनों दल के द्वारा जारी संयुक्त घोषणा पत्र सात निश्चय में इसे प्रमुख एजेंडा में रखा गया था। इसके अलावे दोनों दलों ने अपने-अपने घोषणा पत्र में भी प्रमुखता से इस मुद्दे को रखकर जनता का दिल जीतने की कोशिश की थी।

ज्ञात हो कि सरना धर्म कोड को झामुको अपना पुराना मुद्दा मान रहा है। इन सबके बीच कांग्रेस के इस मुद्दे पर मुखर होने के बाद कहीं ना कहीं जेएमएम के अंदर खलबली है। इपार्टी के नेताओं और कार्यकर्ता केंद्र सरकार पर दबाव बनाने के लिए सड़क पर उतरकर आंदोलन का राह पकड़ चुके हैं। हालांकि इस मुद्दे पर दोनों दलों के द्वारा किए जा रहे अलग-अलग आंदोलन को पार्टी नेता सही बता रहे हैं।

गंभीर बीमारी होने पर अलग-अलग दी जाती है दवा : राकेश

कांग्रेस के प्रदेश महासचिव राकेश सिन्हा ने कहा कि जब बीमारी गंभीर हो तो कई दवाई दी जाती है। इसी के तहत हमलोग ने अलग-अलग आंदोलन के जरिए केंद्र को दवाई देने का काम कर रहे हैं।

सरना धर्म कोड इंडिया ब्लॉक की मांग : विनोद पांडे

जेएमएम के केंद्रीय महासचिव विनोद पांडे का कहना है कि 'इंडिया गठबंधन चाहती है कि यह धर्म कोड लागू हो, इसलिए सभी दल अपने–अपने स्तर से आंदोलन कर रहे हैं। उन्होंने कहा है कि हर पार्टी का अपना एजेंडा होता है। उसी के तहत लोग अपने मंच से आंदोलन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जेएमएम की यह पुरानी मांग है और समय–समय पर उठती रही है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के द्वारा विधानसभा से इसे पास कराकर केंद्र को भेजा गया था, मगर केंद्र सरकार के द्वारा अनदेखी की जा रही है।

झारखंड की क्षेत्रीय भाषा की फिल्मों को मिलेगा बढ़ावा

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड आर्टिस्ट फिल्म फेड्रेशन का एक प्रतिनिधिमंडल गुरुवार को सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के विशेष सचिव व निदेशक राजीव लोचन बक्शी से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान झारखंड के फिल्म उद्योग और कलाकारों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। बताते चलें कि झारखंड फिल्म विकास निगम (जेएफडीसीएल) द्वारा राज्य के धूमकुड़िया भवन, नगर भवन और पंचायत भवनों में क्षेत्रीय फिल्मों को प्रदर्शित करने के लिए कल्याण विभाग को पत्र भेजने की योजना बनाई गयी है।

बैठक में राज्य के कलाकारों के समग्र विकास पर चर्चा : फेडरेशन की ओर से बैठक में राज्य के कलाकारों के समग्र विकास, आर्थिक स्थिरता और सामाजिक सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों को उठाया गया। फिल्म निर्माण में तकनीकी और प्रशासनिक अड़चनों के समाधान, सब्सिडी वितरण में हो रही देरी और कलाकारों के सामाजिक सरोकारों पर भी चर्चा की गयी। श्री बक्शी ने कलाकारों के हित में एक एकल खिड़की प्रणाली शीघ्र लागू करने की बात कही, ताकि फिल्म निर्माण से जुड़े सभी सरकारी प्रक्रियाएं सरल और पारदर्शी हो सकें।

सभी सिनेमा हॉल में क्षेत्रीय फिल्मों को मिलेगा एक शो : आईपीआरडी निदेशक ने आश्वासन दिया कि झारखंड में निर्मित क्षेत्रीय भाषाओं की फिल्मों को सभी सिनेमा हॉल में कम-से-कम एक शो अनिवार्य रूप से देने के लिए नीतिगत प्रावधान लाये जाएंगे। इससे स्थानीय फिल्मों को व्यापक दर्शक वर्ग मिलेगा और राज्य की सांस्कृतिक पहचान सशक्त होगी। फेडरेशन के आग्रह पर क्षेत्रीय भाषाओं की शॉर्ट फिल्मों को अनुदान श्रेणी में शामिल करने की सिफारिश की गई।

जरूरतमंद मेधावी मुस्लिम विद्यार्थियों का खर्च उठायेगी फ्रेंड्स ऑफ विकर सोसाइटी

रांची। झारखंड बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सभी जरूरतमंद मेधावी मुस्लिम छात्रों के कॉलेज में दाखले का खर्च फ्रेंड्स ऑफ विकर सोसाइटी उठाएगा। यह जानकारी साझा करते हुए सोसाइटी के अध्यक्ष तनवीर अहमद और महासचिव कमर सिद्दीकी ने बताया कि जो मुस्लिम छात्र 10वीं बोर्ड एग्जाम मे 90 प्रतिशत या उसे ज्यादा अंक प्राप्त किया है, उनके कॉलेज और स्कूलों के दाखला में होने वाले सभी खर्च सोसाइटी उठाएगा। उन्होंने कहा कि इस वर्ष रांची की एक छात्रा तहरीन फातिमा ने जिला टॉप करते हुए पूरे झारखंड में पांचवां स्थान प्राप्त किया है, जो समस्त समाज के लिए गर्व का विषय है। ऐसे कई छात्र–छात्राओं को चिन्हित किया गया है, जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों के बावजूद उत्कृष्ट सफलता प्राप्त की है। मौके पर सोसाइटी के सरपरस्त और सदस्य जनाब इरशाद अहमद, जनाब खालिद खलील, अध्यक्ष तनवीर अहमद, महासचिव कमर सिद्दीकी, सचिव सुहैल अख्तर, गुलजार आदि उपस्थित थे।

भारत को ज्ञान की महाशक्ति बनाने की दिशा में एनइपी-2020 एक ऐतिहासिक कदम

शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के लिए प्रभावी टास्क फोर्स का गठन करें सभी विश्वविद्यालय : राज्यपाल

- अब समस्याओं पर नहीं, समाधानों पर चर्चा कर ठोस कदम उठाने का समय है

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राज्यपाल सह राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार की अध्यक्षता में गुरुवार को राजभवन में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 (एनईपी) के क्रियान्वयन एवं भारतीय ज्ञान परंपरा विषय पर परिचर्चा का आयोजन किया गया। इसमें राष्ट्रीय सचिव, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली अनिल कोठारी समेत शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के अन्य अधिकारी एवं राज्य के सभी सरकारी एवं निजी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों ने भी भाग लिया। इस अवसर पर राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों से कहा कि वे एनईपी-2020 के क्रियान्वयन के लिए प्रभावी टास्क फोर्स का गठन करें। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद पहली बार एक ऐसी शिक्षा नीति बनाई गई है, जो भारत की प्रकृति, संस्कृति, भाषाई विविधता और विकास-यात्रा को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है। यह नीति केवल शिक्षा सुधार का दस्तावेज नहीं, बल्कि भारत को ज्ञान की महाशक्ति बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। यह नीति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शिक्षा से विकास और कौशल से आत्मनिर्भरता के विजन को मूर्त रूप देती है। राज्यपाल ने कहा कि वे राज्य की उच्च शिक्षा की स्थिति में सुधार लाने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध हैं। यदि सभी कुलपति साथ दें तो विश्वास है कि झारखंड उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक अनुकरणीय राज्य बन सकता है। वे उच्च शिक्षा में सुधार को हर समय उपलब्ध हैं। अब समय है कि हम समस्याओं पर नहीं, समाधानों पर चर्चा करें और ठोस कदम उठायें।

प्राचीन भारत कभी संपूर्ण विश्व के लिए शिक्षा का प्रमुख केन्द्र हुआ करता था

राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों से कहा कि वे एनईपी-2020 के क्रियान्वयन के लिए प्रभावी टास्क फोर्स का गठन करें, नियमित समीक्षा बैठकें व नीति के विभिन्न पहलुओं पर कार्यशालाओं का आयोजन करें तथा विद्यार्थियों को नीति के लाभों से अवगत करायें। शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं, बल्कि ज्ञान, व्यक्तित्व विकास और चरित्र निर्माण है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति छात्रों को रटंत प्रणाली से बाहर निकालते हुए नवाचार, कौशल और व्यावहारिक ज्ञान की ओर अग्रसर करती है। राज्यपाल ने कहा कि प्राचीन भारत कभी संपूर्ण विश्व के लिए शिक्षा का प्रमुख केन्द्र हुआ करता था। तक्षशिला, नालंदा, विक्रमशिला जैसे प्राचीन भारत के विश्वस्तरीय संस्थानों ने शिक्षण एवं शोध के उच्च प्रतिमान स्थापित किए। भारतीय विद्वानों ने गणित, खगोल, धातु, चिकित्सा और योग जैसे क्षेत्रों में संसार को अनुपम योगदान दिया है। भारतीय ज्ञान परंपरा ने सदियों से न केवल भारत, बल्कि सम्पूर्ण विश्व को प्रोत्साहित किया है। उन्होंने कहा कि राज्य में सभी से झारखंड को एजुकेशन हब के रूप में विकसित करने का आह्वान किया। कहा कि राज्य में एक ऐसी शैक्षणिक संस्कृति विकसित की जानी चाहिए जहाँ देशभर के विद्यार्थी अध्ययन के लिए आकर्षित हों।

परिचर्चा के दौरान कुलपतियों ने भी अपने विचार साझा किए और अपने-अपने विश्वविद्यालयों में एनईपी-2020 के क्रियान्वयन की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। इस अवसर पर झारखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, अरका जैन विश्वविद्यालय, जमशेदपुर, सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय, दुमका, अमिटि विश्वविद्यालय, रांची विश्वविद्यालय रांची, झारखंड राय विश्वविद्यालय, विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग, सरला बिरला विश्वविद्यालय, कोल्हान विश्वविद्यालय चाईबासा, उषा मार्टिन विश्वविद्यालय द्वारा पावरपॉइंट के माध्यम से विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन एवं भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकाश डाला गया।

सभी विश्वविद्यालय आपस में संवाद बनाएं : कुलकर्णी

मौके पर राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव डॉ नितिन कुलकर्णी ने कहा कि सभी विश्वविद्यालय आपस में संवाद बनाएं, ताकि जहां किसी संस्थान में नीति के बेहतर क्रियान्वयन के उदाहरण हैं, उन्हें अन्य संस्थानों में भी लागू किया जा सके। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के लिए विस्तृत नहीं, प्रभावी टास्क फोर्स के गठन की बात कही। सभी विश्वविद्यालयों से दीक्षांत समारोह में पूर्ववर्ती औपनिवेशिक परिधान के स्थान पर भारतीय परिधान को अपनाने पर जोर दिया। विद्यार्थियों को परिधान के लिए राशि भी देना पड़े, ऐसी व्यवस्था नहीं रहना चाहिए। इस अवसर पर राष्ट्रीय सचिव, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास अनिल कोठारी ने कहा कि सभी विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन हेतु क्रियान्वयन समिति (टास्क फोर्स) का पुनर्गठन करें, महाविद्यालयों के कुछ प्राचार्य को भी इसमें रखें तथा विद्यार्थियों का भी टास्क फोर्स हो, क्योंकि यह नीति विद्यार्थियों के हित में है। उन्होंने यह भी कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के हर प्रावधान से सभी शिक्षकों और प्रशासनिक पदाधिकारियों को भलीभांति अवगत होना चाहिए, तभी उसका वास्तविक लाभ विद्यार्थियों तक पहुंचेगा। कौशल विकास पर चर्चा करते हुए वोकल फॉर लोकल की बात कही।

पारस हॉस्पिटल में सिकल सेल एनीमिया मरीज का सफल कूल्हा प्रत्यारोपण सर्जरी

रांची। पारस हॉस्पिटल में झारखंड राज्य कर्मी स्वास्थ्य बीमा योजना के अंतर्गत सिकल सेल एनीमिया मरीज का सफल पूर्ण कूल्हा प्रत्यारोपण सर्जरी गुरुवार को किया गया। हॉस्पिटल के आर्थोपेडिक्स कंसल्टेंट डॉ अवकाश कुमार की देखरेख में मरीज का एक दुर्लभ और जटिल मामला सफलता पूर्वक इलाज किया गया। इस संबंध में डॉ अवकाश कुमार ने बताया कि हॉस्पिटल में एक सिकल सेल एनीमिया से पीड़ित मरीज आयाा था, जिसकी कुल्हे का जोड़ (हिप जॉइंट) एवीएन (एवास्कुलर नेक्रोसिस) के वजह से क्षतिग्रस्त हो चुकी थी। उस मरीज का पूरी तरह मुफ्त में पूर्ण कूल्हा प्रत्यारोपण किया गया। सर्जरी के बाद अब मरीज पूरी तरह स्वस्थ है और चल-फिर पा रहा है। पारस हॉस्पिटल के मार्केटिंग हेड मानस लाभ ने कहा कि हॉस्पिटल झारखंड राज्य कर्मी स्वास्थ्य बीमा योजना के अंतर्गत सूचीबद्ध प्रमुख अस्पतालों में से एक है, जहां सरकारी कर्मचारियों और उनके आश्रितों को उन्नत चिकित्सा सुविधाएं बिना किसी खर्च के मिलती हैं।

योगदा सत्संग कालेज में एनईपी एंड इट्स रोल इन प्रिजरविंग इंडियन नॉलेज सिस्टम विषय पर एक्सपर्ट टॉक का आयोजन

रांची। योगदा सत्संग महाविद्यालय के आईक्यूएसी द्वारा आयोजित ज्ञानोदय व्याख्यानमाला के अंतर्गत एनईपी एंड इट्स रोल इन प्रिजरविंग इंडियन नॉलेज सिस्टम विषय पर एक एक्सपर्ट टॉक का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य वक्ता बिनोद विहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. (डॉ.) अंजनी कुमार श्रीवास्तव थे। मुख्य वक्ता ने अपने वक्तव्य में प्राचीन भारतीय ज्ञान परम्परा के बारे में बताया। उन्होंने नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति में सर्वांगीण विकास की विस्तृत चर्चा की। स्वागत भाषण प्रोफेसर इंचार्ज प्रगति बक्शी ने दिया। मंच संचालन प्रो. अनुपम मिश्रा तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रो. अपर्णा पाण्डेय ने किया। इस अवसर पर शासी निकाय के उपाध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल ज्ञान भूषण, सचिव अश्वनी कुमार सक्सेना, आईक्यूएसी निदेशक कर्नल हिमांशु शेखर, आईक्यूएसी समन्वयक सिमरन कौर के अलावे महाविद्यालय के सभी शिक्षक एवं छात्र उपस्थित थे।

अमेरिकी होटल ब्रांड रमादा ने राजधानी में शुद्ध शाकाहारी होटल के साथ किया प्रवेश

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। भारत सहित विदेशों में ग्राहकों के बीच अपनी पहचान बनाने वाला रमादा बाय विन्धम ग्रुप अब रांची के बरियातू रोड में शुद्ध शाकाहारी होटल खोल रहा है। इसका उद्घाटन आज शाम 5:00 बजे केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और पूर्व केंद्रीय मंत्री व पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा संयुक्त रूप से करेंगे। ये जानकारी होटल रमादा बाय विन्धम के एम०डी० पवन बजाज और निदेशक चंद्रेश बजाज ने गुरुवार को आयोजित प्रेस वार्ता में दी। उन्होंने बताया कि रमादा बाय विन्धम ग्रुप का देश विदेश में 9300 से अधिक होटल हैं। लगभग 50 हजार वर्गफीट में फैले इस होटल में 67 बड़े डीलक्स सूट प्रीमियम रूम अत्याधुनिक सुविधा के साथ कमरे उपलब्ध हैं। वहीं, दो बड़े हॉल हैं, जो शादी विवाह, पार्टी, सामाजिक समारोह, सेमिनार आदि के उपयुक्त स्थान हैं। इसके अलावा पांच हजार स्क्वायर फीट का वातानुकूलित हॉल के साथ शुद्ध शाकाहारी रेस्टोरेंट में 150 से अधिक लोग एक साथ बैठ सकते हैं।

झूठे वादे करने वालों को सबक सिखाएं : महेश्वर साहु

- वैश्य मोर्चा की बैठक में बनी आंदोलन की रणनीति, 31 जुलाई को जंतर-मंतर पर त्राहिमाम महाधरना

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा कोर कमेटी की बैठक गुरुवार को हुई। बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु ने की। बैठक में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। मौके पर मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु ने कहा कि सत्ताधारी दलों द्वारा अपने किए गए वायदे को पूरा नहीं करना, यह लोकतंत्र के लिए काफी गंभीर और ओबीसी के साथ धोखा है। खास कर कांग्रेस और राजद को ओबीसी के साथ उपेक्षापूर्ण रवैया नहीं अपनाना चाहिए। झारखंड में सरकारी आंकड़ों के अनुसार ही ओबीसी की आबादी 52% से अधिक है, सत्ता बनाने और बिगाड़ने की यह वर्ग ताकत रखता है। अगर वैश्य और ओबीसी के साथ यही उपेक्षापूर्ण नीति रही तो झूठे वायदे करने वालों को समय आने पर सबक सिखाया जायेगा। इसके पूर्व जून के प्रथम सप्ताह में दिल्ली जाकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी एवं पटना जाकर लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव को मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा जायेगा। 31 जुलाई को दिल्ली के जंतर-मंतर पर त्राहिमाम महाधरना कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। साथ ही अन्य मांगों पर भी चर्चा की गई। इस अवसर पर कार्यकारी अध्यक्ष हीरानाथ साहु, वरीय उपाध्यक्ष अश्विनी कुमार साहु, केंद्रीय उपाध्यक्ष अधिवक्ता सहदेव चौधरी, उप प्रधान महासचिव उपेन्द्र प्रसाद, अशोक गुप्ता, संगठन महासचिव कृष्णा साहु, अनिल वैश्य, रांची महानगर महासचिव मनोज कुमार, केंद्रीय सदस्य नंदकिशोर भगत, राहुल कुमार साहु, नरेश साहु, महिला मोर्चा की कार्यकारी अध्यक्ष नम्रता सोनी, दीपारानी कुंज, युवा मोर्चा के अध्यक्ष हलधर साहु मुख्य रूप से उपस्थित थे।

विद्यालयों की मनमानी फीस वसूली पर सरकार नाकाम : अजय राय

- झारखंड पेरेंट्स एसोसिएशन ने उठाए सवाल

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड पेरेंट्स एसोसिएशन ने राज्य भर के निजी स्कूलों में मनमाने तरीके से की जा रही फीस वसूली पर आपत्ति जताई है। संगठन के अध्यक्ष अजय राय ने कहा है कि स्कूलों द्वारा एनुअल डेवलपमेंट फीस, लेट फाइन, बिल्डिंग फंड सहित कई तरह के शुल्क वसूले जा रहे हैं, जिन पर सरकार का कोई नियंत्रण नजर नहीं आता। झारखंड शिक्षा न्यायाधिकरण संशोधन अधिनियम 2017 का स्पष्ट उल्लंघन राज्य में किया जा रहा है, फिर भी प्रशासन पूरी तरह निष्क्रिय है।

श्री राय ने कहा कि राज्य के शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन कई बार सार्वजनिक मंचों से यह दावा कर चुके हैं कि स्कूलों द्वारा यदि ट्यूशन फीस के अलावा कोई भी अतिरिक्त शुल्क लिया जाता है तो उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। इसके बावजूद राज्य के अधिकांश निजी स्कूलों में न केवल फीस में बढ़ोत्तरी की गई है, बल्कि विभिन्न मदों में मनमाने तरीके से शुल्क भी वसूले जा रहे हैं। राज्य सरकार एवं जिला उपायुक्त द्वारा समय-समय पर दिए गए बयान और निर्देश केवल औपचारिकता बनकर रह गए हैं। धरातल पर इनका कोई असर नहीं दिखाई देता। अभिभावकों की आर्थिक स्थिति पहले ही कोरोना महामारी और महंगाई की वजह से कमजोर हो चुकी है। ऐसे में स्कूलों की यह मनमानी उन्हें और अधिक परेशान कर रही है। उन्होंने राज्य सरकार से मांग करते कहा कि झारखंड शिक्षा न्यायाधिकरण अधिनियम 2017 को सख्ती से लागू किया जाए। जो भी स्कूल इसकी अवहेलना कर रहे हैं, उनके विरुद्ध तुरंत कार्रवाई की जाए। साथ ही उन्होंने आग्रह किया कि एक टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर शुरू किया जाए, जहां अभिभावक स्कूलों द्वारा की जा रही अनियमितताओं की शिकायत दर्ज करा सकें। झारखंड पेरेंट्स एसोसिएशन ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने शीघ्र ही कोई ठोस कार्रवाई नहीं की तो राज्य भर में व्यापक स्तर पर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। संगठन ने सभी अभिभावकों से अपील की है कि वे एकजुट होकर इस मुद्दे पर अपनी आवाज बुलंद करें।

खबर एक नजर में

विकसित कृषि संकल्प अभियान का शुभारंभ

रांची। विकसित कृषि संकल्प अभियान भारत सरकार के कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्रालय के द्वारा खरीफ मौसम में किसानों द्वारा ली जाने वाली विभिन्न फसलों की खेती को पूर्ण वैज्ञानिक तरीके से खेती को खेत तक ले जाने के लिए यह अभियान का प्रारम्भ किया गया है जो आज 29 मई से लेकर 12 जून 25 तक चलेगा। इसमें कृषि विज्ञान केन्द्र, केंद्रीय कृषि संस्थान, राज्य सरकार के कृषि विभाग एवं इफको के कृषि विशेषज्ञ गांवों तक जाएंगे और किसानों के साथ वार्तालाप करेंगे और उन्हें खेती में प्रयुक्त होने वाले सभी वैज्ञानिक पहलू के बारे में बतायेंगे। झारखंड में इस अभियान का शुभारंभ कृषि विज्ञान केन्द्र के सभागार में एक भव्य कार्यक्रम के साथ हुआ, जिसमें प्रमुख अतिथि के रूप संजय सेठ, रक्षा राज्य मंत्री, विशिष्ट अतिथि अमित कुमार, विधायक सिल्ली एवं 400 किसानों ने अपनी महती भूमिका निभाई। इस अवसर पर इफको झारखंड ने इस कार्यक्रम में शामिल किसानों के साथ कृषि प्रश्नावली कर 20 किसानों को पुरस्कृत किया।

नेतरहाट में विद्यालय में सांस्कृतिक महोत्सव 2 जून से

रांची। झारखंड की सांस्कृतिक विरासत को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के उद्देश्य से नेतरहाट एक बार फिर आदिवासी संस्कृति के रंग में रंगने जा रहा है। नेतरहाट आवासीय विद्यालय के सभागार में दो दिवसीय सांस्कृतिक महोत्सव 2 जून को शुरू होगा। सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक चलने वाला यह कार्यक्रम झारखंड सरकार के पर्यटन, कला, संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग के सहयोग से स्टारलाइट इंटरनेशनल वैरिटेबल सोसाइटी आयोजित कर रही है। समारोह में राज्य के मंत्री चमरा लिंडा बतौर मुख्य अतिथि और मनिका विधायक रामचंद्र सिंह विशिष्ट अतिथि के तौर पर शरीक होंगे। कार्यक्रम में भाग लेने के लिए निःशुल्क पंजीकरण 1 जून तक होगा। महोत्सव का मुख्य उद्देश्य झारखंड की समृद्ध आदिवासी परंपराओं को मंच देना, नई पीढ़ी को लोक कलाओं से जोड़ना, जनजातीय पहचान को सशक्त बनाना और राज्य की सांस्कृतिक छवि को राष्ट्रीय पहचान दिलाना है। महोत्सव के पहले दिन 2 जून को कलाकार झारखंड के पारंपरिक झूमर और छऊ नृत्य की रंगारंग प्रस्तुति देंगे। वहीं, 3 जून को विभिन्न जनजातीय नृत्य शैलियों की झलकियां मंच पर दिखाई जाएंगी।

नीलम कुमारी बनी आरटीसी ग्राम विकास विद्यालय की टॉपर

रांची। आईटीसी ग्राम विकास विद्यालय खटंगा पेरतोल से दसवीं बोर्ड परीक्षा में 53 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया था। विद्यालय की नीलम कुमारी 93 प्रतिशत लाकर विद्यालय की टॉपर बनी और विद्यालय का नाम रोशन किया। दूसरे स्थान पर संध्या कुमारी 92 प्रतिशत, तीसरे स्थान पर रजनी कुमारी 90 प्रतिशत, चौथे स्थान पर निर्भर कुमार 90 प्रतिशत तथा पांचवें स्थान पर रंजीता कुमारी ने 89 .40 प्रतिशत अंक प्राप्त किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं समस्त विद्यालय परिवार ने सभी विद्यार्थियों को बधाई देकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

संत जेवियर्स कॉलेज में लैंगिक समानता पर व्याख्यान

रांची। संत जेवियर्स कॉलेज के इतिहास विभाग व आइक्यूएसी के द्वारा लैंगिक समानता पर व्याख्यान का आयोजन गुरुवार को किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित झारखण्ड उच्च न्यायालय की वरीय अधिवक्ता नलिनी झा ने महिलाओं के अधिकारों एवं समानता से संबंधित कानूनी प्रावधानों पर प्रकाश डाला। कॉलेज के प्राचार्य डॉ फादर रॉबर्ट प्रदीप कुजूर, एसजे ने भी कार्यस्थल पर महिला-पुरुष समानता के महत्व पर विचार व्यक्त किया। डीएसडबल्यू सह विभागाध्यक्ष डॉ संजय सिन्हा ने लैंगिक समानता को पालन करने और इसके पर विषय प्रवेश कराया। इस दौरान प्रश्नोत्तरी सत्र भी आयोजित हुआ। कार्यक्रम में आइक्यूसी संयोजक डॉ शिव कुमार, डॉ फादर एफ्रेम बा, प्रो निशा सिंह, प्रो नाजमी अजमत व विभाग के छात्र-छात्राएं उपस्थित हुए। कार्यक्रम का समापन प्रो निशा सिंह के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

ग्लोबल कॉन्वेंट स्कूल का परिणाम शत प्रतिशत रहा

रांची। झारखंड एकेडमिक काउंसिल द्वारा मैट्रिक का रिजल्ट 27 मई को ऑनलाइन जारी किया गया। जिसमें ग्लोबल कॉन्वेंट स्कूल इलाही नगर में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं का रिजल्ट सराहनीय रहा। सभी बच्चे प्रथम श्रेणी से मैट्रिक में सफल रहे। जबकि रुकैया तरन्नुम 93 .4 प्रतिशथ अंक प्राप्त कर स्कूल टॉपर बनी। वहीं हनीफा नौशाद 90 .2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय तथा शिफा नाज 90 .0 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान लाने में सफल रही। शम्मा परवीन 87 .6 प्रतिशत, आफरीन गौसिया 84 .0 प्रतिशत, तमरीन परवीन 79 .4 प्रतिशत, सना परवीन 76 .4 प्रतिशत, मशीरा परवीन 75 .4 प्रतिशत, मो. शाद अंसारी 74 .0 प्रतिशत तथा वसीम अंसारी 73 .2 प्रतिशत अंक और बाकी सभी बच्चे प्रथम श्रेणी प्राप्त कर विद्यालय और अपने माता-पिता का नाम रौशन किए। विद्यालय के निदेशक मो. मिस्बाह तथा विद्यालय के प्राचार्य शमशेर खान ने बच्चों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए और भी कड़ी मेहनत करने की सलाह दी।

भारतीय सेना और कोल इंडिया देश की सबसे भरोसेमंद संस्थाएं : जनरल मलिक

- कोल इंडिया की स्वर्ण जयंती व्याख्यान श्रृंखला में शामिल हुए (से.नि.) जनरल वेद प्रकाश मलिक

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। कोल इंडिया और सीसीएल की गौरवपूर्ण 50 वर्ष की यात्रा के उपलक्ष्य में आयोजित स्वर्ण जयंती व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत रांची स्थित सीसीएल मुख्यालय के गंगोत्री कन्वेंशन सेंटर के संगम सभागार में एक प्रेरणादायक सत्र का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भारतीय सेना के पूर्व सेनाध्यक्ष एवं कारगिल युद्ध के नायक, जनरल वेद प्रकाश मलिक मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित हुए। कार्यक्रम की भव्य शुरूआत सीसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक निलेंदु कुमार सिंह द्वारा जनरल मलिक को शॉल एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित करने के साथ हुई। इस अवसर पर सीसीएल के निदेशक हर्षनाथ मिश्र, सीएस तिवारी, शंकर नागाचारी, कोल इंडिया के कार्यकारी निदेशक ओपी मिश्रा, श्रीमती कामाक्षी रमन, श्रमिक संघों के प्रतिनिधि, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, अधिकारीगण तथा बड़ी संख्या में कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

अपने संबोधन में जनरल वीपी मलिक ने कोल इंडिया और सीसीएल को उनकी स्वर्णिम यात्रा के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि 'कोल इंडिया और सीसीएल जैसी संस्थाओं में भारतीय सेना जैसी ही विशेषताएं हैं। मसलन नेतृत्व, अनुशासन, समर्पण और सेवा। ये देश की सबसे भरोसेमंद और विश्वसनीय संस्थाएं हैं, क्योंकि हमें हारना पसंद नहीं है।' उन्होंने ऑपरेशन विजय के यादों को साझा करते हुए सेना के अदम्य साहस, शौर्य और जज्बे को विस्तार से बताया। ऑपरेशन विजय से लेकर ऑपरेशन सिंदूर तक की सैन्य यात्रा को साझा करते हुए कहा कि 'नाम, नमक और निशान' सिर्फ सेना के लिए नहीं, बल्कि प्रत्येक संस्था के लिए मार्गदर्शक मूल्य होने चाहिए। उन्होंने सीआईएल और सीसीएल जैसे सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को देश के ऊर्जा तंत्र की रीढ़ बताया और उनके सामाजिक एवं सामुदायिक योगदान की भी सराहना की।

सीसीएल के सीएमडी निलेंदु कुमार सिंह ने कहा कि यह हमारे लिए अत्यंत गौरव की बात है कि देश के एक महान योद्धा, जिन्होंने राष्ट्र की रक्षा में अतुलनीय योगदान दिया, आज हमारे मंच पर उपस्थित हैं। सीसीएल सदैव राष्ट्र सेवा, सामाजिक उत्थान और सतत विकास के लिए प्रतिबद्ध रही है। कोल इंडिया और सीसीएल देश की उन्नति और तरक्की के लिए निरंतर प्रयासरत हैं।

उल्लेखनीय है कि इस व्याख्यान श्रृंखला का उद्देश्य न केवल कोल इंडिया लिमिटेड की स्वर्णिम यात्रा का उत्सव मनाना है, बल्कि नेतृत्व, अनुशासन और सेवा जैसे मूल्यों को साझा कर युवा कर्मियों को राष्ट्रभक्ति एवं कर्तव्यनिष्ठा के लिए प्रेरित करना भी है। कार्यक्रम के अंत में एक प्रश्नोत्तरी सत्र आयोजित किया गया, जिसमें सीसीएल के सीएमडी, निदेशकगण एवं अन्य कर्मियों ने जनरल मलिक से विविध विषयों पर प्रश्न पूछे, जिनका उन्होंने सटीक और स्पष्ट उत्तर दिया। जनरल मलिक के इस प्रेरणादायक सत्र को कोल इंडिया एवं आम जनमानस तक पहुंचाने के लिए इसका सीधा प्रसारण किया गया, जिसे सैकड़ों की संख्या में लोग उत्साहपूर्वक जुड़े रहे।

ज्ञात हो कि कोल इंडिया अध्यक्ष पीएम प्रसाद के कुशल नेतृत्व में समय-समय पर ऐसे प्रेरणादायक कार्यक्रमों का आयोजन करती रही है, जिससे न केवल कर्मचारियों का मनोबल बढ़ता है बल्कि संगठनात्मक संस्कृति को भी मजबूती मिलती है। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसे महाप्रबंधक (कल्याण) रेखा पांडे ने प्रस्तुत किया।

सरला बिरला विवि में भारतीय ज्ञान एवं परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए की जा रही है नयी पहल

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। सरला बिरला विश्वविद्यालय में नई शिक्षा नीति-2020 के तहत भारतीय ज्ञान एवं परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए नई पहल की जा रही है। इससे जुड़ी किताबों को पाठ्यक्रमों में शामिल किए जाने के अलावा यहां कल 30 मई को भारतीय ज्ञान परंपरा केंद्र की स्थापना की जा रही है। इससे विश्वविद्यालय के विद्यार्थी यहां भारतीय परपंराओं से रूबरू हो सकेंगे। साथ ही इस केन्द्र में भारतीय ज्ञान परम्परा के दृष्टिकोण सहित कई विषयों से जुड़े शोध विद्यार्थियों को फायदा होगा। यह जानकारी गुरुवार को विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में एसबीयू के महानिदेशक प्रो. गोपाल पाठक एवं कुलपति प्रो. सी जगनाथन ने दी।

इस अवसर पर प्रो. गोपाल पाठक ने कहा कि संस्कृत, योग एवं भागवत गीता हमारी विरासत रहे हैं इसपर विचार करते हुए एसबीयू भारतीय ज्ञान परंपरा केंद्र की स्थापना कर रहा है। यह झारखंड का पहला केंद्र होगा। देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300 जन्म जयंती के अवसर पर यह शुरुआत हो रही है। कार्यक्रम की शुरुआत पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर को पुष्पांजलि के साथ होगी। प्रो. जगनाथन ने भारतीय ज्ञान परंपरा केंद्र की विश्वविद्यालय में स्थापना पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए भारत के गौरवशाली इतिहास और परंपरा के बारे में बताया।

इस अवसर पर डीन डॉ. नीलिमा पाठक ने इस केंद्र की स्थापना को सरला बिरला विश्वविद्यालय के इतिहास का सुनहरा पल करार दिया।

एनके एरिया में 26 घंटे के बाद हुआ लोडिंग ट्रकों का कांटा, खाली ट्रकों में लोडिंग व डिस्पैच अभी बंद

खलारी डीएसपी व इंस्पेक्टर के मौजूदगी में कांटा चालू हुआ

- नक्सलियों के नाम पर दहशत कायम

जांच में चिराग जी टीएसपीसी उग्रवादी संगठन का पता चला

घटना के संबध में खलारी डीएसपी आर एन चौधरी व इंस्पेक्टर जयदीप टोप्पो ने बताया कि कांटा बाबुओं को मिली धमकी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया। अब तक सिर्फ चिराग जी टीएसपीसी संगठन के नाम पर कांटा बाबुओं को धमकी मिला है। पुलिसिया कार्रवाई जारी है।

पुलिस व सीसीएल के अधिकारियों के कठोर आदेश के बाद सिर्फ 10 मिनट ही चालू हुआ

कांटा बाबुओं को वरीय अधिकारियों के जबरन धमकी अथवा डीएसपी के आदेश के बाद दिन के 11 बजे कांटा चालू किया गया। लेकिन कांटा बाबुओ ने प्रसासन से मांग किया कि हमारी जान माल की रक्षा के लिए सुरक्षा का बंदोबस्त कीजिये। जिसके बाद भी सिर्फ 1 ट्रक का कांटा करने के बाद तुरंत कांटा पुनः बंद कर दिया गया। सुबह से कांटा घर में सभी तरह के हथकंडे के बाद फिर से दोपहर 2:30 में कांटा चालू किया गया। जिसमें कोयला लोडिंग ट्रक का कांटा किया गया। वही सूत्रों के अनुसार बताया कि परियोजना में कोयला लोड ट्रक का ही कांटा कर के पुनः सुबह बंद कर दिया जाएगा।

खबर मन्त्र संवाददाता

खलारी। एनके एरिया अंतर्गत केडीएच (कुजू डेवलपमेंट हीराकुंड) परियोजना, पुरनाडीह परियोजना, डकरा परियोजना में पदस्थापित कांटा बाबुओं को 28 मई दिन बुधवार के दोपहर लगभग 1 बजे किसी नक्सली संगठन के नाम पर धमकी भरा व्हाट्सएप फोन और एसएमएस आया। जिसके बाद से तीनों परियोजनाओं में अचानक से कांटा बंद कर दिया गया। परियोजना में सैकड़ो कोयला लोडिंग ट्रक अथवा खाली ट्रक कतार में खड़े रह गए। जिसके बाद कोयलांचल में कोल व्यवसायियों व कांटा बाबुओं में दहशत का आंतक फैल गया। नक्सली धमकी की खबर जब पुलिस को सूचना मिली तो सभी ने सिरे से नकार दिया, कि नक्सली से सम्बंधित कोई भी सीसीएल कर्मी को धमकी नही मिला है, और सभी परियोजना का कांटा चालू है।

धमकी की खबर जब खबर मन्त्र के अखबार में सुबह छपने तथा अन्य अखबारों में छपी खबर के बाद पुलिस हरकत में आ गयी। खलारी डीएसपी आर एन चौधरी व इंस्पेक्टर जयदीप टोप्पो एनके एरिया के परियोजना में पहुँचे। जिसके बाद कांटा बाबुओं से पूछताछ किया जाने लगा। पूछताछ कांटा घर के बंद कमरों में हो रही थी। जिसमे पुलिस अधिकारी व सीसीएल अधिकारी ही मौजूद थे।

ओरमांझी: बीडीओ ने ग्रामप्रधानों के साथ बैठक कर दायित्व का बोध कराया

खबर मन्त्र संवाददाता

बीडीओ के साथ उपस्थित क्षेत्र के ग्राम प्रधान।

ओरमांझी। प्रखंड मुख्यालय सभागार में गुरूवार को बीडीओ कामेश्वर बेदिया द्वारा क्षेत्र के सभी ग्राम प्रधानों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक किया। जिसमें बीडीओ ने ग्राम प्रधानों को उनका दायित्व बोध कराया, साथ ही ग्रामसभा व ग्राम प्रधानों के अधिकार की जानाकरी दी, कहा पंचायत प्रतिनिधियों के साथ समन्वय स्थापित कर योजना का चयन करें। योजनाओं का चयन व क्रियान्वय होगा, तभी गांव की समाजिक व आर्थिक विकास होगी। उन्होने ग्रामसभा के माध्यम से जन कल्याण की योजनाओं का चयन करने व प्रस्ताव भेजेंगे के लिए कहा। वहीं उपस्थित कई ग्रामप्रधानों ने भी समस्या रखी और कहा पंचायत के कई योजना क्रियान्वयन का बिना लाभुक समिति के किए जा रहा है। बताया ग्रामसभा से योजना चयन तक की ग्रामप्रधान सीमित है। क्रियान्वयन में पंचायत प्रतिनिधि योजना राशि की बंदरबांट कर लेते हैं। बैठक में रमेश उरांव, प्रेमनाथ मुंडा, बालक पाहन, घाणेनाथ करमाली, बालश्वर उरांव, सुखराम पाहन, शंकर उरांव, शंकर करमाली, जेठू मुंडा, बिरसा हेंब्रम, मनसा उरांव, कमल मुंडा, दीनदयाल लोहरा, सुकरा मुंडा, दीपक मुंडा, कलेष्वर मुंडा, महेंद्र मुंडा, कैलाश बेदिया, रामगोपाल बेदिया, जगेश्वर मुंडा, भरत मुंडा भुवनेश्वर मुंडा, लखन मुंडा, बबलू मुंडा, रंजीत पहान आदि ग्रामप्रधान उपस्थित थे।

सड़क हादसे में बाइक सवार व्यक्ति की मौत

खबर मन्त्र संवाददाता

मांडर। एन-एच 39 मुख्य पथ पर स्थित ब्राम्बे साईं अस्पताल के समीप गुरुवार दोपहर एक बजे हुई सड़क हादसे में एक बाइक सवार की मौत हो गयी, वहीं इस हादसे में एक व्यक्ति घायल हो गया। मृतक की पहचान चोरेया के उरांव टोली निवासी सुशील उरांव (38) के रूप में हुई। मिली जानकारी के अनुसार सुशील उरांव व संदीप उरांव रातू के मखमन्दरो बाजार से अपनी केटीएम बाइक से वापस अपने गांव चोरेया लौट रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार के कारण उक्त स्थान के निकट उनकी बाइक सड़क के डिवाइडर से टकरा गई और सुशील बाइक से दूर फेंका गया। सिर पर गंभीर चोट लगने के कारण मौके पर ही उसकी मौत हो गयी। घटना के तत्काल बाद दोनों को रेफरल अस्पताल मांडर लाया गया जहां चिकित्सकों ने जाँच के बाद सुशील को मृत घोषित कर दिया, वहीं संदीप को प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे रिम्स रेफर कर दिया गया।

स्पीड न्यूज

टाटीसिलवे में उत्तराखंड के ट्रक चालक ने फांसी लगाकर आत्महत्या की

नामकुम। टाटीसिलवे थाना क्षेत्र के महिलौंग एलजी गोदाम समीप एक युवक ने ट्रक की रस्सी फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली मृतक की शिनाख्त ट्रक चालक मो जिशान 32 वर्ष के रूप में की गयी बताया जा रहा है कि मृतक उक्त् ट्रक में ईलेक्ट्रोनिक का सामान लेकर आया था वह उधमसिंह नगर, उत्तराखंड का रहनेवाला बताया जा रहा है। थानेदार रंजीत कुमार सिन्हा ने बताया कि मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने ट्रक चालक के शव को जब्त कर पोस्टमार्टम हेतू रिम्स भिजवा दिया है, घटना की जानकारी मृतक के परिजनो को दे दी गयी है।

गमगीन माहौल में हुआ छात्र का अंतिम संस्कार

बेड़ो। बेड़ो लोहरदगा पर बेड़ो थाना क्षेत्र के राज विद्या केंद्र मोड़ के समीप बुधवार की रात लगभग नौ बजे अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक बाइक पर सवार बेड़ो पांडेपारा गांव निवासी एक 17 वर्षीय कक्षा नवम के छात्र पवन उरांव पिता झुबा उरांव का दर्दनाक मौत व पोस्टमार्टम के बाद गुरुवार की दोपहर गमगीन माहौल के बीच मृतक का अंतिम संस्कार किया गया। मृतक छात्र का शव प्रखंड के पांडे पारा पैतृक गांव में पहुंचने पर गांव में मातम छा गया। हर किसी की जुबान पर बस इसी बात की चर्चा रही तथा नम आंखों से लोग छात्र के शव को देखते रहे। ग्रामीणों की आंखों के आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे थे। दहाड़े मार-मार कर रो रहे स्वजनों, भाई व बहन के दर्द का अंदाजा नहीं लगाया जा सकता था। इधर गुरुवार की शाम गमगीन माहौल में शव का अंतिम संस्कार गांव के मसना में सरना रीति रिवाज से मिट्टी दिया गया। स्वजनों ने बताया कि पवन संत पीयूष स्कूल दिघीया बेड़ो में कक्षा नवम में पढ़ाई करता था। वह पांच भाईयों व एक बहन में सबसे छोटा था।

प्रशिक्षु आईएएस ने बेड़ो प्रखंड का किया दौरा

खबर मन्त्र संवाददाता

विकासशील योजनाओं का मुआयना करते प्रशिक्षु आईएएस अधिकारी व अन्य।

बेड़ो। चार सदसप्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों ने बेड़ो प्रखंड का दौरा कर कई महत्वपूर्ण जानकारियां लिया। प्रशिक्षु आईएएस की टीम ने जहां एक ओर बीडीओ राहुल उरांव व सीओ प्रताप मिंज के नेतृत्व में मनरेगा पार्क व मसाला फैक्ट्री का निरीक्षण किया। इस दौरान सुव्यवस्थित मनरेगा पार्क की व्यवस्था देखकर प्रशिक्षु आईएएस अधिकारी अभिभूत हुए। उन्होंने अपनी खुशी का इजहार करते हुए बीडीओ और उनकी टीम की सराहना किया। साथ ही किसानों की मेहनत और लगन को सराहते हुए मनरेगा पार्क को ग्रामीण क्षेत्र की विकास के लिए एक कारगर कदम बताया। मौके पर प्रखंड में चलाए जा रहे मसाला फैक्ट्री के निरीक्षण के दौरान कहा कि महिलाओं को स्वालंबी बनाने का यह एक बेहतर माध्यम है। ऐसी पहल से ही महिलाओं का विकास और समाज का उत्थान होगा। इसी क्रम में जेएसएलपीएस के सीएफएल की महिलाओं के साथ बैठक भी आयोजित की गई। प्रशिक्षु आईएएस ने महिलाओं से उनके कार्यों के बारे में जानकारी लिया। मौके पर प्रशिक्षु आईएएस में आनंद शर्मा, नाजिश उमर अंसारी, सिद्धांत कुमार व हिमांशु लाल ने इस दौरान खुशी जताई। साथ ही पदाधिकारियों,जनप्रति निधियों व ग्रामीणों को प्रेरणा प्रदान किया। उन्होंने मुखिया अनीता बाड़ा व समाजसेवी बुधराम बाड़ा के कार्य को सराहना किया। वहीं मौके पर बीपीएम संजय तिर्की, मुखिया अनीता बाड़ा, समाजसेवी व पूर्व मुखिया बुधराम बाड़ा , मुकेश कुमार सहित जेएसएलपीएस से जुड़ी महिलाएं, ग्रामीण व किसान मौजूद थे।

दो गांवों से चंदन का पेड़ काट ले गये चोर

खबर मन्त्र संवाददाता

काटे गए चंदन के पेड़।

ओरमांझी। थाना क्षेत्र के कोरंजा टोली व चेतनबारी दो गांव से अपराधियों ने तीन चंदन का पेड़ चुरा कर ले गए। जिसमें दो पेड़ कोरंजा टोली निवासी धनेश्वर महतो व एक पेड़ तेतरिया टोली निवासी सोनु महतो की थी। बताया गया तीनों पेड़ 10-12 वर्ष पुराना लाखों रुपए की थी। दोनो के बारी में लगे पेड़ों को बुधवार रात को पहुंचे अज्ञात चोरों ने मशीन से काट कर, खेत में ले गए। पेडों को बोटा बना कर ले गए और डाली छोड़ दिया। कोरंजा टोली के लोग जब सुबह बकरी चराने गए, और खेत में चंदन पेड़ की डाली गिरा देख चोरी की जानाकरी हुई। वहीं धनेश्वर महतो का चंदन की पेड़ की चोरी की जानाकरी होने पर, गुरूवार की दोपहर सोनू महतो के स्वजन अपने पेड़ को देखने पहुंचे तो वह उसकी पेड़ भी गायब था। बताया गया कि कुछ दिन पूर्व कुछ लोग उक्त पेड़ को खरिदने भी पहुंचे थें। लेकिन पेड़ की बिक्री नही किया गया था। आशंका जताई जा रही है, कि उन्ही लोगों द्वारा पेड़ो की चोरी की गई है। वहीं चेतनबारी में दर्जन भर और चंदन पेड़ होने की सूचना है। उन पेड़ों की सुरक्षा को लेकर भी ग्रामीण चिंतित हैं। वहीं समाचार लिखे जाने तक किसी के द्वारा पेड़ों की चोरी का मामला थाना में दर्ज नही कराया गया है।

बेड़ो थाना में पड़हा समिति की बैठक कल

बेड़ो। बेड़ो प्रखंड के दो अलग-अलग जगहों बेड़ो बाजार टांड़ व बारीडीह जतरा मैदान पर आगामी 3 जून को होनेवाले वार्षिक पड़हा जतरा समारोह के दौरान शांति व सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बेड़ो थाना परिसर में पुलिस उपाधीक्षक अशोक कुमार राम की अध्यक्षता में शनिवार को अपराह्न तीन बजे से बैठक आयोजित की जाएगी। थाना प्रभारी देव प्रताप प्रधान ने इस बैठक में दोनों समिति के सभी पदाधिकारी व सदस्यों से बैठक में उपस्थित होने की अपील की है।

जंगली हाथियों ने मचाया उत्पात

खबर मन्त्र संवाददाता

इटकी। इटकी प्रखंड अंतर्गत चिनारो पूरियो पंचायत के लावागाई गांव में बुधवार की रात जंगली हाथियों ने भारी उत्पात मचाया। इस क्रम में हाथियों ने उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय लवागाई के मध्यान भोजन के लिए रखे चावल को अपना आहार बनाया। विद्यालय के प्रधान अध्यापक लेदा कच्छप ने बताया कि हाथियों ने किचन का दरवाजा और खिड़की को तोड़कर मध्यान भोजन के लिए रखे चावल, दाल, बरी व मसाला को खाकर व छींटकर कर बर्बाद कर दिया। हाथियों ने विद्यालय के एक दरवाजा और तीन खिड़की को तोड़ दिया। ईंटों के गिरने से किचन में रखे अनाज व बर्तन सहित अन्य सामान बर्बाद हो गया। ज्ञात हो की हाथियों का झुंड पिछले कई महीनों से कादी जंगल में अपना अड्डा जमाए हुए है और आए दिन शाम होते भोजन के तलाश में अपने निकटवर्ती गांव में प्रवेश कर खेतों में खेतों लगे फसल को अपना आहार बनाते हैं।

नकली चांदी की जगह 20 हजार के सोने की ठगी

- काठीटांड चौक की घटना
- पुलिस कर रही है तफ्तीश

खबर मन्त्र संवाददाता

रातू। काठीटांड चौक स्थित शंकर ज्वेलर्स में मंगलवार को एक ग्राहक की ओर से नकली जेवरात दिखाकर दुकानदार से 20 हजार का सोने के जेवर की ठगी कर लिये जाने का मामला प्रकाश में आया है। घटना शाम 5 बजे की है। इसे लेकर प्रो विवेक सोनी ने रातू थाने में सुरेश प्रसाद नामक व्यक्ति के खिलाफ लिखित शिकायत की है। आरोपी कहां का है, इसका पता नहीं चल पाया है। हालांकि, वह दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया है। जानकारी के मुताबिक, विवेक दुकान पर था। सुरेश प्रसाद उसके पास आया और चांदी बताकर उसके बदले सोने का सामान लिया। उसकी कीमत करीब 20 थी। उसके जाने के बाद दुकानदार ने जांच की तो, चांदी नकली निकला। यह देखते ही विवेक के पसीने छूट गये। पुलिस इसकी तफ्तीश कर रही है।

शपथ पत्र

मैं अमृत कुमार बैठा उम्र करीब 36 वर्ष पिता जगमोहन बैठा, ग्राम मोंगर, पोस्ट मोंगर, थाना लातेहार, जिला लातेहार, राज्य झारखंड, राष्ट्रीयता भारतीय शपथ पूर्वक निम्नलिखित घोषणा करता हूं कि
1 यह कि मैं उपरोक्त पते का मूल निवासी हूं।
2 यह कि मेरी पुत्री का आधार कार्ड है जिसका आधार संख्या 534550516364 है। जिसमें मेरी पुत्री का नाम खलेश्वरी कुमारी है, जिनकी जन्म तिथि 17/12/2012 ई. है।
3 यह कि डाकघर बचत बैंक लातेहार में मेरी पुत्री का शाखा न. सं. 5805883274 है। भूल बस मेरी पुत्री का नाम छाया कुमारी CHHAYA KUMARI हो गया था। मैं अपनी पुत्री का नाम खलेश्वरी कुमारी KHALESHWARI KUMARI करने के लिए मैं शपथ पत्र कर रहा हूं।
4 यह कि यह शपथ पत्र उपरोक्त डाक घर बचत बैंक लातेहार कार्य हेतु कर रहा हूं। इस शपथ पत्र में दी गई सारी बातें सही है, गलत पाए जाने पर इसकी सारी जवाबदेही मेरी होगी।
मैं अमृत कुमार बैठा सत्यापित करता हूं कि उपर लिखे पत्र की सारी मेरी जानकारी में सही, सत्य एवं दुरुस्त है।

शपथ पत्र

नोटरी पब्लिक, लोहरदगा।
शपथ पत्र संख्या-4564
मैं, रंजीता देवी RANJEETA DEVI पति- जीतवाहन उरांव, निवासी ग्राम- लुंडरी, पो० टांगर, थाना चान्हो, जिला रांची, झारखण्ड द्वारा निम्न बयान करती हूँ कि
1- यह कि मैं उपरोक्त पते की स्थाई निवासी हूँ।
2- यह कि मेरा नाम रंजीता देवी है जो को मेरा आधार कार्ड संख्या 9194 7274 6863 में दर्ज है जो सही है।
3- यह कि मेरा बैंक खाता एसबीआई नजदीक बड़ा तालाब लोहरदगा में है जिसका खाता संख्या -30377900384 है जिसमें मेरा नाम अंग्रेजी में RANJITA KUMARI दर्ज है जो मेरा ही नाम है एवं पिता का नाम सुखदेव उरांव पता- निंगनी बर टोली, पो निंगनी, जिला लोहरदगा दर्ज है जो पूर्व का पता है।
5- यह कि मैं रंजीता देवी RANJEETA DEVI और RANJITA KUMARI दोनों नामों से जानी जाती हूँ। और दोनो नाम एक ही महिला का है जो मैं हूँ।
यह कि उक्त बाते सत्य एवं सही है। यह शपथ पत्र दिनांक 28/5/2025 को सम्पन्न हुआ।

शपथ पत्र

समक्ष, कार्यपालक दंडाधिकारी, मेदिनीनगर, पलामू।
मैं, राशि कुमारी उर्फ रानी कुमारी, उम्र 18 वर्ष, पिता-संदीप चंद्रवंशी उर्फ संदीप राम, निवासी ग्राम- पो. कंडा, थाना - नावाबाजार, जिला पलामू, झारखंड निम्नलिखित शपथ करती हूँ कि : -
1. यह कि मैं उपरोक्त नाम व पते का निवासी हूँ।
2. यह कि मेरा आधार कार्ड संख्या- 7556 5553 8591 है। जिसमें मेरा नाम राशि कुमारी दर्ज है।
3. यह कि मेरा मैट्रिक के सर्टिफिकेट में नाम राशि कुमारी दर्ज है।
4. यह कि मेरा पाटन डाकघर में सुकन्या समृद्धि खाता संख्या-6400649838 है। जिसमें रानी कुमारी नाम है एवं मैट्रिक सर्टिफिकेट में जन्म तिथि 03.05.2007 तथा डाकघर खाता में जन्म तिथि 01.01.2008 है।
5. यह कि राशि कुमारी एवं रानी कुमारी दोनों एक ही नाम के महिला हैं।
6. यह कि मैं अपने डाकघर खाता में राशि कुमारी नाम से खाता करने हेतू शपथ कर रही हूं।
7. यह कि मैं डाकघर खाता में जन्म तिथि 03.05.2007 करने हेतू शपथ कर रही हूँ।
8. यह कि उपरोक्त बातें मेरी जानकारी में सत्य एवं सही है।
राशि कुमारी
शपथकर्ता
उपरोक्त शपथकर्ता ने मेरे समक्ष हस्ताक्षर बनाया है।
बैजनंदन पाठक
कार्यपालक दंडाधिकारी अधिवक्ता
सदर मेदिनीनगर, पलामू।

मनीषा महतो ने जिले में दसवां स्थान किया प्राप्त

सिल्ली। जैक बोर्ड 10वीं परीक्षा में मनीषा महतो ने जिले में दसवां स्थान प्राप्त किया है, ऊर्सलाइन कॉन्वेंट गर्ल्स हाई स्कूल मुरी की छात्रा मनीषा महतो के पिता विजय कुमार महतो किसान है माता शिवानी देवी ब्लॉक मे आशा फैसिलिटेटर के रूप मे काम करती है, छात्रा मनीषा महतो ने बताया कि वे इंजीनियर बनना चाहती हैं। मनीषा अपना कामयाबी का श्रेय अपने माता-पिता के साथ साथ स्कूलों के शिक्षकों को दिया है।

अहिल्याबाई होलकर की तीन सौंवी जयंती मनायी गयी

खबर मन्त्र संवाददाता

नामकुम। राजाउलातु केवाईबीएन यूनिवर्सिटी सभागार में रानी अहिल्याबाई होलकर की 300 वीं जयंती धमुधाम सेमनायी गयी। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश कोषाध्यक्ष दीपक बंका उपस्थित थे। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि श्री बंका ने कहा कि पुण्य श्लोक रानी अहिल्याबाई होलकर रानी नहीं बल्कि गरीबों, असहायों की माता थीं। उन्होंने जीवन पर्यंत एक शासक के रूप में नहीं बल्कि भगवान शिव की प्रतिनिधि के रूप में जनता की सेवा की। वे अपने हस्ताक्षर भी भगवान शिव के निदेर्शानुसार लिखती थीं। उन्होने कहा कि एक सामान्य परिवार में जन्म लेने वाली रानी अहिल्याबाई होलकर अपनी अद्वितीय प्रतिभा के कारण राज परिवार में ब्याही गई। रानी अहिल्याबाई ने नारी सशक्तिकरण के लिए सख्त दहेज विरोधी कानून बनाए, बिना संतान की विधवाओं की संपत्ति राज्य द्वारा जब्त कर लेने की नीति समाप्त की, विधवाओं को गोद लेने की स्वतंत्रता दी, विधवा पुनर्विवाह का नैतिक समर्थन किया, महिलाओं को शिक्षा का अधिकार दिया, महिलाओं बच्चों के लिए विशेष सुरक्षा कानून बनाए, महिलाओं को युद्ध कौशल सिखाया और महिला सैन्य टुकड़ी का गठन किया। उन्होंने चार धाम बद्रीनाथ, रामेश्वरम, पूरी और द्वारिका का भी जीर्णोद्धार कराया, नदियों में सुंदर घाट बनवाए, तालाब निर्माण, वृक्षारोपण के लिए विशेष अभियान चलाए। कहा कि आज भारत को नरेंद्र मोदी जी के रूप में एक ऐसा नेतृत्व मिला है जो रानी अहिल्याबाई होलकर के पद चिन्हों पर आगे बढ़ते हुए गांव गरीब किसान एदलित वंचित समाज की सेवा कर रहा है, साथ ही भारत के सांस्कृतिक वैभव को स्थापित करने के लिए कार्य कर रहा।

फरार अफीम धंधेबाज धराया

खबर मन्त्र संवाददाता

पकड़ा गया आरोपी।

ओरमांझी। ओरमांझी थाना पुलिस द्वारा झारखंड से दूसरे राज्य डोडा व अफिम भेजने के एक फरार अंतर्राज्य अफीम धंधेबाज को चार वर्ष बाद गिरफ्तार कर जेल दिया गया है। 10 अगस्त 2020 को ओरमांझी थाना पुलिस द्वारा एक टेलर में लदा 93 बोरे डोडा व 17 केजी अफीम के साथ दो अरोपी को गिरफ्तार किया गया था। वहीं एक आरोपी दशय मुंडा 29 वर्ष मामले में फरार था। उस वक्त, थाना क्षेत्र के उर्वसी लाईन होटल उकरीद स्थित सड़क किनारे खडी एक टेलर आरजे, 19जीई-2702 के साथ बाड़मेर राजस्थान के चालक नरपत कुमार मंगाराम व उपचालक चुना राम को गिरफ्तार किया गया था। वहीं टेलर में लदा डोडा व अफमी पकड़े जाने के बाद अंतर्राज्य अपराधियों द्वारा अफिम व डोडा का बड़े पैमाने पर धंधा किए जाने का मामले का पदार्फास हुआ था। जमशेदपुर से टाटा कंपनी से स्टील ले जाने वाले टेलरों में लाद कर डोडा व अफीम दूसरे राज्य भेजा जाता था।

राजकिला में रथयात्रा पूजनोत्सव की हो रही तैयारी

भगवान जगन्नाथ 27 जून को जायेंगे मौसीबाड़ी

- 26 को होगी नेत्रदान पूजा
- 6 जुलाई को है घुरती रथ

शेख मुजिबुल

भाई-बहन के साथ भगवान जगन्नाथ।

रातू (रांची)। ऐतिहासिक राजकिला में रथयात्रा पुजनोत्सव की तैयारी शुरू हो गयी है। किले के मुख्य द्वार स्थित जगरनाथ मंदिर की साफ-सफाई और रंग-रोगन का काम युद्ध स्तर पर किया जा रहा है। भगवान जगन्नाथ 27 जून की शाम भाई बलभद्र व बहन सुभद्रा के साथ सुसज्जित रथ में सवार होकर एसबीएल स्थित मौसीबाड़ी जायेंगे। इससे पूर्व 11 को विग्रहों के स्नान रश्म के उपरांत, देवी-देवता अज्ञातवास में रहेंगे। 26 को नेत्रदान पूजा के बाद दर्शनार्थियों के लिये मंदिर के पट खोल दिये जायेंगे। 6 जुलाई को घुरती रथयात्रा है। पूजा अनुष्ठान राजपुरोहित भोलानाथ मिश्र समेत अन्य पुजारियों की ओर से कराया जायेगा।

किला मैदान में लगेगा मेला

किला मैदान में 27 जून और 6 जुलाई को परंपरागत रथयात्रा मेला लगेगा। इसमें मिठाई, श्रृंगार प्रसाधन, हस्त निर्मित वस्तु, पूजा सामग्री व फल समेत घरेलू चीजों की दुकानें सजेंगी। ठेला-खोमचा और चाऊमीन वाले भी रहेंगे। मेलार्थी परिवार विद्युत चालित झूले व सर्कस का लुत्फ उठायेंगे। प्रबंधक दामोदर नाथ मिश्र ने बताया कि दुकानदारों की ओर से जगह चिन्हित किये जा रहे हैं।

मेले में होगा नियंत्रण कक्ष

श्री मिश्र ने जानकारी दी कि मेले का संचालन के लिये नियंत्रण कक्ष स्थापित किया जायेगा। सीएचसी की ओर से चिकित्सा शिविर लगाये जायेंगे। मेलार्थियों के लिये पेयजल की व्यवस्था होगी। सुरक्षा के कड़े प्रबंध होंगे। किला प्रबंधन की ओर से दर्जनों स्वयंसेवक तैनात किये जायेंगे। उनके लिये बैच की व्यवस्था की जायेगी। उन्होंने क्षेत्र के लोगों से पूजा और मेले में सहयोग करने की अपील की है।

हरे कृष्णा उत्सव का आयोजन किया गया

मुरी। हाट बागान सिल्ली के दुर्गा मंदिर प्रांगण में हरे कृष्णा उत्सव का आयोजन हरे कृष्णा नाम हठ संघ के द्वारा किया गया। इस उत्सव में भजन, आरती, अमृत कथा एवं प्रसाद का वितरण भक्तों के बीच किया गया। कृष्ण भक्त भजन कीर्तन के दौरान खूब नृत्य कर आनंद उठाया। इसके साथ ही हरि नाम का जाप किया। मौके पर काफी संख्या में बच्चे, बूढ़े, महिला, पुरुष भक्तों ने बढ़-चढ़कर श्रीमद् भागवत कथा का लाभ उठाया।

झारखण्ड सरकार
गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग
सैनिक कल्याण निदेशालय,

डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद जवान भवन–सह–सैनिक बाजार, मेन रोड, राँची के विज्ञापन स्पेस के आवंटन के लिए आवेदन आमंत्रण की सूचना

1. सैनिक कल्याण निदेशालय, गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग, झारखण्ड सरकार, झारखण्ड राज्य के इच्छुक व्यक्तियों से डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद जवान भवन–सह– सैनिक बाजार, मेन रोड, राँची के विज्ञापन स्पेस (Advertisement Space) (3240 वर्गफीट) के आवंटन के लिये आवेदन आमंत्रित करता है।
2. निविदा/विहित आवेदन प्रपत्र (Prescribed Tender/Application Form) में अन्य आवश्यक शर्तों का विवरण दिया गया है जो कि इस कार्यालय से 1000/– रूपये (एक हजार मात्र) का डिमांड ड्राफ्ट (DD) के द्वारा प्राप्त किया जा सकता हैं। डिमांड ड्राफ्ट "Jawan Bhawan Fund, Sainik Kalyan Nideshalaya, Ranchi" के नाम से होगा। कोई भी कार्य दिवस में 10 बजे पूर्वाहन् से 05 बजे अपराहन् 16 जून 2025 तक प्राप्त कर सकते है।
3. आवेदन प्रपत्र 18 जून 2025 पाँच बजे अपराहन् तक टेंडर बॉक्स में जमा करना है। प्राप्त आवेदनों को अधिकारियों की एक समिति द्वारा 19 जून 2025 को 11:00 बजे खोला जायेगा। नियम एवं शर्तें झारखण्ड सरकार के वेबसाईट www.prdjharkhand.gov.in एवं डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद जवान भवन –सह– सैनिक बाजार, मेन रोड राँची के कार्यालय के सूचना पट पर भी देखा जा सकता है।

स्थान : राँची
दिनांक : 27 मई 2025

निदेशक के आदेशानुसार
ह/–
(भू–सम्पदा पदाधिकारी)
डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद जवान भवन–सह–सैनिक बाजार,मेन रोड, राँची

PR 353791 Home(25-26).D

खबर मन्त्र
रांची. शुक्रवार . 30 मई 2025

अभिव्यक्ति

epaper.khabarmantra.net

सबसे आगे होंगे...

नीति आयोग ने अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं द्वारा दिए गए प्रमाणित आंकड़ों और विश्लेषणों के आधार पर यह घोषित किया है कि भारत जापान को पछाडकर विश्व की चौथी अर्थव्यवस्था बन गया है। जिस रफ्तार से हमारी अर्थव्यवस्था मजबूती से आगे बढ़ रही है, उसको देखते हुए यह अनुमान लगाया गया है कि वर्ष 2028 तक भारत जर्मनी को पछाडकर तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। नीति आयोग के विश्लेषण और अनुमान को नकारने का कोई कारण नजर नहीं आता। यह कोई सामान्य उपलब्धि नहीं, बल्कि बीते दो दशकों में भारत द्वारा अपनाए गए मिश्रित सुधारवादी मॉडल, डिजिटल ढांचे और जनसांख्यिकीय लाभांश की प्रत्यक्ष अभिव्यक्ति है। एक ओर जहां अमेरिका तकनीकी प्रभुत्व के बल पर शीर्ष पर है, वहीं चीन की अर्थव्यवस्था मंदी की मार, जनसंख्या घटाव और राजनीतिक केंद्रीकरण से जूझ रही है .भारत की जीडीपी आज लगभग 4 ट्रिलियन डॉलर है.चीन 17-18 ट्रिलियन और अमेरिका 26 ट्रिलियन के पास है। पहली दृष्टि में यह फासला बहुत बड़ा लगता है, लेकिन भारत की विकास दर, खासकर 7 फीसदी के आसपास बनी रहने की संभावना, इस अंतर को क्रमशः पाट रही है। यदि चीन की वृद्धि दर 4 प्रतिशत से नीचे स्थिर होती है और भारत अपनी ऊर्जा, श्रम और नवाचार को समर्पित दिशा में साधता है, तो 2034-35 तक भारत चीन को पीछे छोड़ सकता है, लेकिन यह गणित केवल जीडीपी की रफ्तार से नहीं, रणनीतिक निर्णयों की सटीकता से तय होगा, हर भारतीय की सोच से होगा, ईमानदार और कर्मशीलता से संभव होगा। भूमि, श्रम और न्यायिक सुधार की गति यदि धीमी रही तो जनांकिकीय लाभांश जन-संकट में बदल सकता है. भारत को हर साल एक करोड़ से अधिक नौकरियों की आवश्यकता है। चुनौतियों पर गंभीर होना होगा और गैर राजनीतिक भी।

मेष : कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कर भला तो हो भला वाली कहावत याद रखें। किसी को हानी पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-5-6-8

वृष : यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-6-7-8

मिथुन : शनै-शनै स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। लाभदायक कार्यो की चेष्टाएं प्रबल होंगी। शुभांक-2-6-9

कर्क : मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्वपूर्ण कार्यो को आज ही निपटा लें, उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। इच्छित कार्य सफल होंगे। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-6-7-9

सिंह : कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। यात्रा का परिणाम मिल जाएगा। शुभांक-4-6-7

कन्या : अपने काम पर पैनी नजर रखिए। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-4-6-8

तुला : कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-1-5-7

वृश्चिक : अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। अपने हित के काम सुबह-सवेरे निपटा लें। शुभांक-5-6-8

धनु : धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। समय पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-2-6-8

मकर : परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-5-6-9

कुंभ : पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मित्र से मिलन होगा। शुभांक-3-8-9

मीन : भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-3-5-6

संस्थापक
स्व. डॉ अभय कुमार सिंह

स्वामित्व वृन्दा मीडिया पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक, प्रकाशक
मंजू सिंह

द्वारा चिरौंदी, बोड़ेया रोड, रांची (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रधान संपादक
सौरभ कुमार सिंह
संपादक
अविनाश ठाकुर*
फोन : 95708-48433
पिनः -834006
e-mail
khabarmantra.city@gmail.com

R.N.I No.
JHAHIN/2013/51797

धनबाद कार्यालय
लुबी सर्कुलर रोड, धनबाद 826001 से प्रकाशित।
(R.N.I No. आवेदित)

*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी। प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा।

मूल्यबोध और राष्ट्रहित बने मीडिया का आधार

हिंदी पत्रकारिता के 200 साल(30 मई हिंदी पत्रकारिता दिवस)

हिंदी पत्रकारिता दिवस हम 30 मई को मनाते हैं। इसी दिन 1826 को कोलकाता से पं.युगुल किशोर शुक्ल ने हिंदी भाषा के पहले पत्र 'उदंत मार्तण्ड' की शुरूआत की थी। यह संयोग था या सुविचारित योजना कि उस दिन भारतीय तिथि से नारद जयंती भी थी। यानि हिंदी के पहले संपादक ने भी नारद जी अपने पुरखों के रुप में देखा। संपादकीय में उन्होंने हमें पत्रकारिता का उद्देश्य और बीज मंत्र भी यह लिखकर दिया- हिंदुस्तानियों के हित के हेत'। इस नजरिए से मूल्यबोध और राष्ट्रहित हमारी मीडिया का आधार रहा है।

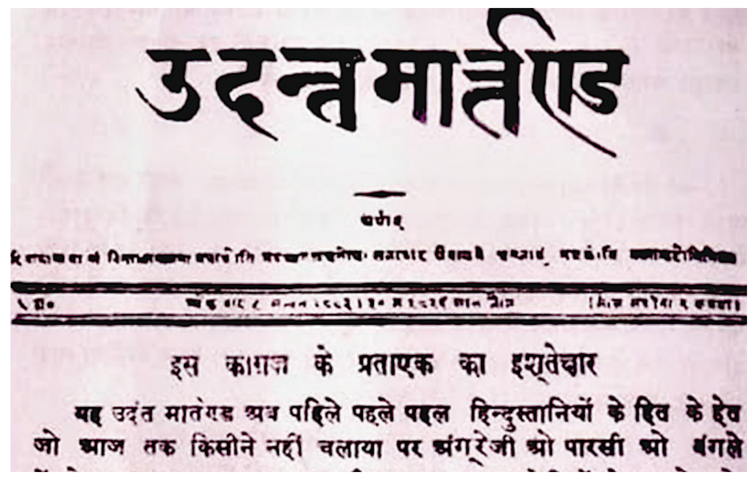
उदन्तमार्त्तण्ड
इस कागज के प्रताएक का इश्तेहार
यह उदंत मार्तण्ड अब पहिले पहले पहल हिन्दुस्तानियों के हित के हेत जो आज तक किसीने नहीं चलाया पर अंगरेजी ओ पारसी ओ बंगले

इन 200 सालों की यात्रा में हमने बहुत कुछ अर्जित किया है। आज भी मीडिया की दुनिया में आदर्शों और मूल्यों का विमर्श चरम पर है। विमर्शकारों की दुनिया दो हिस्सों में बंट गयी है। एक वर्ग मीडिया को कोसने में सारी हदें पार कर दे रहा है तो दूसरा वर्ग मानता है जो हो रहा वह बहुत स्वाभाविक है तथा काल-परिस्थिति के अनुसार ही है। उदारीकरण और भूमंडलीकृत दुनिया में भारतीय मीडिया और समाज के पारंपरिक मूल्यों का बहुत महत्त्व नहीं है।

एक समय में मीडिया के मूल्य थे सेवा, संयम और राष्ट्र कल्याण। आज व्यावसायिक सफलता और चर्चा में बने रहना ही सबसे बड़े मूल्य हैं। कभी हमारे आदर्श महात्मा गांधी, लोकमान्य तिलक, विष्णुराव पराड़कर, माखनलाल चतुर्वेदी और गणेशशंकर विद्यार्थी थे, ताजा स्थितियों में वे रुपर्ट मर्डोक और जुकरबर्ग हों? सिद्धांत भी बदल गए हैं। ऐसे में मीडिया को पारंपरिक चश्मे से देखने वाले लोग हैरत में हैं। इस अंधेरे में भी कुछ लोग मशाल थामे खड़े हैं, जिनके नामों का जिक्र अकसर होता है, किंतु यह नितांत व्यक्तिगत मामला माना जा रहा है। यह मान लिया गया है कि ऐसे लोग अपनी बैचेनियों या वैचारिक आधार के नाते इस तरह से हैं और उनकी मुख्यधारा के मीडिया में जगह सीमित है। तो क्या मीडिया ने अपने नैसर्गिक मूल्यों से भी शीर्षासन कर लिया है, यह बड़ा सवाल है।

सच तो यह है भूमंडलीकरण और उदारीकरण इन दो शब्दों ने भारतीय समाज और मीडिया दोनों को प्रभावित किया है। 1991 के बाद सिर्फ मीडिया ही नहीं पूरा समाज बदला है, उसके मूल्य, सिद्धांत, जीवनशैली में क्रांतिकारी परिवर्तन परिलक्षित हुए हैं। एक ऐसी दुनिया बन गयी है या बना दी गई है जिसके बारे में काफी कुछ कहा जा चुका है। आज भूमंडलीकरण को लागू हुए चार दशक होने जा रहे हैं। उस समय के प्रधानमंत्री श्री पीवी नरसिंह राव और तत्कालीन वित्तमंत्री श्री मनमोहन सिंह ने इसकी शुरूआत की तबसे हर सरकार ने कमोबेश इन्हीं मूल्यों को पोषित किया। एक समय तो ऐसा भी आया जब श्री अटलबिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्रित्व काल में जब उदारीकरण का दूसरा दौर शुरू हुआ तो स्वयं नरसिंह राव जी ने टिप्पणी की ह्यहमने तो खिड़कियां खोली थीं, आपने तो दरवाजे भी उखाड़ दिएह्न यानी उदारीकरण-भूमंडलीकरण या मुक्त बाजार व्यवस्था को लेकर हमारे समाज में हिचकिचाहटें हर तरफ थी। एक तरफ वामपंथी, समाजवादी, पारंपरिक गांधीवादी इसके विरुद्ध लिख और बोल रहे थे, तो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी अपने भारतीय मजूदर संघ एवं स्वदेशी जागरण मंच जैसे संगठनों के माध्यम से इस पूरी प्रक्रिया को प्रश्नांकित कर रहा था। यह साधारण नहीं था कि संघ विचारक दत्तोपंत ठेंगड़ी ने वाजपेयी सरकार के वित्त मंत्री यशवंत सिन्हा को ह्यअनर्थ मंत्रीह्न कहकर संबोधित किया। खैर ये बातें अब मायने नहीं रखतीं। 1991 से 2025 तक गंगा में बहुत पानी बह चुका है और सरकारें, समाज व मीडिया तीनों ह्यमुक्त बाजारह्न के साथ रहना सीख गए हैं। यानी पीछे लौटने का रास्ता बंद है। बावजूद इसके यह बहस अपनी जगह कायम है कि हमारे मीडिया को ज्यादा सरोकारी, ज्यादा जनधर्मी, ज्यादा मानवीय और ज्यादा संवेदनशील कैसे बनाया जाए। व्यवसाय की नैतिकता को किस तरह से सिद्धांतों और आदर्शों के साथ जोड़ा जा सके। यह साधारण नहीं है कि अनेक संगठन आज भी मूल्य आधारित मीडिया की बहस से जुड़े हुए हैं।

-प्रो. संजय द्विवेदी

> इस सारे समय में पठनीयता का संकट, सोशल मीडिया का बढ़ता असर, मीडिया के कंटेट में तेजी से आ रहे बदलाव, निजी नैतिकता और व्यावसायिक नैतिकता के सवाल, मोबाइल संस्कृति से उपजी चुनौतियों के बीच मूल्यों की बहस को देखा जाना चाहिए। इस समूचे परिवेश में आदर्श, मूल्य और सिद्धांतों की बातचीत भी बेमानी लगने लगी है।

इस सारे समय में पठनीयता का संकट, सोशल मीडिया का बढ़ता असर, मीडिया के कंटेट में तेजी से आ रहे बदलाव, निजी नैतिकता और व्यावसायिक नैतिकता के सवाल, मोबाइल संस्कृति से उपजी चुनौतियों के बीच मूल्यों की बहस को देखा जाना चाहिए। इस समूचे परिवेश में आदर्श, मूल्य और सिद्धांतों की बातचीत भी बेमानी लगने लगी है। बावजूद इसके एक सुंदर दुनिया का सपना, एक बेहतर दुनिया का सपना देखने वाले लोग हमेशा एक स्वस्थ और सरोकारी मीडिया की बहस के साथ खड़े रहेंगे। संवेदना, मानवीयता और प्रकृति का साथ ही किसी भी संवाद माध्यम को सार्थक बनाता है। संवेदना और सरोकार समाज जीवन के हर क्षेत्र में आवश्यक है, तो मीडिया उससे अछूता कैसे रह सकता है।

सही मायने में यह समय गहरी सांस्कृतिक निरक्षता और संवेदनहीनता का समय है। इसमें सबके बीच मीडिया भी गहरे असमंजस में है। लोक के साथ साहचर्य और समाज में कम होते संवाद ने उसे भ्रमित किया है। चमकती स्क्रीनों, रंगीन अखबारों और स्मार्ट हो चुके मोबाइल उसके मानस और कृतित्व को बदलने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। ऐसे में मूल्यों की बात कई बार नक्कारखाने में तूती की तरह लगती है। किंतु जब मीडिया के विमर्शकार,संचालक यह सोचने बैठेंगे कि मीडिया किसके लिए और क्यों- तब उन्हें इसी समाज के पास आना होगा। रूचि परिष्कार, मत निर्माण की अपनी भूमिका को पुनर्परिभाषित करना होगा। क्योंकि तभी मीडिया की सार्थकता है और तभी उसका मूल्य है । लाख मीडिया क्रांति के बाद भी ह्यभरोसाह्न वह शब्द है जो आसानी से अर्जित नहीं होता। लाखों का प्रसार आपके प्राणवान और सच के साथ होने की गारंटी नहीं है। ह्यविचारों के अनुकूलनह्न के समय में भी लोग सच को पकड़ लेते हैं। मीडिया का काम सूचनाओं का सत्यान्वेषण ही है, वरना वे सिर्फ सूचनाएं होंगी-खबर या समाचार नहीं बन पाएंगी।

कोई भी मीडिया सत्यान्वेषण की अपनी भूख से ही सार्थक बनता है, लोक में आदर का पात्र बनता है। हमें अपने मीडिया को मूल्यों, सिद्धांतों और आदर्शों के साथ खड़ा करना होगा, यह शब्द आज की दुनिया में बोझ भले लगते हों पर किसी भी संवाद माध्यम को सार्थकता देने वाले शब्द यही हैं। सच की खोज कठिन है पर रुकी नहीं है। सच से साथ खड़े रहना कभी आसान नहीं था। हर समय अपने नायक खोज ही लेता है। इस कठिन समय में भी कुछ चमकते चेहरे हमें इसलिए दिखते हैं क्योंकि वे मूल्यों के साथ, आदर्शों की दिखाई राह पर अपने सिद्धांतों के साथ डटे हैं। समय ऐसे ही नायकों को इतिहास में दर्ज करता है और उन्हें ही मान देता है। आइए भारतीय मीडिया के पारंपरिक अधिष्ठान पर खड़े होकर हम अपने वर्तमान को सार्थक बनाएं।

(लेखक माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल में जनसंचार विभाग के आचार्य एवं अध्यक्ष हैं।)

लेटर टू एडिटर

सौर ईंधन

देश में पेट्रोल-डीजल की खपत में लगातार बढ़ोतरी होती जा रही है। जब खपत में वृद्धि होगी तो इसकी कीमतों में भी उछाल आएगा। ऐसी स्थिति में सरकार को सौर ऊर्जा संयंत्रों और इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर ध्यान देने की जरूरत है। हाल ही में चीन ने सौर ऊर्जा से चलने वाले वाहन बनाए हैं जो सूर्य ऊर्जा न रहने पर भी काम करेगा। इस पर तकनीकी रूप से बहुत ज्यादा काम हुआ है। भारत को भी ऐसा करने की जरूरत है। तभी पेट्रोल-डीजल की खपत और और इसकी बढ़ती कीमतों से निजात मिल सकती है।

-राहुल उपाध्याय, रांची

नशे का कारोबार

देश में बढ़ते नशीले पदार्थों की तस्करी पर चिंता व्यक्त करने वाला था। देश में नशीले पदार्थों की चोरी-छिपे खेप पड़ोसी देश अफगानिस्तान से ईरान के रास्ते हमारे देश में पहुंचती है। इंटरनेट की आधुनिक तकनीक तथा कोरियर सर्विस का इस्तेमाल किया जा रहा है। **- रवि, गुमला**

ट्वीट

क्रांतिकारियों के मुकुटमणि वीर सावरकर जी का जीवन मातृभूमि के प्रति समर्पण की पराकाष्ठा का प्रतीक है। यह वीर सावरकर जी के जीवन से पता चलता है।

वीर सावरकर जी एक विरले स्वतंत्रता सेनानी होने के साथ ही ओजस्वी लेखक भी थे। उन्होंने कई कालजाई रचनाएँ लिखीं। उनके द्वारा रचित अमर गीत ह्यअनादी मी... अनंत मी...ह्न का हिंदी रूपांतरण सुनकर मन भाव-विह्वल हो गया। कल मुंबई में स्वातंत्र्यवीर सावरकर जी के परिजनों को इस ओजस्वी गीत के सम्मान में महाराष्ट्र के संस्कृति विभाग की ओर से छत्रपति संभाजी महाराज राज्य प्रेरणा गीत पुरस्कार 2025 देने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। **– अमित शाह**

जनता की संसद मानी जाती है पत्रकारिता

योगेश कुमार गोयल

सामयिक

राष्ट्रीय अखण्डता के संदर्भ में पत्रकारिता की भूमिका की बात करें तो लोकतंत्र के अन्य स्तंभों के मुकाबले प्रेस की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि विश्वभर में भारत की प्रतिष्ठा के जो तीन प्रमुख कारण माने गए हैं, वे हैं जागरूक मतदाता, स्वतंत्र न्यायपालिका व स्वतंत्र प्रेस।

भारत में प्रेस को जनता की एक ऐसी 'संसद' की उपाधि दी गई है, जिसका कभी सत्रावसान नहीं होता और जो सदैव जनता के लिए ही कार्य करती है। इसे समाज में परिवर्तन लाने का अथवा उसे जागृत करने के लिए जन संचार का सशक्त माध्यम माना गया है। प्रेस को समाज की चिंतन प्रक्रिया का एक ऐसा अनिवार्य तत्व माना गया है, जो उसे दिशा व गति देने में सक्षम हो। इसे जनता की ऐसी आंख माना गया है, जो सभी पर अपनी पैनी और निष्पक्ष दृष्टि रखे। प्रेस को जनता की उंगली माना गया है, जो गलत कार्यों के विरोध में स्वतः ही उठ जाती है। प्रेस को समाज के प्रति पूर्ण समर्पण के रूप में देखा जाता है। इसे केवल एक पेशा न मानकर जनसेवा का सबसे बड़ा माध्यम माना गया है।

प्रेस की भूमिका पर टिप्पणी करते हुए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहा था, "प्रेस का प्रथम उद्देश्य जनता की इच्छाओं व विचारों को समझना और उन्हें सही ढ़ंग से व्यक्त करना है जबकि दूसरा उद्देश्य जनता में वांछनीय भावनाओं को जागृत करना और तीसरा उद्देश्य सार्वजनिक दोषों को निर्भयतापूर्वक प्रकट करना है।" वैसे भारत-पाकिस्तान युद्ध का उल्लेख करें अथवा भारत-चीन लड़ाई का या अन्य चुनौतीपूर्ण अवसरों का, प्रेस ने ऐसे हर अवसर पर अपनी महत्ता सिद्ध की है और कहना गलत न होगा कि हिन्दी पत्रकारिता का स्थान इसमें सर्वोपरि रहा है। चाहे हिन्दी भाषी टीवी चैनलों की बात हो या हिन्दी के समाचारपत्र अथवा पत्रिकाओं की, उनका देश की बहुसंख्यक आबादी के साथ विशेष जुड़ाव रहा है और इस दृष्टि से राष्ट्र की एकता, अखण्डता एवं विकास की दिशा में हिन्दी पत्रकारिता की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

हिन्दी पत्रकारिता के 199 वर्षों के इतिहास में समय के साथ पत्रकारिता के मायने और उद्देश्य बदलते रहे हैं किन्तु उसके बावजूद सुखद स्थिति यह है कि हिन्दी पत्रकारिता के पाठकों या दर्शकों की रूचि में कोई कमी नहीं आई। यह अलग बात है कि अंग्रेजी मीडिया और उससे जुड़े कुछ पत्रकारों ने भले ही हिन्दी पत्रकारिता की उपेक्षा करते हुए सदैव उसकी प्रामाणिकता एवं विश्वसनीयता पर सवाल उठाने की कोशिशें की हैं किन्तु वास्तविकता यही है कि पिछले कुछ दशकों में हिन्दी पत्रकारिता ने अपनी ताकत का बखूबी अहसास कराया है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उसकी विश्वसनीयता बढ़ी है। यह हिन्दी पत्रकारिता की बढ़ती ताकत का ही नतीजा है कि कुछ हिन्दी अखबारों ने अनेक संस्करणों के साथ प्रसार संख्या के मामले में कुछ अंग्रेजी अखबारों को भी पीछे छोड़ दिया है।

हिन्दी पत्रकारिता की शुरूआत 30 मई 1826 को कानपुर निवासी पं. युगुल किशोर शुक्ल ने प्रथम हिन्दी समाचार पत्र उदन्त मार्तण्ड के प्रकाशन के साथ हुई थी। उस समय अंग्रेजी, फारसी और बांग्ला में कई समाचारपत्र निकल रहे थे। उदन्त मार्तण्ड की स्मृति में ही हर साल हिन्दी पत्रकारिता दिवस का आयोजन किया जाता है। उदन्त मार्तण्ड के बाद अंग्रेजी शासनकाल में अनेक हिन्दी समाचारपत्र व पत्रिकाएं एक मिशन के रूप में सामने आए किन्तु लंबे समय तक नहीं चल पाए। अब परिस्थितियां बिल्कुल बदल चुकी हैं और हिन्दी पत्रकारिता भी मिशन न रहकर एक बड़ा व्यवसाय बन गई है। किन्तु अच्छी बात यह है कि आज भी हिन्दी पाठक व दर्शक अपनी-अपनी पसंद के अखबारों व चैनलों के साथ पूरी शिद्दत से जुड़े हैं।

घर बैठे दुनिया की सैर कराने की बात हो या देश-विदेश की हर छोटी-बड़ी हलचल से लेकर तमाम ज्वलंत मुद्दों और हर प्रकार की नवीनतम जानकारियों को जुटाकर अपने पाठकों या दर्शकों के सामने प्रस्तुत करने की, व्यवसायीकरण के आरोपों या तमाम विरोधाभासों के बावजूद हिन्दी पत्रकारिता यह काम बखूबी कर रही है और आमजन के भरोसे पर खरा उतरते हुए हिन्दी पत्रकारिता आज आम जनजीवन का अभिन्न अंग बन चुकी है। अधिकांश हिन्दी समाचारपत्रों के अब ऑनलाइन संस्करण उपलब्ध हैं। विगत कुछ वर्षों में देश में बड़े-बड़े घोटालों का पदार्फाश करके अनेक सफेदपोशों के चेहरों पर पड़े नकाब उतार फैंकने का श्रेय भी पत्रकारिता जगत को ही जाता है, जिसमें हिन्दी पत्रकारिता की भूमिका को किसी भी लिहाज से कमतर नहीं आंका जा सकता।

गुरु अर्जन देव के विचारों में जीवन-दर्शन की झलक

श्वेता गोयल

सामयिक

गुरु परंपरा की महिमा अपार है। भारतीय सनातन संस्कृति में गुरु का स्थान अत्यंत पूज्य माना गया है। इसी गौरवशाली परंपरा में सिख धर्म के पंचम गुरु अर्जन देव जी का स्थान विशिष्ट है। 30 मई को उनका शहीद दिवस है। उनके विचारों में संपूर्ण जीवन-दर्शन की झलक है। उन्होंने अपने जीवन और विचारों के माध्यम से संपूर्ण मानव जाति को सत्य, सेवा और समर्पण का मार्ग दिखाया। गुरु अर्जन देव न केवल धार्मिक संत, बल्कि महान समाज सुधारक, कुशल संगठक और ज्ञान के अद्वितीय स्रोत थे। उन्होंने समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने का प्रयास किया। जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में मानवता की सर्वोच्चता को महत्व दिया। वे सभी धर्मों का सम्मान करते थे और बिना किसी भेदभाव के सभी की सहायता और सेवा करते थे। उनके पास दूर-दूर से विभिन्न धर्मों और आस्थाओं के लोग ज्ञान, शांति और मार्गदर्शन की खोज के लिए पहुंचते थे।

एक बार एक श्रद्धालु उनके पास पहुंचा और अत्यंत भावुक होकर कहने लगा कि गुरुजी, आपकी संगति में रहकर मैंने जीवन का सच्चा मार्ग जाना है। अब मैं लड़ाई-झगड़ों से दूर रहता हूं, सत्य के मार्ग पर चलता हूं और लोगों से प्रेम करता हूं, इसीलिए अब लोग भी मुझसे स्नेह करने लगे हैं। पहले कोई मेरा चेहरा तक नहीं देखना चाहता था लेकिन अब सभी मुझसे स्नेहपूर्वक मिलते हैं। यह सुनकर गुरु अर्जन देव मुस्कराए और बोले कि यदि समस्त मानव जाति इस सत्य का बोध कर ले तो यह संसार स्वर्ग बन जाएगा। उस श्रद्धालु ने स्वर्ण मुद्राओं से भरी एक थैली निकालकर गुरु जी की ओर बढ़ाई और आग्रहपूर्वक कहा कि मैं आपको यह भेंट देना चाहता हूं। उन्होंने विनम्रतापूर्वक स्वर्ण मुद्राएं लेने से मना कर दिया और कहा कि ज्ञान अनमोल होता है, उसका कोई मूल्य नहीं होता। यह निःस्वार्थ और निःशुल्क दिया जाता है। श्रद्धालु ने फिर भी आग्रह किया कि यह ज्ञान की कीमत नहीं बल्कि उसकी श्रद्धा का प्रतीक है। इस पर गुरु अर्जन देव ने कहा कि यदि तुम सचमुच कुछ देना ही चाहते हो तो इस ज्ञान को दुनिया में बांटो क्योंकि ज्ञान प्रसाद की भांति होता है और इसका वितरण ही इसकी सच्ची पूजा है। श्रद्धालु यह सुनकर भावविभोर हो गया और गुरु जी के चरणों में नतमस्तक होकर बोला कि आज आपने मुझे जीवन का सबसे बड़ा सत्य बता दिया।

गुरु अर्जन देव का जीवन अनेक शिक्षाप्रद प्रसंगों से भरा है। एक बार बाला और कृष्णा नामक दो पंडित गुरु अर्जन देव के पास आए और बोले कि महाराज! हम कथा सुनाकर दूसरों को आत्मिक शांति तो देते हैं लेकिन स्वयं हमारे मन को शांति नहीं मिलती। हम क्या करें? गुरु अर्जन देव ने उन्हें बहुत सरल लेकिन गहन उत्तर दिया। उन्होंने कहा कि जब तक तुम कथा वाचन को धन प्राप्ति का माध्यम समझकर करते रहोगे, तब तक तुम्हारा मन कभी शांत नहीं हो सकता। जब तक कर्म में निष्काम भाव नहीं होगा, तब तक आत्मिक शांति मिलना असंभव है। उन्होंने पंडितों से कहा कि कथा करते समय अपने मन को शुद्ध करो, कथा को परमात्मा की उपस्थिति में किया गया एक पवित्र कार्य मानो और जो उपदेश दूसरों को देते हो, उसे स्वयं भी जीवन में उतारो। यही वह मार्ग है, जिससे तुम्हारा चंचल और अशांत मन भी सच्ची शांति का अनुभव करेगा।

गुरु अर्जन देव के ये उपदेश आज भी सार्थक और मूल्यवान हैं। गुरु अर्जन देव केवल उपदेशक नहीं थे बल्कि उन्होंने अपने जीवन में हर उस आदर्श को जिया, जो वे दूसरों को सिखाते थे। उन्होंने सेवा, विनम्रता और त्याग की ऐसी मिसाल पेश की, जो युगों-युगों तक स्मरणीय रहेगी। आज के यांत्रिक और आत्मकेंद्रित युग में जहां मानवता हाशिये पर पहुंच गई है और लोग मानसिक अशांति से जूझ रहे हैं, वहां गुरु अर्जन देव के विचार एक प्रकाश स्तंभ की तरह मार्गदर्शन करते हैं। गुरु अर्जन देव का मानना था कि मन की शांति ही सच्चे सुख का मार्ग है।

उर्सूलाइन हाई स्कूल रांची की राजधानी रांची की टॉपर के साथ उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री। सौजन्यः अजय सानी

कार्टून वर्ल्ड

हजारीबाग में 25 साल से बसे मकान को तोड़ने उतरा जियाडा

हो सकता है सामाजिक तनाव : मुन्ना सिंह

खबर मंत्र संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग जिले के चानो गांव में एक ऐसे सरकारी अन्याय की पटकथा लिखी जा रही है, जो इंसाफ के मुंह पर करारा तमाचा है। एक परिवार, जो तीन दशकों से अपनी पुश्तैनी जमीन पर शांतिपूर्वक रह रहा था, अब बेघर होने के कगार पर है और वजह है सरकार की ही एक एजेंसी जियाडा, जिसने हाईकोर्ट के स्पष्ट आदेशों को दरकिनार करते हुए जमीन को कब्जा करने की कोशिश की है। ये कोई मामूली जमीन विवाद नहीं है, ये एक सरकारी एजेंसी बनाम आम नागरिक की लड़ाई है, जहां पावर का इस्तेमाल डराने, धमकाने और जबरन कब्जे के लिए किया जा रहा है। हाईकोर्ट पहले ही यह स्पष्ट कर चुका है कि जब तक मुआवजा तय और भुगतान नहीं होता, तब तक रियाडा किसी भी तरह की कार्रवाई नहीं कर सकती। लेकिन इसके बावजूद, पीड़ित परिवार पर ऐसा दबाव बनाया जा रहा है, जैसे वो किसी अपराधी हों।

ध्रुव सिंह के परिवार की हालत आज ऐसी है कि उनके घर से बाहर निकलने का रास्ता तक बंद किया जा रहा है। खुद पीड़ितों ने बताया कि

जियाडा से जुड़े लोग आए, घर के सामने ट्रेंच काट डाले और धमकी देकर चले गए की अगर नहीं हटे, तो ऐसा केस में फंसा देंगे कि जिंदगी भर पछताओगे।

यह वही परिवार है जिसने अपनी बुजुर्ग माताजी मंदोदरी देवी के नाम पर जमीन को कानूनी तौर पर दर्ज कराया है। उन्होंने मुआवजे के लिए कोर्ट का दरवाजा खटखटाया, कोर्ट ने आदेश भी दिया, लेकिन आज तक एक पैसा भी नहीं मिला। उल्टा मानसिक प्रताड़ना, सामाजिक बहिष्कार और जमीन पर जोर-जबरदस्ती जारी है।

इधर इस मामले पर कांग्रेस नेता और सामाजिक कार्यकर्ता मुन्ना ने जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया पर बड़ा सवाल उठाया है। उन्होंने कहा की अगर खाली जमीन ली गई होती, तो कोई आपत्ति नहीं थी और खाली जमीन ली भी गयी है, लेकिन यह जमीन उनके घर की है। अगर इसे जबरन लिया गया तो उनका घर का रास्ता ही बंद हो जाएगा। घर कैदखाना हो जाएगा। आप मुआवजा दीजिए, वैकल्पिक जमीन दीजिए, फिर बात कीजिए। लेकिन ये तो जबरदस्ती है। उन्होंने आगे चेताया कि यह मामला अब सिर्फ जमीन का नहीं है, यह सामाजिक तनाव का कारण बन सकता है। जियाडा ने जिसको जमीन दिया है और रैयत, दोनों पक्षों के टकराव से गांव का माहौल बिगड़ सकता है। प्रशासन को फौरन हस्तक्षेप करना चाहिए वरना हालात हाथ से बाहर निकल जाएंगे।

क्या कहते हैं एसडीओ : जब इस मसले पर अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) वैजनाथ कामती से बात की गई तो उन्होंने कहा कि हमें इस मामले की जानकारी ही नहीं थी। अगर कोर्ट का आदेश है, तो उसी के अनुसार कार्रवाई होगी। मामला बिगड़ने नहीं दिया जाएगा। अब सवाल ये है कि क्या प्रशासन सच में अनजान था, या जानबूझकर आंखें मूंद ली गई थीं? आज चानो गांव के उस घर में सिर्फ दीवारें नहीं कांप रही हैं, वहां एक परिवार की ज़िंदगी, उसकी इज्जत और उसकी उम्मीदें रौंद दी जा रही हैं। क्या न्याय सिर्फ कागजों में रह गया है? सरकार और प्रशासन को यह समझना होगा कि एक घर उजाड़ने से पहले, एक दिल टूटता है, एक पीढ़ी तबाह होती है। अगर अब भी कार्रवाई नहीं हुई, तो ये आग सिर्फ एक घर तक सीमित नहीं रहेगी, पूरा समाज इसकी चपेट में आ जाएगा।

रामगढ़ के सभी पंचायतों में खुलेगा पुस्तकालय : डीसी

बीडीओ और सीओ चिह्नित करें स्थान

खबर मन्त्र संवाददाता

रामगढ़। रामगढ़ डीसी के पद पर प्रभार ग्रहण करते ही फैज अक अहमद मुमताज ने विकास कार्यों की समीक्षा की। गुरुवार को उन्होंने शिक्षा और स्वास्थ्य इन दोनों विभागों पर अपनी प्राथमिकता जाहिर की। एक तरफ उन्होंने सभी पंचायतों में पुस्तकालय खोलने का आदेश जारी किया। इसके लिए बीडीओ और सीओ को जमीन चिन्हित करने को कहा। दूसरी ओर आकस्मिक परिस्थितियों के लिए स्वास्थ्य मित्र को भी तैयार करने का निर्देश जारी किया गया। सभी अधिकारियों से परिचय प्राप्त करने के बाद उन्होंने विकास कार्यों पर नजर डाली।

इस दौरान डीएफओ नीतीश कुमार, डीडीसी रोबिन टोप्पो, एसी कुमारी गीतांजलि, एलआरडीसी दीप्ति प्रियंका कुजूर, सिविल सर्जन डॉक्टर महालक्ष्मी प्रसाद, समाज कल्याण पदाधिकारी इंदू प्रभा खालको, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा, जिला शिक्षा पदाधिकारी कुमारी नीलम, जिला पंचायती राज पदाधिकारी निशा सिंह,

डीएमओ निशांत अभिषेक, जिला कल्याण पदाधिकारी, जिला भू अर्जन पदाधिकारी, प्रभारी पदाधिकारी विकास शाखा सहित अन्य अधिकारियों ने योजनाओं और विकास कार्यों की जानकारी डीसी को दी। मनरेगा संबंधित कार्यों की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने ज्यादा से ज्यादा मानव दिवस सृजित करने एवं लाभुकों को रोजगार उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। वहीं उन्होंने लाभुकों को ससमय मानदेय का भुगतान करने का निर्देश दिया। लंबित योजनाओं को तीव्र गति से कार्य करते हुए योजनाओं को पूर्ण करने का निर्देश दिया। वहीं उन्होंने योजनाओं में डुप्लीकेसी न होने देने की बात कही। राजस्व संबंधित कार्यों की समीक्षा के क्रम में डीसी ने नीलाम पत्र वादों के निष्पादन को लेकर एसडीओ को मॉनिटरिंग करने का निर्देश दिया। स्वास्थ्य विभाग के समीक्षा के दौरान डीसी ने चिकित्सकों की उपस्थिति पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अस्पताल में चिकित्सक समय पर उपस्थित रहे, तभी मरीजों का इलाज संभव है। इसके अलावा उन्होंने आकस्मिक परिस्थितियों से निपटने के लिए स्वास्थ्य मित्र को तैयार करने का निर्देश दिया। उन्हें फर्स्ट एड किट और सीपीआर की ट्रेनिंग देने काफी निर्देश दिया।

डीजीएम हत्याकांड में मुख्य आरोपी गिरफ्तार

हजारीबाग। एनटीपीसी के डीजीएम कुमार गौरव हत्याकांड में हजारीबाग पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने इस मामले में एक और मुख्य आरोपित मुकेश साव उर्फ प्रभात उर्फ माइकल को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के पास से एक पिस्टल, दो कारतूस, तीन मोबाइल फोन और एक चोरी की बाइक बरामद की गई है। गिरफ्तार अपराधी 36 वर्षीय मुकेश साव, लातेहार जिले के बारियातू थाना अंतर्गत ग्राम चेडरा का रहने वाला है। गिरफ्तारी की पुष्टि कटकमदाग थाना प्रभारी पंकज कुमार ने की है। पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ अपराधी हथियार के साथ किसी बड़ी आपराधिक वारदात को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। सूचना के बाद वरीय अधिकारियों के निर्देश पर एक छापेमारी दल का गठन किया गया। ग्राम बेस के पास से मुकेश साव को गिरफ्तार किया गया। मुकेश साव के पास से अवैध हथियार और चोरी की बाइक के अलावा तीन मोबाइल बरामद हुए(पूछताछ में मुकेश साव ने स्वीकार किया कि 8 मार्च 2025 को फतहा चौक पर एनटीपीसी के डीजीएम कुमार गौरव की हत्या में वह भी शामिल था।

तोपा में अवैध ईंट लदा ट्रैक्टर जब्त

कुजू। सीसीएल तोपा परियोजना के सुरक्षा प्रभारी शंकर राम ने अवैध ईंट लदा ट्रैक्टर बनवार चेक पोस्ट से जबरन भगा ले जाने का मामला कुजू ओपी में दर्ज कराया है। ओपी में दिए गए आवेदन में परियोजना के सुरक्षा प्रभारी शंकर ने कहा है कि 28 मई शाम को एक ट्रेक्टर जिसका नम्बर JH02AL/2893अवैध रूप से ईंट लादकर बनवार

चेक पोस्ट में जबरन बैरियर उठाकर ले जाने का प्रयास करने लगा। चालक विजय कुमार ने कहा कि हम ट्रैक्टर ले जाएंगे, देखते हैं कौन रोकता है। चेकपोस्ट पर तैनात सुरक्षा कर्मी को धमकी देते हुए जबरन ट्रेक्टर चालक विजय कुमार ईंट लदा ट्रैक्टर लेकर भाग गया। सुरक्षा प्रभारी शंकर राम ने आवेदन में सरकारी काम में बाधा डालने तथा आरएफआईडी सिस्टम खराब करने का आरोप लगाते हुए कुजू ओपी पुलिस से मामला दर्ज कर चालक विजय के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करने का अनुरोध किया है।

चौपारण में नाबालिग लड़की का शव बरामद

चौपारण । दनुआ से अहरी गांव जाने वाले रोड किनारे से एक नाबालिग लड़की का शव बरामद हुआ है। शव की पहचान कर ली गयी है। घटना की खबर आग की तरह फैल गई और स्थानीय और प्रशासन के लोग मौके पर पहुंचे। लड़की 27 मई की रात करीब 11 बजे अपने प्रेमी शंकर सिंह के साथ घर से निकली थी, जो देर रात तक वापस नहीं लौटी। सोमवार सुबह गांव से शौच के लिए निकले कुछ लोगों ने सुलेखा के शव को देखकर पुलिस को सूचना दी। डीएसपी अजीत कुमार विमल, इंस्पेक्टर चंद्रशेखर कुमार, थाना प्रभारी अनुपम प्रकाश ने ग्रामीणों को समझा-बुझाकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

टेकेबाजी की आड़ में कब्जे की साजिश

शंकर यादव

चौपारण। एक समय वीरान पड़ा कठम्बा मोड़ से भगहर की ओर जाने वाला क्षेत्र अब धीरे-धीरे गति में आ रहा है, लेकिन यह कोई सकारात्मक विकास नहीं, बल्कि अतिक्रमण की एक खामोश पर खतरनाक शुरूआत है। सड़क किनारे बनी कुछ झोपड़ियों में दोपहर ढलते ही भीड़ उमड़ने लगती है। स्थानीय भाषा में इन्हें दरबार कहा जाने लगा है, पर असल में यह एक बदलते परिदृश्य की चेतावनी है जिसे अब अनदेखा नहीं किया जा सकता। इन अस्थायी झोपड़ियों में पारंपरिक पेय माड़ी और कथित अवैध शराब की उपलब्धता के चलते आसपास के गांवों से लोग बड़ी संख्या में जुटने लगे हैं। यह स्थान अब केवल एक सामाजिक मिलन केंद्र नहीं, बल्कि गतिविधियों का ऐसा अड्डा बनता जा रहा है,

जिसकी जड़ें धीरे-धीरे जंगल की जमीन में गहराई तक फैल रही हैं। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि जहां पहले बांस और तिरपाल की अस्थायी झोपड़ियाँ होती थीं, अब वहां ईंट-पत्थर के स्थायी ढांचे दिखने लगे हैं। इस तरह वन भूमि का स्वरूप तेजी से बदल रहा है – और इसके साथ बदल रही है पर्यावरणीय शांति और जैव विविधता।एक वरिष्ठ ग्रामीण बताते हैं, शुरूआत में लगा कि यह कुछ थके-मांदे लोगों के विश्राम का स्थान है, लेकिन अब यहां की भीड़, शोरगुल और गतिविधियाँ बताती हैं कि यह केवल ठहराव की जगह नहीं रही, यहां कुछ और पक रहा है। इन गतिविधियों के साथ वन भूमि पर अतिक्रमण का एक नया संकट जन्म ले रहा है। झोपड़ियों से शुरू हुआ यह सिलसिला अब खेतों और जंगल के खुले भूभाग की ओर बढ़ रहा है। वन विभाग और स्थानीय प्रशासन की जानकारी में यह सब होने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। जब इस संबंध में स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों से सवाल किया गया, तो उन्होंने सामान्य-सा जवाब दिया, स्थिति की निगरानी की जा रही है। जबकि स्थानीय लोग मानते हैं कि यह केवल कागजी निगरानी है, जमीनी हकीकत इसके ठीक विपरीत है कि हालात लगातार बिगड़ रहे हैं।

एक सामाजिक कार्यकर्ता ने कहा,

चौपारण में मयखाने से घर व जंगल पर संकट

यह केवल झोपड़ियों का मसला नहीं है, यह पूरे इलाके के पर्यावरणीय भविष्य का सवाल है। आज अगर एक झोपड़ी को न रोका गया, तो कल पूरा जंगल कंक्रीट में तब्दील हो जाएगा। इन झोपड़ियों से जुड़े कुछ लोग यह तर्क देते हैं कि इससे कुछ लोगों को रोजगार मिल रहा है। लेकिन सवाल उठता है कि अगर यह रोजगार पर्यावरणीय संतुलन और कानून व्यवस्था की कीमत पर है, तो इसकी असली कीमत कौन चुकाएगा? ज्ञात हो कि यह इलाका पहले से ही अवैध शराब कारोबार के लिए संवेदनशील माना जाता रहा है। अब इन तथाकथित ह्यदरबारोंह्ण के बढ़ने से न केवल पर्यावरणीय संकट गहराता जा रहा है, बल्कि सामाजिक असंतुलन और युवाओं के लिए खतरा भी बढ़ रहा है।

स्पीड न्यूज

लारी बीएड कॉलेज में संगोष्ठी संपन्न

रजरप्पा। डॉ. एस. राधाकृष्णन शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, सुकरीगढ़ा, लारी, रामगढ़ में गुरूवार को महाविद्यालय के आइक्यूएसी के तत्वावधान में टर्टल फॉउन्डेशन फॉर रिसर्च एंड एडुकेशन ट्रस्ट के सहयोग से दो दिवसीय बहुविषयक संगोष्ठी संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ डॉ. राधाकृष्णन के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया। संगोष्ठी में दस राज्यों के शोधकर्ताओं ने भाग लिया, कुछ प्रतिभागीयों ने ऑनलाइन मॉड के माध्यम से अपना आलेख पढ़ा, भाग लेने वालों में राजस्थान, कर्नाटक, बंगाल, हरियाणा, उड़ीसा, बिहार एवं झारखंड के थे। मौके पर सहायक प्राध्यापक मो. परवेज अखतर, सोनम सिंहा, डॉ. अशोक राम, व्याख्याताओं में सुप्रिया बर्मन, मुरारी दुबे, बाबुचन्द प्रसाद व अन्य उपस्थित थे।

बोकारो से चोरी बाइक रामगढ़ में बरामद

रामगढ़। रामगढ़ पुलिस ने बोकारो से चोरी हुई एक टीवीएस अपाचे बाइक (जेएच 09 एएस 3370) को बरामद किया। रामगढ़ थाना प्रभारी पीके सिंह ने बताया कि 26 मई की शाम बोकारो थर्मल के राजा बाजार निवासी शेख इमामुद्दीन की बाइक चोरी हुई थी। उस बाइक को लेकर चोर रामगढ़ शहर में घुसे थे। पेट्रोलिंग के दौरान पुलिस को संदेह हुआ तो उस बाइक का पीछा किया। चोरों को इतना भी मौका नहीं मिला कि वह चोरी की गई बाइक का नंबर प्लेट बदल सके। पुलिस को पीछे देख चोर भी हड़बड़ा गया और रांची रोड में उस बाइक को खड़ी कर वहां भाग गया। पुलिस ने नंबर प्लेट से बाइक मलिक शेख इमामुद्दीन का नंबर निकाला और उसे इस बात की जानकारी दी। शेख इमामुद्दीन ने बताया कि उसकी गाड़ी मात्र सात मिनट में चोरी हो गई थी। वह डीवीसी सेंट्रल मार्केट गए थे, गाड़ी खड़ी कर वह दुकान से सिर्फ स्पीकर लेकर आए। इसमें मुश्किल से 7 से 8 मिनट लगे थे। शातिर चोरों ने उनकी बाइक उतनी ही देर में उड़ा ली थी।

एजेकेएसएस के अध्यक्ष बने शिवनंदन

भुरकुंडा (रामगढ़) ।अखिल झारखंड कोयला श्रमिक संघ एटक जीएम यूनिट की बरका-सयाल शाखा कमेटी के पुनर्गठन को लेकर गुरुवार को बैठक हुयी। इसकी अध्यक्षता शिवनंदन दास और संचालन कमलेश कुमार ने किया। बैठक में जीएम यूनिट की नई कमेटी का गठन किया गया। अध्यक्ष शिवनंदन दास, उपाध्यक्ष सुरेश खरवार, सुरेंद्र कुमार, राजीव रंजन, सतीश कुमार तिवारी व पुलकेश चक्रवर्ती, सचिव कमल सिंह, सह सचिव कमलेश कुमारऔर सह कोषाध्यक्ष कुश प्रसाद चुने गये। क्षेत्रीय सचिव संजय मिश्रा ने कहा कि कोल कर्मचारियों की समस्याओं के प्रति कोल प्रबंधन का रवैया उदासीन है, जिसे यूनियन किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने बताया कि जून में क्षेत्रीय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा, जिसके बाद आंदोलन की रूपरेखा तैयार की जाएगी। यह सम्मेलन कई मायनों में ऐतिहासिक होगा। वहीं कार्यकारिणी सदस्यों में पच्चु राम, मो. कासिम, सतीश कुमार शर्मा, गोपाल, सुनील उरांव, महेंद्र शाह, रोबिन टोप्पो, दिनेश कुमार, सुनीता कुमारी, पिंकी, मनीष कुमार सिंह, कंचन मुंडा, माहालाल बेसरा, मालती देवी, मुकेश किस्कू, विजय टुडू, तिवारी बेसरा, सुशीला, सविता, नंदिया आदि शामिल हैं।

आश्रम में युवक के साथ मारपीट

भुरकुंडा (रामगढ़)। आनंद मार्ग प्रचार संघ आश्रम पटेलनगर का रख-रखाव करने वाने सयाल मोड़ निवासी उमेश साव ने युवक पर आश्रम में चोरी, तोड़फोड़ व जान से मारने की धमकी देने का मामला भुरकुंडा ओपी में दर्ज कराया है। दर्ज मामले में कहा गया है कि पिछले 22-25 मई तक आनंद नगर में संघ का धर्म महासम्मेलन में हिस्सा लेने गया था। सम्मेलन से 27 मई की सुबह छह बजे आश्रम आये तो देखा कि कुछ असामाजिक तत्व घुसकर आश्रम का दरवाजा, एसबेस्टस तोड़ रहे है। जिसके बाद जब उन्होने मना किया तो पंचायत की मुखिया गुलाबो देवी का पुत्र रोशन कुमार और उसके साथी उनके साथ मारपीट करने लगे। साथ जान से मारने की धमकी देने लगे। इस दौरान कहा गया कि उसकी मां मुखिया है मेरा कोई कुछ नही बिगाड़ सकता है। उनके हाथ मे भुजाली और लोहे का सब्बल था। इस दौरान मैं किसी तरह भागकर अपनी जान बचाया। उमेश साव ने ओपी प्रभारी से मामले की जांच कर उचित कानूनी कारवाई करने की मांग की है। आवेदन में सुनील अग्रवाल, कृष्णा शर्मा, नचिकेता, शत्रुधन मुंडा, सुनील प्रसाद, नगीना महतो, शकुंतला देवी, नीरू देवी, निशा कुमारी, प्रभात सिंह, उमीर्ला देवी, रेणु देवी सहित अन्य का हस्ताक्षर अंकित है। इधर मामले पर मुखिया के पुत्र रोशन कुमार ने कहा कि उमेश साव द्वारा लगाया गया आरोप बेबुनियाद है।

डीसी ने सुनी जनता की समस्याएं

रामगढ़। रामगढ़ डीसी फैज अक अहमद मुमताज ने गुरुवार को अपने कार्यालय कक्ष में जिले के सुदूरवर्ती क्षेत्रों से अपनी समस्याओं को लेकर उनसे मिलने आए लोगों से मुलाकात की। इस दौरान लोगों ने भूमि, सड़क, रोजगार, विभिन्न विकास कार्यों, योजनाओं के लाभ सहित अपनी समस्याओं से डीसी को अवगत कराया। जिसके उपरांत डीसी ने मामलों के निष्पादन के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

एक नजर में

कटकमदाग में बालिका शिक्षा के लिए बैठक

कटकमदाग। कटकमदाग प्रखंड के ब्लॉक सभागार में बालिका शिविर परियोजना को लेकर कन्वर्जेन्स बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी शिवबालक प्रसाद ने की। बैठक का उद्देश्य 15 से 18 वर्ष की ड्रॉपआउट किशोरियों को दोबारा औपचारिक शिक्षा से जोड़ने के लिए संबंधित विभागों के बीच समन्वय स्थापित करना था। बैठक में बताया गया कि किशोरियों को राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान के माध्यम से शिक्षा से जोड़ा जाएगा। प्लान इंडिया के प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर ने परियोजना की रूपरेखा और तीन वर्षों की उपलब्धियों पर प्रेजेंटेशन दिया। बीडीओ शिवबालक प्रसाद ने कहा कि इस पहल से सुनिश्चित होगा कि कोई भी किशोरी शिक्षा से वंचित न रहे। उन्होंने सुझाव दिया कि किशोरियों को स्ट्रॉबेरी खेती जैसी नवाचारी कृषि गतिविधियों से जोड़कर उनकी आर्थिक आत्मनिर्भरता भी सुनिश्चित की जाए। साथ ही बाल विवाह रोकने हेतु अभिभावकों की काउंसलिंग पर बल दिया। अंचल अधिकारी विजय कुमार ने ग्राम पंचायत स्तर पर भी कन्वर्जेन्स बैठकें आयोजित करने, सोशल मीडिया प्रचार और साप्ताहिक समीक्षा की आवश्यकता बताई। बैठक में प्रखंड प्रमुख कुमारी विनीता, पंचायत प्रतिनिधि, सहिया साथी दीदी व प्लान इंडिया की टीम सहित कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

बरही में कृषि संकल्प अभियान की शुरूआत

बरही। हजारीबाग जिले में किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों से जोड़ने के उद्देश्य से विकास कृषि संकल्प अभियान की शुरूआत हुई। अभियान के पहले दिन भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई), झारखंड की तीन विशेषज्ञ टीमों ने करगियो, बिजया और मलकोको समेत तीन ब्लॉकों के नौ गांवों में जाकर करीब 1029 किसानों से सीधा संवाद किया। किसानों को खरीफ फसलों के उन्नत प्रबंधन, उर्वरकों और कीटनाशकों के विवेकपूर्ण उपयोग, एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन, और टिकाऊ खेती के तरीकों की जानकारी दी गई। साथ ही प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, फसल बीमा योजना, डिजिटल कृषि मिशन जैसी सरकारी योजनाओं की भी जानकारी साझा की गई। विशेषज्ञों ने प्रत्यक्ष बीजित चावल (ऊरफ) और सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (कळ) के कृषि में उपयोग को लेकर भी विस्तार से बताया। डॉ. निरंजन कुमार, डॉ. काशीनाथ तेली, डॉ. सौगत भट्टाचार्य समेत कई विशेषज्ञों ने किसानों को लाभकारी कृषि वानिकी और कीट नियंत्रण उपायों पर सुझाव दिए। किसानों ने नई तकनीकों को लेकर सकारात्मक रुख दिखाया, जिससे यह अभियान राज्य में कृषि क्षेत्र के स्थायी विकास की दिशा में एक अहम कदम साबित हो सकता है।

बरही अस्पताल में मना मासिक स्वच्छता दिवस

बरही। अनुमंडलीय अस्पताल में गुरुवार को विश्व मासिक धर्म स्वच्छता दिवस मनाया गया। इस अभियान के तहत हर साल 28 मई को अंतरराष्ट्रीय मासिक धर्म स्वच्छता दिवस मनाया जाएगा। मौके पर अनुमंडलीय अस्पताल प्रभारी डॉ प्रकाश ज्ञानी मौजूद थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि इसके तहत 23 से 26 मई तक प्रखंड में अंतरराष्ट्रीय मासिक धर्म स्वच्छता सप्ताह का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 23 मई को सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर मासिक धर्म स्वच्छता की जानकारी दी जाएगी तथा महिलाओं व युवतियों का हीमोग्लोबिन जांच किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस दौरान महिलाओं को साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने की जरूरत है, जिसकी अनदेखी करने से कई बार महिलाओं को कई गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। पीरियड्स के दौरान बरती जाने वाली इस लापरवाही के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से हर साल 28 मई को विश्व मासिक धर्म स्वच्छता दिवस मनाया जाता है। मौके पर डॉ. प्रकाश ज्ञानी, कार्यक्रम प्रबंधक बीपीएम नारायण राम, महेश साव, सभी सहिया दीदी व किशोरी मौजूद थे।

देवी प्राण प्रतिष्ठा को लेकर निकली यात्रा

बरही। गौरियाकरमा गांव में श्री श्री 1008 शतचंडी नौ दिवसीय महायज्ञ सह देवी प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर भव्य कलश यात्रा का आयोजन धूमधाम से किया गया। इस कलश यात्रा में गांव की 1000 से अधिक महिला श्रद्धालुओं और कुंवारी कन्याओं ने भाग लिया। सभी ने निचितपुर बड़ाकर नदी से जल लेकर पूरे गांव का भ्रमण करते हुए पुनः मंदिर परिसर पहुंचकर विधिवत कलश स्थापित किया ।कलश यात्रा के मुख्य जजमान रामकृपाल चंद्रवंशी, मनोज विश्वकर्मा, रामचन्द्र महतो, फागु महतो, प्रसादी राणा समेत कई श्रद्धालु सपरिवार उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बरही विधायक मनोज यादव ने उपस्थित हुए। यज्ञ महासमिति ने विधायक मनोज यादव का अंगवस्त्र पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर विधायक ने मुख्य जजमान को कलश देकर रवाना किया। इस दौरान भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर, भाजपा प्रदेश नेता रंजीत चंद्रवंशी, मुखिया प्रतिनिधि राजन ओम, सामाजिक कार्यकर्ता नागेश्वर यादव और भाजपा नेता प्रद्युम्न सिंह भी मौजूद रहे।

करगईयो में कृषि संकल्प अभियान शुरू

बरही। कोल्हुआकला पंचायत के करगईयो में विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत कार्यक्रम हुआ। जिसमें भारतीय कृषि अनुसंधान केंद्र के डॉ. निरंजन कुमार, डॉ. काशी, राजेंद्र मीना, दर्शन कुमार, बीटीएम राकेश कुमार व एटीएम नीलम सुजाता डुंगडुंग समेत पंचायत के 121 किसानों ने भाग लिया। वहीं, कार्यक्रम में मौजूद किसानों को भारतीय कृषि अनुसंधान केंद्र के वैज्ञानिकों ने उन्नत खेती के बारे में बताया। बीटीएम राकेश कुमार ने कहा कि विकासशील कृषि संकल्प अभियान का मुख्य उद्देश्य पूरे जिले के किसानों को नवीनतम तकनीक से परिचित कराना है। साथ ही वैज्ञानिकों को किसानों की समस्याओं को समझना है और भविष्य में उस पर शोध करना है। यह अभियान 29 मई से शुरू होकर 12 जून तक चलेगा, जिसमें कृषि विभाग के वैज्ञानिक व कर्मचारी किसानों के गांव व खेतों में पहुंचकर चर्चा करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि इस अभियान से किसानों को वैज्ञानिकों और कृषि विशेषज्ञों के साथ मिलकर काम करने का अवसर मिलेगा, जो टिकाऊ और उन्नत खेती के लिए बेहद जरूरी है। उन्होंने बताया कि देश के 700 जिलों में 2000 से अधिक वैज्ञानिक दलों की भागीदारी के साथ कृषि संकल्प अभियान शुरू किया जा रहा है।

दवा से परे टीबी का उपचार

डॉ मनीषा वर्मा

जिनेवा में हाल ही में संपन्न विश्व स्वास्थ्य सभा में, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) के भारत को ट्रेकोमा-मुक्त घोषणा करना, केवल सार्वजनिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक महत?वपूर्ण उपलब्धि नहीं है। यह सामूहिक राष्ट्रीय इच्छाशक्ति का एक उत्कृष्ट प्रमाण है।

स्वच्छता, सफाई और जागरूकता में दशकों के सक्रिय प्रयासों से प्राप्?त यह उपलब्धि, इस बात का परिचायक है कि भारत तपेदिक (टीबी) से किस प्रकार निपट रहा है। वास्तव में, ट्रेकोमा पर जीत की गूंज, टीबी-मुक्त भारत की दिशा में राष्ट्र के महत्वाकांक्षी अभियान में दृढ़ता को दर्शाती है।

जिस तरह मौलिक सार्वजनिक स्वास्थ्य सिद्धांतों पर निरंतर ध्यान ने ट्रेकोमा के खिलाफ लड़ाई को रेखांकित किया, उसी तरह टीबी के खिलाफ वर्तमान लड़ाई भी समान रूप से व्यापक और महत्वपूर्ण रूप से गहराई से निहित जनभागीदारी यानी लोगों की भागीदारी के सिद्धांत के साथ लड़ी जा रही है।

यह केवल एक नारा नहीं है, बल्कि यह सरकार की रणनीति का आधार है। हाल ही में शुरू किया गया 100- दिवसीय टीबी उन्मूलन अभियान इस संकल्प का उत?कृ?ट उदाहरण है। इस अभियान के अंतर्गत 12 करोड़ 97 लाख लोगों की जांच की गई और 7 लाख 19 हजार से अधिक टीबी रोगियों की जानकारी दी गई।

लेकिन जो बात इस प्रयास को अलग बनाती है, वह है टीबी के सामाजिक लक्षणों को खत्म करने की समानांतर प्रतिबद्धता। 13 करोड़ 46 लाख ₹नि-क्षय शिविर₹ या सामुदायिक जांच और जागरूकता शिविरों का आयोजन, इस मान्यता के बारे में बहुत कुछ कहता है कि प्रभावी उपचार, दवा से परे कलंक, मिथकों और गलत सूचनाओं के उन्मूलन तक फैला हुआ है।

टीबी उन्मूलन के संदर्भ में जन-भागीदारी जीवंत और बहुआयामी है। यह एक ऐसा तंत्र है जो आशा और आंगनवाड़ी कार्यकताओं जैसे सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकताओं के अथक समर्पण का समर्थन करता है, जो दूरदराज के गांवों में संपर्क का सबसे मूल्यवान माध?यम हैं। वे संभावित मामलों की पहचान करने, उपचार नियमों का पालन सुनिश्चित करने और महत्वपूर्ण पोषण सहायता प्रदान करने वाले गुमनाम नायक हैं। इस नींव पर स्थानीय स्वयं-सहायता समूहों,

गैर-सरकारी संगठनों और आस्था-आधारित संगठनों द्वारा संसाधनों को जुटाने से महत्वपूर्ण रोगी सहायता नेटवर्क स्थापित करके समुदाय-नेतृत्व वाले इस प्रयास को और मजबूती मिलती है।

हालांकि, अग्रिम पंक्ति के इन योद्धाओं के मैदान में उतरने से पहले ही, भारत के सशक?त मीडिया द्वारा जमीन तैयार की जा रही है। 100 दिवसीय अभियान का आकर्षक नारा, ह्यजन-जन का रखे ध्यान, टीबी-मुक्त भारत अभियानह्व, सिर्फ. एक आकर्षक मुहावरा नहीं है, यह एक राष्ट्रीय आह्वान है जो असंख्य स्थानीय भाषाओं में टेलीविजन, रेडियो और सार्वजनिक स्थानों पर गूंज रहा है।

इस व्यापक जागरूकता सृजन को अटूट राजनीतिक इच्छाशक्ति द्वारा महत्वपूर्ण रूप से बढ़ावा दिया गया है जिसमें माननीय प्रधानमंत्री सहित सरकार के सर्वोच्च स्तर के अधिकारी लगातार भारत की प्रगति का आधार रख रहे हैं। माननीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री के तत्वावधान में एक ₹संपूर्ण-सरकार₹ का दृष्टिकोण जिस तरह से मंत्रालयों में सहयोग को बढ़ावा दे रहा है और राज्य स्तर पर सक्रिय प्रयास जारी है, वह एकीकृत राष्ट्रीय प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

टीबी के खिलाफ भारत की लड़ाई की एक और आधारशिला, इसकी पंचायती राज संस्थाओं की व्यापक पहुंच है।

2,50,000 से ज्यादा पंचायतें टीबी उन्मूलन को चर्चा में ला रही हैं और सरपंचों तथा ग्राम प्रधानों को सार्वजनिक स्वास्थ्य के अग्रणी के रूप में शामिल कर रही हैं। टीबी के बारे में अब खुलकर चर्चा की जाती है और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि ग्रामीण स्तर पर इस पर कार्रवाई की जाती है।

सार्वजनिक स्वास्थ्य सहयोगी के रूप में मीडिया इस महान प्रयास में मीडिया की भूमिका अपरिहार्य है। सरकारी पहलों, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं और समुदाय द्वारा संचालित उपायों की प्रेरक कहानियों पर प्रकाश डालकर, मीडिया जनता का विश्वास बढ़ाता है और देखभाल के लिए आगे आने के लिए प्रोत्साहित करता है। यह विकेंद्रीकृत, जन-केंद्रित मॉडल निक्षय-मित्र पहल के रूप में अपनी अभिव्यक्ति को उजागर करता है। पोषण और टीबी उपचार परिणामों को जोड़ने वाले भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के साक्ष्य के बारे में व्यापक मीडिया कवरेज ने सामुदायिक कार्रवाई की एक शक्तिशाली लहर को प्रज्वलित किया, जिससे निगम, गैर-सरकारी संगठन, व्यक्ति और यहां तक कि बच्चे भी निक्षय मित्र बनने के लिए आगे आए। हाल ही में 100 दिनों के अभियान के दौरान 1.05 लाख से अधिक निक्षय मित्रों द्वारा टीबी रोगियों और उनके परिवारों को 3.06 लाख से अधिक खाद्य टोकरियां वितरित की गईं, जो जमीनी स्तर पर इस दृष्टिकोण के दूरगामी प्रभाव को स्पष्ट रूप से उजागर करती हैं।

संभवतः सबसे शक्तिशाली रूप से, टीबी से उबरने वाले लोगों के विजेता के रूप में सामने आने से यह कहानी बदल गई है। ये व्यक्ति, सफलतापूर्वक अपने स्वयं के ठीक होने की कहानी को आगे बढ़ाते हुए, अब अभिन्न सहयोगी हैं, जो सहानुभूति, मार्गदर्शन और प्रमाण देते हैं कि टीबी पूरी तरह से उपचार-योग्य है। उनका संरचित प्रशिक्षण- जहां वे टीबी को समझते हैं, वे तरीके जिनसे यह रोगी को मनोवैज्ञानिक रूप से प्रभावित करता है तथा सामुदायिक नेटवर्क बनाने की तकनीकें - तथा अनुभवों को सार्वजनिक रूप से साझा करने से उपचार अनुपालन को प्रेरित करता है तथा महत्वपूर्ण सामुदायिक सहानुभूति का निर्माण करता है।

(अपर महानिदेशक (मीडिया), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार)

डॉ गीता देशप्रिया : मातृशक्ति की अग्रदूत

डॉ जंग बहादुर पाण्डेय

भारत वर्ष का गुजरात प्रांत कई मायने में शिष्ट और विशिष्ट है। सत्य और अहिंसा के परम पुजारी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जन्मभूमि गुजरात ही रही है।इसी गुजरात प्रांत में वाघेला कांताबेन लालजी भाई और वाघेला लालजी भाई परसोत्तम भाई के आंगन में 29 मई 1967 को जिस नवजात बालिका ने जन्म लिया,लग्न मुहूर्त देखकर पंडितों ने उसका नाम गीता रखा। कालांतर में गीता ने अपनी कर्मठता और काम से अपने नाम को सार्थकता प्रदान की। गीता की प्रारंभिक शिक्षा गांव के पाठशाला में और उच्च शिक्षा अहमदाबाद में संपन्न हुई। उन्होंने अर्थशास्त्र में एम ए की परीक्षा प्रथम श्रेणी में पास की । वे चाहती तो अपनी मेधाविता के बल पर सरकारी सेवा में उच्च पदों को प्राप्त कर सकती थीं, लेकिन राष्ट्र सृजन अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा प्रद्युम्न प्रसाद सिन्हा से प्रेरित होकर समाज सुधार , महिला उत्थान,नारी जागरण और देश सेवा का व्रत ले लिया और तब से आज तक विगत 30 वर्षों से महिला सशक्तिकरण के यज्ञ में अपने जीवन की आहुतियां डाली रही हैं। गुजरात में महिला सशक्तिकरण के लिए इन्होंने अनेक कार्य किये।ये राष्ट्र सृजन अभियान की महिला मोर्चा की प्रमुख हैं और सनातन धर्म रक्षा संघ गुजरात प्रांत की ब्रांड एम्बेसडर भी हैं।बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान का अलख जगाने वाली डा गीता देशप्रिया जी एक सजग एवं जागरूक एवं समर्पित कार्यकर्ता हैं। नीति कहती हैं कि बालक को पढ़ाना एक व्यक्ति को पढ़ाना है, जबकि एक महिला को पढ़ाना एक पूरे परिवार को पढ़ाना है। महिला सशक्तिकरण के लिए समर्पित इनका व्यक्तित्व और कृतित्व अनुपम और अद्वितीय है।इनका मानना है कि समाज एवं राष्ट्र के सम्यक विकास के लिए नर और नारी दोनों का शिक्षित होना

परमावश्यक है।ये नर और नारी की असमानता को दूर करना चाहती हैं।इनका मानना है कि भारत में नारी को लक्ष्मी, दुर्गा और सरस्वती देवी के रूप में पूजा जाता है।

किसी मां के आँचल से निकलकर परिवर्तन की मशाल बन जाती है। ऐसी ही प्रेरणा हैं डॉ. गीता देशभ्रिया और इस यात्रा के पथ-प्रदर्शक, विचार-पुरुष हैं झ राष्ट्र सृजन अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. प्रद्युम्न कुमार सिन्हा, जिनके नेतृत्व में यह जन-आंदोलन आज देश के कोने-कोने तक अपनी चेतना पहुँचा रहा है। दादा श्री स्व.बाबू रामविलास सिंह जी की विचारधारा में, जिन्होंने स्वतंत्रता संग्राम के समय में स्वदेशी, स्वाभिमान और स्वराज के बीज बोए थे।

इस आंदोलन को सशक्त नेतृत्व मिला डॉ. प्रद्युम्न कुमार सिन्हा जी के रूप में, जो नवभारत के भावी निमार्ता की भूमिका में समाज, संस्कृति, शिक्षा और सेवा को एकसाथ जोड़ते हैं। उन्होंने न केवल युवाओं को दिशा दी, बल्कि महिलाओं को भी राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा में आगे लाने के लिए प्रेरित किया।डा गीता देश प्रिया डा पी के सिन्हा के साथ कंधे से कंधा मिलाकर समाज, राष्ट्र और महिला उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही हैं। अपनी रचनात्मक उपलब्धियों के लिए वे अनेक राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों से नवाजी भी गई हैं।एक तरफ थावे विद्यापीठ गोपालगंज बिहार ने उन्हें विद्या वाचस्पति (पीएचडी की मानद) उपाधि प्रदान कर सम्मानित किया तो दूसरी तरफ शिकागो खुला विश्वविद्यालय,ने लाइफ टाइम एचीवमेंट अवार्ड से नवाजा।

डॉ. गीता देशप्रिया: मातृशक्ति की अग्रदूत:-इस अभियान की एक प्रमुख स्तंभ हैं डॉ. गीता देशभ्रिया, जो महिला सशक्तिकरण को केवल नारे की तरह नहीं, एक रचनात्मक क्रांति के रूप में देखती हैं।उन्होंने ग्रामीण महिलाओं के लिए स्वावलंबन प्रशिक्षण केंद्र आरंभ किए। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की वह ब्रांड एम्बेसडर हैं, जो केवल तस्वीरों में नहीं, जमीनी हकीकत में बेटियों के लिए लड़ रही हैं। शिक्षा, नेतृत्व और भाषा जैसे विषयों पर उनके प्रशिक्षण शिविर आज भारत के कई राज्यों में विचार क्रांति का केंद्र बन चुके हैं।

सशक्त नेतृत्व, सजग मातृशक्तिः यह है नवभारत की परिभाषा ।डॉ. प्रद्युम्न कुमार सिन्हा और डॉ. गीता देशप्रिया की जुगल जोड़ी उस संतुलन की प्रतीक है जहाँ नेतृत्व नीति से प्रेरित होता है,और मातृशक्ति मूल्य आधारित सामाजिक परिवर्तन की वाहक बनती है। यह जोड़ी एक ऐसा भारत गढ़ रही है जिसमें जन-जन जुड़ा है विचारों से,युवा जुड़ा है उद्देश्य से और नारी जुड़ी है नव-निर्माण के यज्ञ से।

डॉ. पी के सिन्हा और डा गीता देश प्रिया के नेतृत्व में राष्ट्र सृजन अभियान ने शैक्षणिक सुधार, संविधान चेतना और सांस्कृतिक गौरव को जन-जन तक पहुँचाया है।इन दोनों की संगति से भारत में एक नई नवजागरण लहर चल रही है – जहाँ विचार, व्यवहार और विकास झ तीनों समानांतर चल रहे हैं। यह कोई साधारण यात्रा नहीं – यह है नवभारत की नींव,जहाँ नेतृत्व और नारी झ दोनों मिलकर लिख रहे हैं सृजन की गाथा।अंत में हम कहना चाहेंगे कि उनकी हर चाहत को राहत मिले और माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत का सपना अपना हो सके; एतदर्थ हमारी प्रभु से प्रार्थना होगी कि:-*बढ़ें आप मंगलमय पथ पर,*
करें कार्य नित मंगलकारी।
और सफल हों यश पावें,
यही कामना सदा हमारी।

जोसा काउंसलिंग 2025: आइआइटी, एनआइटी और शीर्ष इंजीनियरिंग संस्थानों में प्रवेश के अवसर

प्रशांत झा

इंजीनियरिंग के क्षेत्र में अपना भविष्य संवारने का सपना देख रहे लाखों छात्रों के लिए संयुक्त सीट आवंटन प्राधिकरण 2025 की काउंसलिंग प्रक्रिया 3 जून, 2025 से शुरू होने जा रही है। यह उन सभी मेधावी छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, जिन्होंने जेईई मेन और जेईई एडवांस्ड की कठिन परीक्षाओं को सफलतापूर्वक उत्तीर्ण किया है। जोसा काउंसलिंग के माध्यम से ही देश के प्रतिष्ठित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान , राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान , भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान और अन्य सरकारी वित्त पोषित तकनीकी संस्थानों में स्नातक इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में प्रवेश मिलता है।

जोसा काउंसलिंग प्रक्रिया: एक विस्तृत मार्गदर्शिका

जोसा काउंसलिंग एक बहु-चरणीय प्रक्रिया है जो छात्रों को उनकी रैंक, वरीयता और सीटों की उपलब्धता के आधार पर कॉलेजों और पाठ्यक्रमों का आवंटन करती है। यह पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन होती है और इसमें कई महत्वपूर्ण चरण शामिल होते हैं:

* **पंजीकरण :** सबसे पहला और महत्वपूर्ण चरण ऑनलाइन पंजीकरण है। छात्रों को जोसा की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपने जेईई मेन रोल नंबर और पासवर्ड का उपयोग करके पंजीकरण करना होगा। इस दौरान उन्हें अपनी व्यक्तिगत, शैक्षणिक और श्रेणी संबंधी जानकारी की जांच करनी होगी।

* **विकल्प भरना :** पंजीकरण के बाद, छात्रों को अपनी पसंद के कॉलेज और पाठ्यक्रमों का चयन करना होता है। यह चरण बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि इसी के आधार पर सीट आवंटन होता है। छात्रों को सलाह दी जाती है कि वे अपनी प्राथमिकता के अनुसार अधिक से अधिक विकल्पों का चयन करें।

* **विकल्प लॉक करना :** विकल्पों को सावधानीपूर्वक भरने के बाद, छात्रों को उन्हें अंतिम तिथि से पहले लॉक करना होगा। यदि कोई छात्र स्वयं अपने विकल्पों को लॉक नहीं करता है, तो सिस्टम द्वारा उन्हें स्वचालित रूप से लॉक कर दिया जाता है।

* **मॉक सीट आवंटन :** जोसा काउंसलिंग प्रक्रिया में मॉक सीट आवंटन के दो चरण होते हैं। यह छात्रों को एक अस्थायी विचार देता है कि उनकी रैंक और भरे गए विकल्पों के आधार पर उन्हें कौन सी सीट मिल सकती है। इससे छात्रों को अपने विकल्पों को संशोधित करने का अवसर मिलता है।

* **सीट आवंटन परिणाम :** जोसा कई राउंड में सीट आवंटन परिणाम जारी करेगा। प्रत्येक राउंड में, छात्रों को उनकी रैंक, भरी हुई पसंद और सीटों की उपलब्धता के आधार पर एक सीट आवंटित की जाती है।

* **सीट स्वीकृति और शुल्क भुगतान :** सीट आवंटित होने के बाद, छात्रों को एक निश्चित समय सीमा के भीतर अपनी सीट की पुष्टि करनी होती है। इसमें आवश्यक शुल्क का भुगतान और आवश्यक दस्तावेजों को ऑनलाइन अपलोड करना शामिल है।

* **दस्तावेज सत्यापन :** शुल्क भुगतान और दस्तावेज अपलोड करने के बाद, छात्रों को आवंटित संस्थान या नामित रिपोर्टिंग केंद्र पर शारीरिक सत्यापन के लिए उपस्थित होना होगा। इस दौरान सभी मूल दस्तावेजों का सत्यापन किया जाता है।

* **प्रवेश की पुष्टि :** दस्तावेज सत्यापन और सभी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद, छात्र का प्रवेश संबंधित संस्थान में सुनिश्चित हो जाता है।

भाग लेने वाले कॉलेज और सीटें

जोसा काउंसलिंग के माध्यम से देश के 110 से अधिक प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रवेश मिलता है, जिनमें शामिल हैं:

* **भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान :** भारत भर में कुल 23 कॉलेज हैं, जो इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विश्व स्तरीय शिक्षा प्रदान करते हैं। इनमें आइआइटी बॉम्बे, आइआइटी दिल्ली, आइआइटी मद्रास, आइआइटी कानपुर, आइआइटी खड़गपुर, आइआइटी रुड़की, आइआइटी गुवाहाटी, आइआइटी हैदराबाद, आइआइटी बीएचयू (वाराणसी), आइआइटी आईएसएम (धनबाद) आदि शामिल हैं।

इन संस्थानों में लगभग 17,740 सीटें उपलब्ध हैं।

* राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान : देशभर में 31 (और 1) हैं जो इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी में विविध कार्यक्रम प्रदान करते हैं। इनमें एनआईटी त्रिची, एनआईटी वारंगल, एनआईटी सूरतकल, एनआईटी इलाहाबाद, एनआईटी जयपुर, एनआईटी भोपाल आदि प्रमुख हैं। एनआईटी में कुल 24,229 सीटें हैं।

* भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान : ये संस्थान विशेष रूप से सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करते हैं। कुल 26 आइआइटी हैं जो लगभग 8,546 सीटें प्रदान करते हैं। इनमें इलाहाबाद, ग्वालियर, हैदराबाद, बेंगलुरु आदि शामिल हैं।

* अन्य सरकारी वित्त पोषित तकनीकी संस्थान : इनके अलावा, कई अन्य सरकारी वित्त पोषित तकनीकी संस्थान भी हैं जो काउंसलिंग के माध्यम से प्रवेश देते हैं। इनमें असम विश्वविद्यालय सिलचर, बीआईटी मेसरा (रांची), गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय हरिद्वार, भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान भदोही, राष्ट्रीय उन्नत विनिर्माण प्रौद्योगिकी संस्थान रांची आदि शामिल हैं। इन ऋ्रछ्र्रू में भी बड़ी संख्या में सीटें उपलब्ध हैं, जैसे बीआइटी में 1172 सीटें, रांची में 224 सीटें।

महत्वपूर्ण तिथियां (संभावित):

* **जोसा 2025 पंजीकरण/विकल्प भरना शुरू: 3 जून, 2025**

* **मॉक सीट आवंटन - 1 का प्रदर्शन: 9 जून, 2025**

* **मॉक सीट आवंटन - 2 का प्रदर्शन: 11 जून, 2025**

* **पंजीकरण और विकल्प भरने की अंतिम तिथि: 12 जून, 2025 (शाम 5 बजे)**

* **जोसा 2025 सीट आवंटन - राउंड 1: 14 जून, 2025**

छात्रों को सलाह दी जाती है कि वे नवीनतम जानकारी और सटीक तिथियों के लिए जोसा की आधिकारिक वेबसाइट पर नियमित रूप से विजिट करते रहें। यह काउंसलिंग प्रक्रिया इंजीनियरिंग के क्षेत्र में एक सफल करियर बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। सभी छात्रों को उनकी काउंसलिंग प्रक्रिया के लिए शुभकामनाएं!

(काउंसलर 98359-51941)

सरना कोड की मांग और इसकी आवश्यकता क्यों?

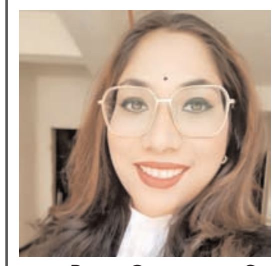

सोनाली भट्टाचार्य

सरना कौन हैं?

सरना शब्द का अर्थ है एक ऐसा व्यक्ति जो सरना धर्म का पालन करता है, जो कि एक आदिवासी धर्म है. यह धर्म प्रकृति की पूजा पर आधारित है, जहाँ लोग पृथ्वी, जल, जंगल और अन्य प्राकृतिक तत्वों की पूजा करते हैं. सरना धर्म को मानने वाले लोग सरना धर्म को अपना धर्म मानते हैं और उन्हें सरना कहा जाता है.

सरना धर्म के अनुयायी मुख्य रूप से झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, छत्तीसगढ़ और अन्य आसपास के क्षेत्रों में पाए जाते हैं. यह धर्म विभिन्न आदिवासी समुदायों जैसे कि मुंडा, हो, संथाल, उरांव, गोंड, भील आदि में प्रचलित है.

सरना धर्म को 'आदि धर्म' भी कहा जाता है. यह धर्म प्रकृति की पूजा पर आधारित है, जिसमें पेड़, पौधे, पहाड़, पानी, सूर्य, चंद्रमा, तारे आदि की पूजा की जाती है. सरना धर्म के अनुयायी प्रकृति को ईश्वर का रूप मानते हैं और उसे सम्मान देते हैं

सरना धर्म कोड क्या है?

आदिवासियों के लिए सरना धर्म कोड की मांग पिछले कई सालों से उठ रही है। सरना धर्म कोड की मांग का मतलब यह है कि भारत में होने वाली जनगणना के दौरान प्रत्येक व्यक्ति के लिए जो फॉर्म भरा जाता है, उसमें दूसरे सभी धर्मों की तरह आदिवासियों के धर्म का जिक्र करने के लिए अलग से एक कॉलम बनाया जाए। जिस तरह हिंदू, मुस्लिम, क्रिश्चयन, जैन, सिख और बौद्ध धर्म के लोग अपने धर्म का उल्लेख जनगणना के फॉर्म में करते हैं, उसी तरह आदिवासी भी अपने सरना धर्म का उल्लेख कर सकें।

: सरना धर्म कोड/आदिवासी धर्म कोड विधेयक के प्रस्ताव का उद्देश्य 2021 की जनगणना में सरना/आदिवासी धर्म को एक अलग धार्मिक पहचान के रूप में मान्यता दिलाना है। मालूम हो कि सरना धर्म के अनुयायी प्रकृति पूजक होते हैं और वे स्वयं को हिंदू धर्म का हिस्सा नहीं मानते

आदिवासी हिंदू क्यों नही?

– कोर्ट भी कई बार कह चुका है कि आदिवासी हिन्दू नहीं हैं। दूसरी तरफ आदिवासियों की जीवन शैली, उनके रस्मो-रिवाज, उनकी संस्कृति, उनका पर्व-त्योहार, पूजा-पाठ, पूजा की पद्धति, पूजा स्थल सबकुछ हिन्दुओं से अलग है। उदारहणता हिंदु धर्म मे मरने के उपरांत जलाने हो पारम्परा है सरनाओं मे कबर की प्रथा है उनमें दफनाया जाता है वों मुर्ति पूजा नही बल्कि प्राकृति पुजा करतें है

सरना कोड एक आवश्यक क्यों?

'सरना' के अनुयायी आमतौर पर प्रकृति पूजक होते हैं। वे दशकों से इसे एक अलग धर्म के रूप में मान्यता देने की मांग कर रहे हैं। वर्तमान में, जनगणना के तहत, केवल छह धर्मों के लिए कोड हैं: हिंदू धर्म, इस्लाम, ईसाई धर्म, सिख धर्म, बौद्ध धर्म और जैन धर्म। इन कॉलमों को भरते समय, एक आदिवासी निवासी को खुद को इनमें से एक या 'अन्य' के रूप में पहचानना होता है, लेकिन वह अपने धर्म को अलग धर्म के रूप में निर्दिष्ट नहीं कर सकता है।

हर धर्म चाहता है खुद को संग्रक्षित करना आगे बढ़ाना और सुरक्षित करना सरना कोड बना कर आदिवासी जनसंखियाँ भी खुद को सुरक्षित करना चाहता है

1871-1951 के दौरान जनगणना सर्वेक्षणों में आदिवासी आबादी के लिए एक अलग श्रेणी थी। लेकिन बाद में इसे हटा दिया गया। स्वतंत्र भारत में, आदिवासी पहचान संवैधानिक प्रावधानों के बारे में रही है जो उनके अधिकारों की रक्षा करने का वादा करते हैं और केंद्रीय कानून उनकी भूमि की रक्षा करने का वादा करते हैं। हालाँकि प्रशासनिक और सामाजिक श्रेणी - अनुसूचित जनजाति - के रूप में मान्यता प्राप्त है, लेकिन इन समुदायों को कभी भी एक अलग धार्मिक समूह के रूप में मान्यता नहीं दी गई है।

2011 की जनगणना के लिए राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग ने इस कोड को जोड़ने की सिफारिश की थी। सितंबर में सर्वेक्षण की तैयारियां शुरू होने के साथ ही झारखंड में अलग धर्म कोड की मांग जोर पकड़ने लगी।

अभी तक केंद्र सरकार इस पर सहमत नहीं हुई है। लेकिन प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि सरना धर्म प्रदूषण और पर्यावरण क्षरण जैसी समस्याओं से जूझ रही दुनिया को बहुत कुछ सिखा सकता है, क्योंकि यह प्रकृति, जंगल और पहाड़ों की पूजा से जुड़ा है।

इस प्रस्ताव ने इस बहस को फिर से शुरू कर दिया है कि क्या आदिवासी धर्म एक अलग पारिस्थितिक जीवन शैली है या सिर्फ. एक विश्वास प्रणाली है। अक्सर यह तर्क दिया जाता है कि आदिवासी धार्मिक विश्वास उनके अस्तित्व की एक पारिस्थितिक अभिव्यक्ति है जो प्रकृति के साथ एक अंतरंग संबंध बनाए रखता है।

(एडवोकेट, झारखंड हाई कोर्ट रांची)

स्पीड न्यूज

टाटा स्टील इंटर जेडीसी कैरम पुरुष एवं महिला टूर्नामेंट 2025 संपन्न

जमशेदपुर। कौशल, रणनीति और खेल भावना का जश्न इंटर जेडीसी कैरम पुरुष एवं महिला टूर्नामेंट 2025 का समापन आज जेएफसी मीडिया रूम, जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में हुआ। इस कार्यक्रम में विभिन्न विभागों की उत्साही भागीदारी देखने को मिली, जहां प्रतिभागियों ने अपनी कैरम कौशल का प्रदर्शन किया और शीर्ष स्थानों के लिए प्रतिस्पर्धा की।

पुरुष वर्ग के विजेता : ब्लास्ट फर्नेस : चैंपियंस, एच.एस.एम : उपविजेता, स्पेयर्स मैन्युफैक्चरिंग : द्वितीय उपविजेता, **महिला वर्ग की विजेता टीमें :** सिक्योरिटी : चैंपियंस, एल.डी.3 : उपविजेता, सप्लाई चेन : द्वितीय उपविजेता, पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि टाटा स्टील के चीफ स्पोर्ट्स मुकुल विनायक चौधरी रहे। इस अवसर पर विभूति अडेसरा, हेड स्पोर्ट्स, टाटा स्टील तथा टाटा वर्कर्स यूनियन के उपाध्यक्ष एवं स्पोर्ट्स एडवाइजरी कमेटी के चेयरमैन संजय सिंह उपस्थित थे।

नये एसएसपी ने किया सीसीआर का निरीक्षण

जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम जिले के नव पदस्थापित वरीय पुलिस अधीक्षक पीयूष पांडेय ने गुरुवार को पुलिस अधीक्षक नगर कुमार शिवाशीष के साथ साकची स्थित कंपोजिट कंट्रोल रूम, डायल 100, डायल 112 का निरीक्षण किया। इस दौरान विभिन्न बिंदुओं पर विचार विमर्श करते हुए पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया।

गुरमीत सिंह ने यूनियन के नये अध्यक्ष शशि का किया जोरदार स्वागत

जमशेदपुर। टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन के पूर्व अध्यक्ष गुरमीत सिंह ने आज यूनियन के नये अध्यक्ष शशिभूषण प्रसाद का अभिनंदन किया। कहा कि मैं यूनियन के तमाम कमेटी मेंबर, पदाधिकारियों समेत मजदूर भाईयों का स्नेह और प्यार पाकर बहुत खुश हूं। विदाई के दौरान प्रबंधन, यूनियन और मजदूरों ने जो स्नेह और प्यार दिया उसे शब्दों में बयां नहीं कर सकता हूं। मेरी ओर से नये अध्यक्ष शशि भूषण प्रसाद, आरके सिंह समेत तमाम लोगों को ढेरों शुभकामनाएं।

राधेश्याम अग्रवाल की 10वीं पुण्य तिथि पर हुई राहगीरों की सेवा

जमशेदपुर। कुम्हारपाड़ा,बाराद्वारी में आज स्व. राधेश्याम अग्रवाल की 10 वीं पुण्य तिथि के अवसर पर उनके पुत्र मुरारी लाल अग्रवाल व अन्य परिजनों ने राहगीरों के बीच छाछ, मशाला चना और जल जीता का वितरण किया। इसके पूर्व सेवा शिविर का उद्घाटन स्व. राधेश्याम अग्रवाल की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गयी। मौके पर उनकी पत्नी पिस्ता देवी, बेटे मुरारीलाल अग्रवाल, नरेश अग्रवाल, राजकुमार अग्रवाल, सुमित, नवीन, मनीष, निखिल, नितेश और वेदांत के अलावा समाजसेवी ओमप्रकाश रिंगसिया, मुकेश मित्तल, पवन अग्रवाल, दीपक पारिक, बजरंग लाल, राम अवतार पटवारी, प्रदीप मित्तल, पवन, विजय शर्मा, अनिल प्रसाद, राजेश, अनिल सिंह, बहादुर सिंह, राजकिशोर मोदी आदि थे।

नये एसएसपी से मिला चैंबर का प्रतिनिधिमंडल

जमशेदपुर। सिंहभूम चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, के एक प्रतिनिधिमंडल ने निवर्तमान एसएसपी किशोर कौशल (भापुसे) से उनके कार्यालय में मुलाकात की। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल ने उनके कार्यकाल के दौरान शहर में कानून और व्यवस्था बनाये रखने में उनके योगदान की सराहना की।

एकेडमी और इंडस्ट्री के बीच गैप को दूर करना वक्त की मांग : सी. लक्ष्मी

- एक्सेंचर की सीनियर एमडी सी. लक्ष्मी समेत देश के अग्रणी कॉर्पोरेट हस्तियों और शिक्षाविदों ने साझा किये अनुभव और विजन
- एक्सएलआरआई जमशेदपुर द्वारा बेंगलुरु में आयोजित कॉर्पोरेट कॉन्क्लेवः भविष्य के कार्य, कौशल और नेतृत्व पर हुआ गहन विमर्श

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। देश के प्रतिष्ठित प्रबंधन संस्थान एक्सएलआरआई झ्र जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, जमशेदपुर द्वारा बेंगलुरु स्थित ताज एमजी रोड में आयोजित कॉर्पोरेट सम्मेलन रेंडेवस विद एक्सएलआरआई-2025 का आयोजन किया गया जिसमें उद्योग और शिक्षा जगत के दिग्गजों ने एक मंच पर आकर ह्लभविष्य के कार्य, कौशल और नेतृत्वह्व पर विचार साझा किया।

मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में एक्सेंचर की सीनियर मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीएचआरओ सी. लक्ष्मी उद्घाटन सत्र के दौरान उपस्थित थीं। उन्होंने उद्घाटन भाषण में कहा कि,आज जिस गति से तकनीकी नवाचार कार्यस्थल को परिवर्तित कर रहे हैं, उसमें कंपनियों और शैक्षणिक संस्थानों की जिम्मेदारी साझा हो गई है। स्किल डेवलपमेंट, लीडरशिप ट्रेनिंग और ह्यूमन वैल्यूज अब केवल एचआर का विषय नहीं, बल्कि रणनीतिक प्राथमिकता है। तकनीक के तीव्र विस्तार के बीच आज की आवश्यकता है कि हम प्रतिभा विकास के मॉडलों को फिर से परिभाषित करें।

सी. लक्ष्मी का कंक्लेव में स्वागत करते एक्सएलआरआई के प्रो. कनकराज और कारपोरेट कंक्लेव में अपने विचार व्यक्त करते हुए विशेषज्ञ।

एक्सएलआरआई जैसे संस्थान इस बदलाव के अग्रदूत हैं। ऐसे संस्थान न केवल भविष्य के लीडर्स तैयार करते हैं, बल्कि उन्हें मूल्य और समाज की जिम्मेदारी से जोड़ते हैं।

कंक्लेव के उद्घाटन के पश्चात पैनल चर्चा हुई जिसका विषय था :भारतीय परिप्रेक्ष्य में भविष्य का कार्य, कौशल और प्रतिभा। चर्चा में शामिल विशेषज्ञ थेः प्रीथा राधाकृष्णन (पार्टनर, डेलॉइट), प्रतीक रॉय चौधरी (वरिष्ठ एचआर लीडर), अजय कुमार (संस्थापक, थाउसेंट्रिक) व रंजीता घोष (ग्लोबल सीएमओ, विप्रो)।

चर्चा के दौरान जेन जेड की कार्यशैली, डिजिटल स्किल्स, और वर्चुअल-हाइब्रिड नेतृत्व की नई चुनौतियों पर रोशनी डाली गई। उन्होंने युवा पीढ़ी की कार्यशैली, स्किल्स में बदलाव, और लीडरशिप की नई परिभाषा पर विचार साझा किए।

कार्यक्रम का नेतृत्व कर रहे प्रोफेसर कनकराज ए. ने एक्सएलआरआई के प्रमुख पाठ्यक्रमों पीजीडीएम (बीएम), पीजीडीएम (एचआरएम) जीएमपी, एफपीएम, इएफपीएम आदि की जानकारी दी और इंडस्ट्री सहयोग की विभिन्न पहल जैसे एक्सप्लोर सीएक्सओ प्लेटफॉर्म, कॉर्पोरेट लेक्चर सीरीज, एडवाइजरी काउंसिल आदि पर प्रकाश डाला। इस दौरान कॉर्पोरेट रिलेशंस एवं प्लेसमेंट की वाइस प्रेसिडेंट एवं प्रमुख रजनी रंजन ने कार्यक्रम के आयोजन की जिम्मेदारी बखूबी निभाई और इसे सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

एक्सएलआरआई के प्रोफेसर गिरीधर रामचंद्रन और प्रोफेसर सुनील सारंगी की मौजूदगी ने कार्यक्रम को और समृद्ध किया। कार्यक्रम का समापन में 60 से अधिक कंपनियों के 100 से ज्यादा वरिष्ठ प्रतिनिधियों और एक्सएलआरआई के पूर्व छात्रों ने भाग लिया।

यह आयोजन एक्सएलआरआई के उद्योग-शिक्षा साझेदारी की प्रतिबद्धता, नेतृत्व निर्माण की सोच और उत्कृष्टता आधारित शिक्षा की स्पष्ट मिसाल पेश करता है।

बिल्डर से रंगदारी मांगने के मामले में पार्षद करण सिंह समेत दो गिरफ्तार

- विधायक सरयू राय विरोध करते रह गये और करण को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया

खबर मन्त्र ब्यूरो

पार्षद करण सिंह को जेल भेजती पुलिस, करण सिंह और हरप्रीत सिंह की फाइल फोटो और पार्षद की गिरफ्तारी का विरोध करने पहुंचे जिप उपाध्यक्ष पंकज सिन्हा व पार्षद।

जमशेदपुर। कदमा के एक बिल्डर से उसके साइट पर रंगदारी मांगने और नहीं देने पर मारपीट करने के आरोपी पार्षद सह भाजपा नेता करण सिंह और उसके सहयोगी सह भाजपा नेता हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी को जमशेदपुर पुलिस ने आज जेल भेज दिया। यद्यपि तेज तर्रार विधायक सरयू राय ने करण सिंह को बचाने के लिए जोरदार पैरवी की किन्तु बकौल ग्रामीण एसपी ऋषभ गर्ग बिल्डर के द्वारा दर्ज करायी गयी शिकायत पर जांच करने पर रंगदारी मांगने के आरोप को सही पाया गया और नामजद अभियुक्तों को जेल भेज दिया गया।

यह मामला घाटशिला के दाहीगोड़ा हनुमान मंदिर के पास का है। घाटशिला थाने में रंगदारी का मामला दर्ज कराया गया था। इसके बाद पुलिस ने जांच में मामले को सही पाया और जिला परिषद को गिरफ्तार कर लिया। इस मामले में पीड़ित बिल्डर रौशन लाल गुप्ता कदमा विजया हैरिटेज 6 फेज के रहने वाले हैं। उन्होंने थाने में मामला दर्ज कराया था वे निर्माण कार्य करवा रहे थे। इस बीच जिला पार्षद की ओर से रंगदारी की मांग की गई। रकम नहीं देने पर 28 मई की सुबह 10.30 बजे मऊभंडार के दाहीगोड़ा हनुमान मंदिर के पास उनके साथ मारपीट की गई जिससे बिल्डर जख्मी हो गए।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने छापेमारी कर दाहीगोड़ा चौक का हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी और घाटशिला के जिला परिषद करण सिंह उर्फ टिंकू सिंह को गिरफ्तार कर लिया। घटना के दो अन्य आरोपी पुलिस की गिरफ्त से अब भी बाहर हैं।

घाटशिला के जिला परिषद सदस्य कर्ण सिंह को पुलिस ने बुधवार देर रात मऊभंडार से गिरफ्तार कर लिया। उनके साथ भाजपा नेता हरप्रीत सिंह को भी गिरफ्तार किया गया। गुरुवार को तमाम विरोध के बावजूद दोनों को जेल भेज दिया गया' रौशन लाल गुप्ता के लिखित शिकायत पर मऊभंडार टीओपी पुलिस ने जिला परिषद कर्ण सिंह , हरप्रीत सिंह पर रंगदारी, मारपीट, धमकी समेत विभिन्न धाराओं में गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में थाना में कांड संख्या 37/25 दिनांक 28/5/ 2025 धारा 308(5), 126(2), 115(2), 303(2), 352/351(2)/ 111(2) बी/3 (5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया है।

करण सिंह की गिरफ्तारी की सूचना मिलने पर भाजपा ने तो कोई प्रतिक्रिया नहीं दी किन्तु इसकी जानकारी मिलते ही देर रात विधायक सरयू राय घाटशिला आकर पुलिस की एक तरफा कार्रवाई की निंदा की।

महिलाओं ने निकली कलश यात्रा

ओरमांझी कलश यात्रा में शामिल अतिथि व महिलाएं।

खबर मन्त्र संवाददाता

महाचंडी महायज्ञ

ओरमांझी। प्रखंड क्षेत्र के मंदरो हेंदेबिल्ली में 29 से 31 मई तक आयोजित महाचंडी यज्ञ को लेकर गुरूवार को आसपास गांव की 201 महिलाओं द्वारा कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा मंदिर परिसर से ग्राम भ्रमण करते हुए जलाया गई। वहां से विधिवत कलश में जलभर कर वापस यज्ञ स्थल पहुंचे। इस दौरान बाजे-गाजे व हनुमान पताका लिए लोग जयकारा लगा रहे थें। कलश यात्रा में शामिल मुख्य अतिथि पूर्व सांसद रामटहल चौधरी ने आयोजन समिति व कलश यात्रा में शामिल होने वाले सभी को बधाई दी, कहा धार्मिक आयोजन व खासकर कलश यात्रा में महिलाओं की उपस्थित आयोजन को सफल बनाती है। कार्यक्रम में मुखिया दशमी मिंज, उपमुखिया मनेश महतो, मुख्य पुजारी, फलिंदर पाहन, चंदर पाहन, मनेश्वर पाहन, सहींद्र पाहन, अध्यक्ष विनोद प्रजापति, सचिव बुधाराम मुंडा, कोषाध्यक्ष महेश महतो, उपाध्यक्ष नरेश मुंडा, सीताराम प्रजापति, तुलेश्वर महतो, रोहित प्रजापति, कृष्णा प्रजापति, महेंद्र महतो, नारायण महतो, मोहन महतो, कामेशवर महतो, मुकेश महतो, संदीप कुमार प्रजापति, मनोज महतो, धनेश्वर महतो, जेठा नरेंद्र मुंड, विकास सिंह भोगता, पैनभोरा बंधन गंझु व सरयू गंझु सहित काफी संख्या में महिलाएं व ग्रामीण उपस्थित थें।

धनबाद में एटीएस अवैध मिनी आर्मस फैक्ट्री का किया उद्भेदन

मुंगेर के चार अपराधी, पनाह देने वाला व्यक्ति गिरफ्तार

कतरास (खबर मन्त्र संवाददाता)। एटीएस रांची तथा पश्चिम बंगाल के कोलकाता एसटीएस की संयुक्त टीम ने स्थानीय पुलिस के सहयोग से महुदा के सिंगड़ा बस्ती निवासी मुर्शीद अंसारी (45) के घर पर छापामारी की। तालाशी के दौरान मुर्शीद के घर के पास स्थित उन्हीं के ईंट एवं एस्बेस्टस से निर्मित एक कमरा में संचालित मिनी गन फैक्ट्री का खुलासा किया। एसडीपीओ पुरुषोत्तम कुमार सिंह ने बताया कि कमरा में अवैध रूप से मिनी गन फैक्ट्री स्थापित कर पिस्तौल का निर्माण किया जा रहा था। इस कार्य में पांच लोग लगे हुए थे। पूछताछ के दौरान पांचों व्यक्तियों के द्वारा बताया गया कि ये लोग अवैध रूप से देसी पिस्तौल बनाकर अलग-अलग अपराधकर्मियों एवं गिरोहों को उपलब्ध कराते थे। एसडीपीओ ने कहा कि मिनी गन फैक्ट्री से बरामद सभी समानों को जप्त कर पांचों व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने कहा कि गिरफ्तार लोगों के खिलाफ सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर अदालत में प्रस्तुत किया गया, जहां से अदालत ने सभी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। गिरफ्तार व्यक्तियों में मुर्शीद अंसारी, मोहम्मद सब्बीर अंसारी, मोहम्मद मुस्तफा उर्फ मुस्सु, मोहम्मदं परवेज उर्फ रिंकु, मोहम्मद मिस्टर, समी मुंगेर के निवासी है।

करण सिंह को खुन्नस में, जबरिया अरेस्ट कर जेल भेजा गया: सरयू राय

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय ने कहा है कि घाटशिला के जिला परिषद सदस्य करन सिंह को जबरन जेल भेजा गया है। यह लोकतंत्र की हत्या के समान है। यहां जारी एक बयान में सरयू राय ने कहा कि करन सिंह के खिलाफ मारपीट और रंगदारी मांगने की शिकायत दर्ज कराने वाले सज्जन गुरुवार की सुबह उनके पास आए और कहा कि करन उनके परिचित हैं। उनसे गलतफहमी हो गयी थी। वह

विधायक सरयू राय।

शिकायत को वापस लेना चाहते हैं।

श्री राय के अनुसार, शिकायत वापस लेने के लिए जब शिकायतकर्ता घाटशिला थाना पहुंचे तो वहां के थानेदार ने एक सिपाही लगा कर शिकायतकर्ता को बाहर भिजवाकर मोबाइल बंद करवा दिया। अब शिकायतकर्ता के परिवार वाले श्री राय को दोपहर से ही फोन पर फोन किये जा रहे हैं और पूछ रहे हैं कि वो कहां हैं?

श्री राय ने कहा कि इस पूरे मामले में पुलिस का रवैया निहायत ही गैरजिम्मेदाराना है। इस मामले में उन्होंने एक बार से अधिक सीनियर एसपी और ग्रामीण एसपी से बात की, उन्हें सारी बातों से अवगत कराया कि शिकायतकर्ता अपनी शिकायत वापस लेने को तैयार है।

जशपुरिया बीएड कॉलेज में महिला सशक्तिकरण पर दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन

खबर मन्त्र संवाददाता

अनगड़ा। जशपुरिया बीएड कॉलेज बीसा में महिला सशक्तिकरण और प्रौद्योगिकी परिवर्तन के लिए नवाचार का उपयोग विषय पर दो दिवसीय संगोष्ठी का शुभारंभ गुरुवार को हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन जशपुरिया ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन जैलेन्द्र कुमार दीप प्रज्वलित कर किया। मौके पर चेयर मेन जैलेन्द्र कुमार ने कहा कि नवाचार आधारित तकनीकी शिक्षा ही महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और समाज को प्रगतिशील बनाने का माध्यम है। प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार मिश्रा ने संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा जब महिलाएं तकनीकी शिक्षा से जुड़ेंगी तभी उनका सशक्तिकरण वास्तविक रूप में संभव होगा। संगोष्ठी के प्रथम दिन तकनीकी सत्र आयोजित किए गए जिनमें डिजिटल साक्षरता, स्टीम क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ई-गवर्नेंस जैसे विषयों पर गहन चर्चा हुई।

इस दौरान दो सहायक प्राचार्यों सहि बीएड सत्र 2024-26 के 12 प्रशिक्षुओं ने अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का सफल संचालन सहायक प्राध्यापक प्रवीण सिंह कुशवाहा के निर्देशन में हुआ। संगोष्ठी की संयोजिका थीं सहायक प्राध्यापक रीमा उपासना कच्छप, सह-संयोजिका सहायक प्राध्यापक विभा कुमारी एवं सहायक प्राध्यापक प्रभा हेनरी। आरएंडडी समन्वयक के रूप में प्रवीण सिंह कुशवाहा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

दक्षिण पूर्व रेलवे का सदस्य बनाये जाने का मामला

आदिवासी छात्र संघ की आवाज रह चुके हैं बिमल

- ईमानदार छवि के हैं मालिक
- सामाजिक कार्यों में है रुचि

इन्होंने दी है बधाई

संघ के प्रखंड अध्यक्ष रोशन तिग्गा, संयोजक दिलिप उरांव, कार्यकारी अध्यक्ष अनिल उरांव, उपाध्यक्ष अजीत खलखो व रोहित खलखो, सचिव अमित तिग्गा, कोषाध्यक्ष अनुज तिर्की, पूर्व प्रखंड अध्यक्ष रमेश मुंडा, जिला संयोजक अरविंद टोप्पो, जिला प्रवक्ता मंगल उरांव तथा सुरेंद्र उरांव उर्फ बाबू आदि।

खबर मन्त्र संवाददाता

रातू। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की ओर से भाजपा नेता और राज्य सभा सांसद दीपक प्रकाश के प्रतिनिधि बिमल उरांव को दक्षिण पूर्व रेलवे का सदस्य बनाये जाने पर समाज के लोगों ने खुशी का इजहार किया है। बधाई देने वालों का तांता लगा है। गांवों में मिठाइयां बांटी जा रही है। एसीएस के प्रवक्ता सुमित उरांव ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि श्री उरांव लंबे समय तक संघ के बतौर सचिव बेहत्तर सेवा और छात्र आंदोलन में सक्रिय रहकर आदिवासी छात्रों की आवाज रह चुके हैं। श्री उरांव की ईमानदार छवि का हर कोई कायल है। सामाजिक कार्यों में अभिरुचि देखते ही बनती है। दीन-दुःखियों की सेवा उनकी दिनचर्या है। श्री उरांव ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि बिमल उरांव समाज व क्षेत्र के विकास में अग्रणी भूमिका निभाएंगे। उन्होंने श्री वैष्णव व प्रकाश के प्रति आभार भी जताया है।

मारवाड़ी समाज ने साकची बाजार शिव मंदिर के सामने 300 लोगों के बीच बांटा भोजन

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। गुरुवार को मारवाड़ी समाज द्वारा समाजसेवी स्वर्गीय विनोद कुमार अग्रवाल के जन्मदिवस पर उनकी याद में साकची बाजार श्री शिवमंदिर के सामने आम लोगों के बीच प्रसाद (भोजन हलवा, पुलाव, पुड़ी, सब्जी, शीतल जल) का वितरण किया गया। इसका आयोजन स्वर्गीय विनोद अग्रवाल के पुत्र लालचंद एवं बबलू अग्रवाल द्वारा किया गया था। जिसमें तीन हजार से अधिक लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। इसे सफल बनाने में समाज की महिलाएं क्रमशः निशा सिंघल, अनिता अग्रवाल, अनिता केडिया, राखी अग्रवाल, मनीषा अग्रवाल, केसर छावछरिया आदि का भी योगदान रहा।

सामर्थ्य वेलफेयर ट्रस्ट ने रामजनम नगर में चलाया पोषण सामग्री वितरण अभियान

जमशेदपुर। सामर्थ्य वेलफेयर ट्रस्ट ने पोषण अभियान के अंतर्गत कदमा के रामजन्म नगर में 2 से 14 वर्ष तक के बच्चों के बीच पोषण सामग्री बांटी। अध्यक्ष पल्लवी दीप ने कहा कि हमारी टीम बच्चों के बीच में फूड अभियान चला रही है इसके तहत हम छोटे बच्चों के लिए आंगनवाड़ी, बस्ती, सरकारी स्कूलो में जाकर पौष्टिक भोजन एवं जंक फूड की पहचान एवं इसके अंतर को बतला रहे हैं। हमारा उद्देश्य पोषण के स्तर को सुधारना तथा इसके महत्व के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ हेल्दी खानपान की आदत को बचपन से ही विकसित करना एवं उन्हें प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रम को सफल बनाने में अध्यक्ष पल्लवी दीप, अनीता, हेमा, रिद्धि, रजत कुमार, अजय चौबे इत्यादि की भूमिका सराहनीय रही।

विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस पर निश्चय फाउंडेशन ने किया पीरियड एंड साइंस जनअभियान का शुभारंभ

- अभियान से पीरियड शिक्षा के साथ विज्ञान शिक्षा में ग्रामीण इलाके व सुविधावंचित समुदायों के बच्चों की भागीदारी बढ़ाने का प्रयास
- झारखंड-ओडिशा सीमा के समीप पांड्राशाली स्थित कल्पना चावला साइंस क्लब में पीरियड एंड साइंस विषय पर सेमिनार आयोजित

खबर मन्त्र ब्यूरो

पीरियड एंड साइंस जन अभियान लांच करते निश्चय फाउंडेशन के संस्थापक तरुण कुमार व समाजसेवी।

चाईबासा / जमशेदपुर। सुदूर ग्रामीण इलाके में निवास करने वाले बच्चे गुणवतापूर्ण शिक्षा के अभाव में विज्ञान की शिक्षा के प्रति रुचि जागृत नहीं कर पाते। वही समाज में व्याप्त रूढ़िवादी विचारधारा व अंधविश्वास को दूर भगाने के लिए देश के भविष्य बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकसित किया जाना भी जरूरी है। सामाजिक संस्था निश्चय फाउंडेशन ने शिक्षा, माहवारी स्वच्छता, किशोरी महिला स्वास्थ्य जागरूकता अभियान, एक पैड, एक पेड़ अभियान, पीरियड पुस्तकालय, बालक बालिका समानता पर आधारित मिक्स जेंडर क्रिकेट इत्यादि कई अभियानों के माध्यम से पिछले 8 साल में कम से कम 1 लाख किशोरियों व महिलाओं को पीरियड के विज्ञान के प्रति जागरूक कर पीरियड से जुड़े शर्म झिझक, कई रूढ़िवादी धारणाओं व सामाजिक भ्रांतियों कुरीतियों से निजात दिलवाने का प्रयास किया है। अभियान के माध्यम से समाज में माहवारी व महिलाओं के प्रति व्याप्त कई रूढ़िवादी सोच के प्रति भी समुदाय में बेहतर समझ बनी है। विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस पर निश्चय फाउंडेशन ने अपने 8वें वर्षगांठ के मौके पर पीरियड एंड साइंस जनअभियान का शुभारंभ झारखंड ओडिशा सीमा के समीप पांड्राशाली गांव स्थित कल्पना चावला साइंस क्लब में पीरियड एंड साइंस कार्यशाला की। कार्यक्रम में मंझारी स्थित कल्पना चावला साइंस क्लब, पांड्राशाली के संस्थापक प्रधान बिरुवा, झारखंड के पैडमैन सामाजिक संस्था निश्चय फाउंडेशन के संस्थापक तरुण कुमार, ट्राइबल पैडमैन बैद्यनाथ हांसदा आदि उपस्थित थे।

आरोहण सोशल इनोवेशन अवार्ड की घोषणा इनोवेटर्स को मिलेगा दो करोड़ रुपये इनाम

जमशेदपुर। देशभर में समाज को बेहतर बनाने वाले इनोवेटर्स के लिए अच्छी खबर है। इन्फोसिस फाउंडेशन ने अपने आरोहण सोशल इनोवेशन अवार्ड 2025 के चौथे संस्करण की घोषणा कर दी है। इस बार कुल 2 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि दी जायेगी। हर विजेता को 50 लाख रुपये तक का इनाम मिलेगा। इस अवार्ड का उद्देश्य ऐसे लोगों, टीमों, एनजीओ और सामाजिक उद्यमियों को पहचानना है, जो टेक्नोलॉजी आधारित समाधान के जरिए देश के वंचित समुदायों के जीवन में बदलाव ला रहे हैं। पुरस्कार तीन प्रमुख श्रेणियों में दिये जायेंगे— शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और पर्यावरण संरक्षण। आवेदन की प्रक्रिया 24 अप्रैल 2025 से शुरू हो चुकी है और 15 जून 2025 तक चलेगी।

आरसीबी फाइनल में पहुंची, पंजाब किंग्स को आठ विकेट से हराया, फिल सॉल्ट का अर्धशतक

कोहली की बेंगलुरु 9 साल बाद फाइनल में, पंजाब ने टेके घुटने

पंजाब 101/10 (14.1 ओवर)

खिलाड़ी	रन	गेंद	चौका	छक्का
प्रियांश कै. क्रुणाल बो. दयाल	07	05	01	00
प्रभसिमरन कै. शर्मा बो. कुमार	18	10	02	01
इंगलिस कै. कुमार बो. हेजलवुड	04	07	00	00
श्रेयस कै. शर्मा बो. हेजलवुड	02	03	00	00
नेहाल वधेरा बो. दयाल	08	10	01	00
स्टोइनिस बो. सुयश शर्मा	26	17	02	02
शशांक सिंह बो. सुयश शर्मा	03	05	00	00
मुशीर एलबीडब्ल्यू सुयश शर्मा	00	03	00	00
ओमरजाई कै. शर्मा बो. हेजलवुड	18	12	01	01
हरप्रीत ब्रार बो. शेफर्ड	04	11	00	00
काइल जेमीसन नाबाद	00	03	00	00

अतिरिक्त : 11

विकेट पतन : 1-9, 2-27, 3-30, 4-38, 5-50, 6-60, 7-60, 8-78, 9-97, 10-101.

गेंदबाज : भुवनेश्वर कुमार : 2-0-17-1, यश दयाल : 4-0-26-2, जोश हेजलवुड : 3.1-0-21-3, सुयश शर्मा : 3-0-17-3, क्रुणाल पंड्या : 1-0-10-0, रोमारियो शेफर्ड : 1-0-5-1.

बेंगलुरु 106/2 (10 ओवर)

खिलाड़ी	रन	गेंद	चौका	छक्का
फिलिप साल्ट नाबाद	56	27	06	03
कोहली कै. इंगलिस बो. जेमीसन	12	12	02	00
अग्रवाल कै. अय्यर बो. मुशीर	19	13	02	01
रजत पाटीदार नाबाद	15	08	01	01

अतिरिक्त : 04

विकेट पतन : 1-30, 2-84.

गेंदबाज : अर्शदीप सिंह : 2-0-20-0, काइल जेमीसन : 3-1-27-1, अजमतुल्लाह ओमरजाई : 1-0-10-0, हरप्रीत ब्रार : 2-0-18-0, मुशीर खान : 2-0-27-1.

एजेंसी

मुल्लांपुर। इंडियन प्रीमियर लीग के 2025 सीजन को पहली फाइनलिस्ट टीम मिल गई है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने क्वालिफायर-1 में पंजाब किंग्स को बेहद आसान मुकाबले में रौंदते हुए फाइनल में एंट्री मार ली है। उसने पहले कातिलाना गेंदबाजी करते हुए पंजाब किंग्स को सिर्फ 14.1 ओवरों में 101 रनों पर समेटा तो इसके बाद विराट कोहली का विकेट जल्दी गिरने के बावजूद धमाकेदार अंदाज में सिर्फ 10 ओवरों में लक्ष्य हासिल कर लिया। आरसीबी के गेंदबाजों के आगे श्रेयस अय्यर के धाकड़ सूरमाओं ने घुटने टेक दिए। दूसरी ओर, फिल साल्ट ने 27 गेंदों में 6 चौके और 3 छक्के उड़ाते हुए नाबाद 56 रनों की पारी खेली। इस तरह 2016 के बाद विराट कोहली की टीम पहली बार फाइनल में पहुंचने में कामयाब रही है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान रजत पाटीदार ने मैच में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। उन्हें पता था कि उनके पास जोश हेजलवुड और भुवनेश्वर कुमार हैं तो यह अच्छा फैसला हो सकता है और सही भी साबित हुआ। पंजाब किंग्स के लिए मैच विनर साबित रहे प्रियांश आर्य, प्रभसिमरन सिंह, जोश इंग्लिस, नेहल वढेरा के अलावा कप्तान श्रेयस अय्यर भी आते गए और अपना विकेट गिफ्ट करते गए। पंजाब के 8 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सके। प्रभसिमरन सिंह के 18 रनों के अलावा मार्कस स्टोइनिस ने 26 और अजमतुल्ला ने 18 रनों की पारी खेली। यही तीन बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा छू सके। जोश हेजलवुड (21/3), भुवनेश्वर कुमार (17/1) और यश दियाल (21/3) ने शुरूआत में पंजाब के होश उड़ाए तो आखिरी में सुयश शर्मा ने 3 विकेट लेकर पंजाब की हालत पतली कर दी। लक्ष्य छोटा था तो माना जा रहा था कि विराट कोहली की टीम तेजी से रन बनाने की कोशिश करेगी। ऐसा हुआ भी। फिल साल्ट ने एक रन से खाता खोला तो विराट कोहली ने अर्शदीप सिंह को दो चौके ठोक दिए। हालांकि, वह 6.8 फीट लंबे कद के काइल जैमीसन की गेंद पर जोश इंग्लिस के हाथों लपके गए। इसके बाद मयंक अग्रवाल भी 13 गेंदों में 19 रन बनाकर लौट गए। हालांकि, फिल साल्ट ने कमाल की बैटिंग की और कप्तान रजत पाटीदार के साथ मिलकर टीम को 10 ओवरों में ही जीत दिला दी। रजत पाटीदार 15 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि 8 गेंदों में एक चौका और एक छक्का लगाया।

चौथी बार फाइनल में आरसीबी

आरसीबी ने इसके साथ ही आइपीएल के फाइनल में पहुंचने का अपना नौ साल का सूखा समाप्त कर दिया है। आरसीबी आखिरी बार 2016 में खिताबी मुकाबले में पहुंची थी और तब से वह खिताबी मुकाबले में प्रवेश करने के लिए संघर्ष कर रही थी। पिछले सीजन आरसीबी का सफर एलिमिनेटर में ही समाप्त हो गया था, लेकिन इस बार टीम के पास खिताब जीतने का सुनहरा मौका है। आरसीबी ने 2009, 2011, 2016 में भी फाइनल में जगह बनाई थी, लेकिन तब टीम को हार का सामना करना पड़ा था।

आरसीबी के गेंदबाजों ने मचाया गेंद से धमाल

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए सबसे ज्यादा विकेट सुयश शर्मा और जोश हेजलवुड ने हासिल किये। सुयश ने 3 ओवर में 17 रन देकर 3 विकेट अपने नाम किए तो वहीं हेजलवुड ने 3.1 ओवर में 21 रन देकर 3 विकेट चटकाये। आरसीबी के लिए यश दयाल ने 2 विकेट चटकाए. भुवनेश्वर कुमार और रोमारियो शेफर्ड ने 1-1 विकेट अपने नाम किया।

पंजाब के पास एक और मौका

आरसीबी की टीम अब अपना पहला खिताब जीतने से एक कदम दूर है। पंजाब की टीम के पास हार के बावजूद खिताबी मुकाबले में प्रवेश करने के लिए एक मौका है। ग्रुप चरण में शीर्ष पर रहने के कारण पंजाब को एक अतिरिक्त मौका मिलेगा। पंजाब का सामना क्वालिफायर-2 में रविवार को गुजरात टाइटंस और मुंबई इंडियंस के बीच शुक्रवार को होने वाले एलिमिनेटर की विजेता टीम से होगा। अगर पंजाब वो मुकाबला जीतने में सफल रही तो फाइनल में पहुंच जाएगी जहां उसका सामना तीन जून को अहमदाबाद में आरसीबी से होगा।

पंजाब ने बनाया अपना चौथा न्यूनतम स्कोर

पंजाब की टीम इसके साथ ही आइपीएल प्लेऑफ में सबसे कम ओवर तक बल्लेबाजी करने वाली टीम बन गई है। उसने दिल्ली डेयरडेविल्स (अब कैपिटल्स) के 2008 में बनाए इस अनचाहे रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। उस वक्त दिल्ली की टीम राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 16.1 ओवर तक ही बल्लेबाजी कर सकी थी। यह आइपीएल प्लेऑफ का संयुक्त रूप से तीसरा न्यूनतम टोटल भी है। आइपीएल प्लेऑफ में सबसे कम स्कोर बनाने का रिकॉर्ड डेक्कन चार्जर्स के नाम है जिसने 2010 में आरसीबी के खिलाफ 82 रन बनाए थे। यह पंजाब किंग्स का भी आईपीएल का चौथा न्यूनतम स्कोर है।

साल्ट ने खेली तूफानी पारी

पंजाब किंग्स से फाइनल में जगह बनाने के लिए मिले 102 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए फिल साल्ट और विराट कोहली ने पारी की शुरूआत की। विराट कोहली 12 बॉल में 2 चौकों के साथ 12 रन बनाकर पवेलियन लौट गये। इसके बाद साल्ट ने तूफानी पारी खेलते हुये नाबाद अर्धशतकीय पारी खेली और टीम को जीत दिला दी। साल्ट ने 27 बॉल में 6 चौके और 3 के साथ 56 रनों की नाबाद पारी खेली।

मुंबई, गुजरात एक दूसरे की कमजोरियों का फायदा उठाने उतरेगी

एजेंसी

चंडीगढ़। मुंबई इंडियंस शुक्रवार को महाराजा यादवेंद्र सिंह क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले आइपीएल 2025 के एलिमिनेटर मुकाबले में गुजरात टाइटंस की कमजोरियों का फायदा उठाने मैदान में उतरेगी। वहीं अपने प्रमुख खिलाड़ियों की अनुपस्थिति और हाल ही मिली हार से जूझ रही गुजरात टाइटंस को मैच जीतने के लिए बल्लेबाजी और गेंदबाजी में लय हासिल करनी होगी। दोनों टीमों ने आइपीएल के इस सत्र में अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन अनुभवी खिलाड़ियों और बहुमुखी प्रतिस्थापन के माध्यम से दबाव को झेलने की मुंबई इंडियंस की क्षमता उन्हें बड़े नॉकआउट मुकाबले जीतने के लिए जानी जाती है। पांच बार के आइपीएल चैंपियन मुंबई ने इस बार उतार-चढ़ाव भरे अभियान का सामना किया है, अपने पहले चार मैचों में से तीन में हार का सामना करने के बाद आखिरी आठ में से सात में जीत हासिल की। यह मुंबई के दबाव झेलने की क्षमता को दशार्ता है। मुंबई इंडियंस के विदेशी स्टार रयान रिकेल्टन और विल जैक्स राष्ट्रीय प्रतिबद्धता के कारण स्वदेश लौट गये हैं। ऐसे में अनुभवी जॉनी बेयरस्टो, रोहित शर्मा और फॉर्म में चल रहे सूर्यकुमार यादव के साथ फाइनल में पहुंचाने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। चरिथ असलांका बढ़िया बल्लेबाजी के जाने जाते हैं। तिलक वर्मा की अपने पसंदीदा नंबर तीसरे स्थान पर बड़ी पारी खेलने की क्षमता है।

भारत दौरे पर आयेंगी आस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका की टीमें, बीसीसीआइ ने शेड्यूल किया जारी

नयी दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने गुरुवारको सितंबर-दिसंबर 2025 में आस्ट्रेलिया महिला टीम, आस्ट्रेलिया पुरुष ए टीम और दक्षिण अफ्रीका पुरुष ए टीम के भारत दौरे के लिए शेड्यूस की घोषणा कर दी है, जिसमें विभिन्न फॉर्मेट में कुल 13 मैच खेले जायेंगे। आइसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 के करीब आने के साथ, आस्ट्रेलियाई महिला टीम 3 मैचों की वनडे अंतरराष्ट्रीय सीरीज के लिए भारत का दौरा करेगी, जो आइसीसी इवेंट से पहले महत्वपूर्ण तैयारी के रूप में काम करेगी। यह सीरीज चेन्नई के एम. ए. चिदंबरम स्टेडियम में खेली जाएगी। इस बीच, बीसीसीआइ ने इस साल के अंत में आस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका की पुरुष ए टीम के भारत दौरे के शेड्यूल की भी घोषणा की है। आस्ट्रेलिया ए टीम दो मल्टी डे मुकाबलों और 3 वनडे मैचों के लिए भारत का दौरा कर रही है, जबकि दक्षिण अफ्रीका ए टीम दो मल्टी डे और 3 वनडे मैचों के लिए भारत ए का सामना करेगी। दो मल्टी डे मैच बीसीसीआइ सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में होंगे।

ज्योति याराजी ने बाधा दौड़ में जीता स्वर्ण पदक, चैंपियनशिप में नया रिकॉर्ड बनाया

नयी दिल्ली। भारतीय महिला एथलीट ज्योति याराजी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 26वीं एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप के 100 मीटर बाधा दौड़ स्पर्धा में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। ज्योति ने 12.96 सेकेंड का समय लिया और इस टूनार्मेंट में अपना लगातार दूसरा स्वर्ण जीता। ज्योति ने इस चैंपियनशिप का नया रिकॉर्ड भी बनाया। इससे पहले कजाखस्तान की ओल्गा शिशिगिना ने 1998 और चीन की सुन यावेई ने 2011 में 13.04 सेकेंड का समय लिया था जो पिछला रिकॉर्ड था। ज्योति ने 2023 में एशियाई चैंपियनशिप में 13.09 सेकेंड के प्रयास के साथ स्वर्ण पदक जीता था। उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय 12.78 सेकेंड है जो राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी है। एशियाई खेलों की रजत पदक विजेता ज्योति एशियाई चैंपियनशिप की 100 मीटर बाधा दौड़ में स्वर्ण पदक का बचाव करने वाली पांच एथलीटों के चुनिंदा क्लब में शामिल हो गईं। उनसे पहले यह उपलब्धि जापान की एमी अकीमोटो (1979, 1981, 1983) तथा चीन की तीन खिलाड़ियों झांग यू (1991, 1993), सु यिनपिंग (2003, 2005) और सुन यावेई (2009, 2011) ने हासिल की थी। ज्योति से पहले साबले ने अपनी पसंदीदा स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते स्वर्ण पदक जीता और चैंपियनशिप में भारत की स्थिति मजबूत की।

भारतीय निशानेबाजों ने जीते 11 पदक

सुहल (जर्मनी)। भारतीय एथलीटों ने आइएसएसएफ 2025 जूनियर विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन स्वर्ण, चार रजत और चार कांस्य सहित कुल 11 पदक जीते। जर्मनी के सुहल में 19 से 27 मई तक आयोजित आइएसएसएफ टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए 57 सदस्यीय भारतीय दल गया था। टूर्नामेंट में नारायण ने 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित जूनियर टीम स्पर्धा और 10 मीटर एयर राइफल जूनियर पुरुष इवेंट में क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीता, जबकि मुकेश ने 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल जूनियर पुरुष स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। एक अन्य एथलीट अनुष्का ठोकुर ने 50 मीटर 3पी जूनियर महिला स्पर्धा के फाइनल में सफलतापूर्वक जगह बनाई, लेकिन फाइनल में 7वें स्थान पर रहीं।

साबले ने एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में जीता स्वर्ण 36 साल बाद 3000 मीटर स्टीपलचेज में रचा इतिहास

एजेंसी

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक अविनाश साबले ने गुरुवार को एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में सीजन का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीत लिया। अविनाश 36 साल बाद इस टूर्नामेंट में 3000 मीटर स्टीपलचेज वर्ग में सोना दिलाने वाले पहले भारतीय हैं। साबले ने 8:20.92 सेकेंड के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। उन्होंने इससे पहले 2019 में रजत पदक जीता था और यह उनका इस टूर्नामेंट में दूसरा पदक है।

चार गुणा 400 मीटर पुरुष रिले टीम फाइनल में

इससे पहले रिंस जोसेफ, धर्मवीर चौधरी, मनु थेक्किनालिल साजी और मोहित कुमार की भारत की चार गुणा 400 मीटर पुरुष रिले टीम ने फाइनल में प्रवेश किया। भारतीय चौकड़ी ने तीन मिनट 6.28 सेकेंड का अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए अपनी हीट (शुरूआती दौर की रेस) में शीर्ष स्थान हासिल किया। हीट में भारत ने चीन (तीन मिनट 6.79 सेकेंड) और मेजबान कोरिया (तीन मिनट 10.05 सेकेंड) को पछाड़कर फाइनल के लिए सीधे क्वालीफाई किया। श्रीलंका ने सत्र का सबसे तेज तीन मिनट 1.56 सेकेंड का समय निकाला। महिलाओं की 10 हजार मीटर दौड़ के फाइनल में भारत की संजीवनी जाधव ने 33 मिनट 8.17 सेकेंड का अपना सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए पांचवां स्थान हासिल किया जबकि सीमा 33 मिनट 08.23 सेकेंड के समय से छठे स्थान पर रहीं। इस स्पर्धा में कजाखस्तान की डेजी जेपकेमी (30 मिनट 48.44 सेकेंड) ने दबदबा बनाते हुए स्वर्ण पदक जीता। जापान की रिरिरक हिरोनिका (30 मिनट 56.32 सेकेंड) और मिकुनी याडा (31 मिनट 12.21 सेकेंड) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहीं।

सिंधू-प्रणय बाहर, सात्विक-चिराग क्वार्टर फाइनल में

एजेंसी

सिंगापुर। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी ने गुरुवार को साबर कार्यमन गुटामा और मोह रेजा पहलवी इस्फहानी की सातवीं वरीयता प्राप्त इंडोनेशियाई जोड़ी को हराकर सिंगापुर ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। सात्विक और चिराग ने पहला गेम गंवाने के बाद वापसी करते हुए एक घंटे 14 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में इंडोनेशिया की जोड़ी के खिलाफ 19-21 21-16 21-19 से जीत हासिल की। अगले दौर में भारतीय जोड़ी का सामना गोह से फेई और नूर इज्जुद्दीन की दूसरी वरीयता प्राप्त मलेशियाई जोड़ी से होगा। पिछले कुछ हफ्तों से फिटनेस समस्याओं से जूझने के बाद वापसी कर रही भारतीय जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन किया।

सिंधू हारकर टूर्नामेंट से बाहर

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू को हालांकि दुनिया की पांचवें नंबर की खिलाड़ी चीन की चेन यूफेई के खिलाफ 65 मिनट चले कड़े मुकाबले में 9-21 21-18 16-21 से हार का सामना करना पड़ा। विश्व रैंकिंग में 17वें स्थान पर खिसक चुकी सिंधू ने दूसरे गेम में अपनी पुरानी फॉर्म दिखाई। उन्होंने 19-12 की बढ़त बनाने के बाद दूसरा गेम 21-18 से जीता। हालांकि तीसरे और निर्णायक गेम में चीन की खिलाड़ी ने अपने दमदार स्मैश और कोर्ट पर बेहतर नियंत्रण बनाते हुए मैच जीत लिया। पहले दौर में कनाडा की वेन यू झेंग के खिलाफ 21-14, 21-9 से जीत दर्ज करने वाली सिंधू दूसरे दौर में इस लय को बरकरार रखने में नाकाम रहीं। इसके अलावा पुरुष एकल में भारत को निराशा हाथ लगी जब एचएस प्रणय प्री क्वार्टर फाइनल में फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव के खिलाफ 16-21 14-21 से हारकर बाहर हो गए।

रिवोल्यूशन स्पोर्टस में चार दिवसीय समर कप अन्डर 14 टी- 20 क्रिकेट टूर्नामेंट का आगाज

खलारी। रिवोल्यूशन स्पोर्टस के तत्वावधान में चार दिवसीय समर कप अन्डर 14 टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट का आगाज गुरुवार को मैकलुस्कीगंज के सखुआ टांड स्थित राजा बंगला में किया। चार दिवसीय टूर्नामेंट का उद्घाटन झारखंड क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय नाथ सहदेव, पूर्व अंतराष्ट्रीय वालीबाल कोच शेखर बोस, मिहिर टोप्पो कामेश्वर प्रसाद सएच पी सिंह नितेश सहदेव निशांत सिंह राजीव वर्मा सत्यम कुमार विशाल शर्मा सचिन गिरी ने संयुक्त रूप से किया। चार दिनों तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में जमशेदपुर के कदमा क्रिकेट अकादमी, पटना की ईशान किशन अकादमी अकादमी एवं रांची के हरमू यूथ क्लब, अरविंदो यूथ क्लब की क्रिकेट टीम हिस्सा ले रही है। प्रत्येक टीम तीन-तीन मैच एक खेलेगी। 1 जून को इस टूर्नामेंट का फाइनल खेला जाएगा। इस का उद्घाटन मैच ईशान किशन अकादमी और हरमू यूथ के बीच खेला गया। जिसमें हरमू यूथ ने 9 विकेट से जीत दर्ज की पहले बल्लेबाजी करते हुए ईशान किशन अकादमी ने 20 ओवरों में 4 विकेट खोकर 96 रन ही बना पाई प्रभु ने 27 रन की पारी खेली,आदित्य ने 16 रन देकर 2 खिलाड़ियों को आउट किया जवाबी पारी खेलने उतरी हरमू यूथ की टीम ने 11.2 ओवरों में 1 विकेट खोकर 97 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। टीम के लिए आयुष ने नाबाद 49 और दिव्यम ने नाबाद 21 रन बनाए। वही दिन के दूसरे मुकाबले में अरविंदो क्रिकेट क्लब ने कदमा क्रिकेट क्लब को 87 रनों से हरा दिया पहले बल्लेबाजी करते हुए अरविंदो की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 2 विकेट खोकर 178 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया टीम के लिए हिमांशु ने नाबाद 89 रन और आशीष ने नाबाद 35 रन की पारी खेली। जवाब में कदमा क्रिकेट क्लब की पूरी टीम 19 ओवरों में 91 रन बनाकर ऑल आउट हो गई।

डी गुकेश की जबरदस्त वापसी, राउंड 3 में नाकामुरा को हराया

एजेंसी

स्टावेंजर। विश्व चैंपियन गुकेश डोमरराजू ने नॉर्वे शतरंज 2025 के तीसरे राउंड में वर्ल्ड नंबर 2 हिकारू नाकामुरा को एक बराबरी के एंडगेम में हराकर शानदार वापसी की। शुरूआती दो राउंड में लगातार हार के बाद यह जीत भारतीय शतरंज सनसनी के लिए बेहद जरूरी और सुकून देने वाली रही, जिससे उन्होंने अपने खिताबी इरादों को फिर से मजबूत कर दिया। फबियानो कैरुआना ने भी पहले राउंड में हार के बाद जोरदार वापसी करते हुए लगातार दूसरी जीत दर्ज की। इस बार उन्होंने भारत के अर्जुन एरिगैसी को मात दी। इस जीत के साथ कैरुआना ने लाइव रेटिंग में अर्जुन से वर्ल्ड नंबर 3 की पोजिशन छीन ली है। वर्ल्ड नंबर 1 मैग्नस कार्लसन और वेई यी के बीच मुकाबला क्लासिकल गेम में ड्रॉ रहा। हालांकि कार्लसन ने ओपनिंग से थोड़ी बढ़त बनाई थी, लेकिन वेई यी की मजबूत डिफेंस के आगे वे कुछ खास हासिल नहीं कर सके। आमार्गेडन में वेई यी ने एक शानदार चाल चली और जटिल पोजिशन में कार्लसन से गलती करवा दी। नतीजा यह रहा कि वेई ने यह मुकाबला खूबसूरती से जीत लिया।

नॉर्वे शतरंज वुमेंसः हंपी कोनेरू की दमदार जीत, अन्ना शीर्ष पर कायम

नॉर्वे शतरंज वुमेंस टूर्नामेंट में एक बार फिर भारतीय ग्रैंडमास्टर हंपी कोनेरू ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने सारा सादात खादेमअलशरियेह के खिलाफ ओपनिंग से ही बेहतर स्थिति बनाई और धीरे-धीरे दबाव बनाते हुए जीत दर्ज की। बाकी दो मुकाबले, टिंगजी लेई बनाम अन्ना मुझिचुक और वैषाली रमेशबाबू बनाम जू वेनजुन, आमार्गेडन में गए, जो इस प्रतियोगिता के कड़े मुकाबले को दशार्ते हैं। इन आमार्गेडन गेम्स में अन्ना मुझिचुक और जू वेनजुन ने जीत दर्ज कर अतिरिक्त अंक हासिल किए। अन्ना मुझिचुक इस जीत के साथ महिला वर्ग में शीर्ष पर बनी हुई हैं।

बोकारो एयरपोर्ट के मुद्दे पर प्रदेश सरकार नहीं चेतेगी तो होगा आंदोलन : बिरंची

उन्होंने वर्तमान बोकारो विधायक श्वेता सिंह की उचित पटल पर निष्क्रियता को भी जिम्मेदार बताया

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। बोकारो एयरपोर्ट के परिचालन में वर्तमान प्रदेश सरकार कोई रूचि ही नहीं दीखा रही है जबकि सूबे के मुख्यमंत्री इसी बोकारो की धरती पर खेलकर बड़े हुए हैं-इसी मिट्टी में साइकिल चलते हुए उनके घुटने छिले होंगे-उक्त उद्गार व्यक्त किया है बोकारो के पूर्व विधायक बिरंची नारायण ने। अपने आवासीय कार्यालय में प्रेस को संबोधित करते हुए उन्होंने बताया कि शीघ्र ही वे झारखण्ड सरकार के मुख्य सचिव और समय (अपॉइंटमेंट) मिल सका तो मुख्यमंत्री को भी निवेदन करेंगे कि बीएसएल सहित उड्डयन मंत्रालय की सम्बद्ध समिति अपनी जवाबदेही पूरी कर दी है तो प्रदेश सरकार के सम्बद्ध समिति द्वारा अनापत्ति प्रमाण क्यों नहीं निर्गत हो रहा है। उन्होंने बोकारो हवाई अड्डे के परिचालन में हो रहे विलंब हेतु पूर्णतः प्रदेश सरकार को दोषी ठहराते हुए वर्तमान बोकारो विधायक श्वेता सिंह की उचित पटल पर निष्क्रियता को भी जिम्मेदार बताया। अंत में उन्होंने कहा कि यदि एक सप्ताह के अंदर प्रदेश सरकार के सचिव एवं मुख्यमंत्री से संतोषजनक जवाब नहीं मिलता है तो यहां की जनता का साथ ले वे आंदोलनात्मक संघर्ष का रास्ता अपनाने को बाध्य होंगे। उन्होंने अपने कार्यकाल की चर्चा करते हुए बताया कि अनेको बार विधानसभा के पटल पर इस मुद्दे को मजबूती से उठाने के फलस्वरूप इस मुकाम तक यह मुद्दा पहुंचा है और राज्य सरकार इसे ठंढे बस्ते में डालना चाहती है।

बेरमो : नौ जुलाई की हड़ताल को लेकर संयुक्त ट्रेड यूनियन की बैठक संपन्न

खबर मन्त्र संवाददाता

बेरमो। कथारा क्षेत्र के संयुक्त ट्रेड यूनियन की बैठक रीक्रिएशन में क्लब कथारा में गुरुवार को इंटक नेता वेदप्रकाश चौबे की अध्यक्षता एवं संचालन एक्टू नेता बालेश्वर गोप ने किया जिसमें 9 जुलाई की हड़ताल की तैयारी को लेकर यूनियन के तमाम लोगों ने अपना अपना वक्तव्य दिया। सर्वसम्मति से एनसीओईए सीटू नेता पीके विश्वास ने कहा कि वर्तमान जो सरकार है मजदूर विरोधी चार लेबर कोड लाकर गुलाम बनाने पर आमादा है अगर यह लेबर कोड लागू हो जाता है तो 8 घंटे की जगह 12 घंटा काम लिया जाएगा और मजदूरों को हड़ताल करने एवं आंदोलन करने का अधिकार को समाप्त कर दिया जाएगा और जेबीसीसीआई समेत सभी प्रकार की बनी हुई कमिटी को समाप्त कर दिया जाएगा और कोल इंडिया समेत संपूर्ण सार्वजनिक उद्योग को बड़े उद्योगपतियों के हाथों सौंप दिया जाएगा इसलिए अपने उद्योग को बचाने के लिए और मजदूरों के 24 सूत्र मांगों पर 9 जुलाई के हड़ताल को सफल करने का आह्वान किया यह लड़ाई मजदूरों के जीवन मरन का लड़ाई है। 19 जून को कथारा ऑफीसर्स क्लब में एक विशाल कन्वेंशन करने का प्रस्ताव रखा जिसे सर्वसम्मति से सभी ने सहमति जतायी, जिसमें राष्ट्र के नेता को भी आमंत्रित किया जाएगा, साथ ही 16 जून की बैठक में आगे की रणनीति तय की जाएगी जिसमें मोटरसाइकिल रैली पिट मीटिंग मशाल जुलूस एवं पर्चा के माध्यम से हड़ताल को शत प्रतिशत सफल करने के लिए निर्णय लिया जाएगा। मौके पर अजय कुमार सिंह बालेश्वर गोप इकबाल अहमद पीके विश्वास कमलेश गुप्ता चंद्रशेखर झा निजाम अंसारी अशोक रविदास बालगोबिंद मंडल मनोहर महतो राजदेव चौहान शक्ति सिंह मो कयामुद्दीन गणेश राम ए के शर्मा सहित अन्य लोग मौजूद थे।

एक नजर में

डीवीसी चंद्रपुरा प्रबंधन के स्वच्छता पखवाड़ा के तहत स्वच्छता कर्मियों को दिया अंग वस्त्र

बोकारो/चंद्रपुरा। दामोदर घाटी निगम चंद्रपुरा ताप विद्युत केंद्र प्रबंधन द्वारा मनाये जा रहे स्वच्छता पखवाड़ा के तहत गुरुवार को स्वच्छता कर्मियों को अंग वस्त्र का वितरण किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ जीएम व परियोजना प्रधान विजया नन्द शर्मा ने कहा कि स्वच्छता को लेकर जागरूकता जरूरी है। लोग घर से थैला लेकर बाजार जाएं और पॉलिथीन का बहिष्कार करें। प्रत्येक व्यक्ति पेड़ लगाए। उन्होंने कहा कि पॉलिथीन और प्लास्टिक का उपयोग हमारे मानव जाति सहित अन्य जीव जंतुओं के लिए भी घातक है। उन्होंने लोगों से अपील किया कि वह दो पहिया वाहन चलाते वक्त हेलमेट का उपयोग अवश्य उपयोग करें। इस अवसर पर वरिष्ठ जीएम–मानव संसाधन डॉ डीसी पांडेय ने लोगों से अपील किया कि वे स्वयं- घर और कार्यस्थल की स्वच्छता पर हमेशा सकारात्मक नजर बनाए रखें। वरिष्ठ जीएम अविजीत घोष ने लोगों से अपील किया कि वे स्वच्छता और सुरक्षा के प्रति हमेशा सजग रहे। डीजीएम राजीव रंजन ओझा ने मानव जीवन में स्वच्छता को सर्वोपरि बताया और कहा कि हमारे देश में महाकुंभ मेला जैसे भव्य आयोजन की सफलता में स्वच्छता कर्मियों की ही अहम भूमिका रही। वरिष्ठ प्रबंधक कंचन स्मिता टोप्पो ने कहा कि डीवीसी में कार्यरत सभी स्वच्छता कर्मी के सहयोग से हम चंद्रपुरा के कॉलोनी और प्लांट क्षेत्र को स्वच्छ वातावरण दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्वच्छता कर्मियों की किसी भी समस्या का समाधान के लिए सभी अधिकारी मुस्तैद है। समारोह का संचालन प्रबंधक राजकुमार चौधरी ने किया। इस अवसर पर प्रबंधक मोहम्मद उमेर सहित कई डीवीसी के कई अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

बीएसएल द्वारा परिक्षेत्रीय गांव बिशुनपुर में नि:शुल्क मेडिकल कैंप का आयोजन

बोकारो। बीएसएल के सीएसआर के तहत बालीडीह के परिक्षेत्रीय गांव बिशुनपुर में आयोजित निशुल्क मेडिकल कैंप में कुल 225 मरीजों का का इलाज किया गया। कैंप में मरीजों का मधुमेह–ब्लड प्रेशर–हीमोग्लोबिन–मलेरिया इत्यादि की नि:शुल्क जांच की गई तथा दवा का वितरण किया गया। कैंप में चौदह मरीजों को नेत्र परीक्षण के उपरांत मोतियबिंद के ऑपरेशन हेतु बीएसएल के बोकारो जनरल हॉस्पिटल में रेफर किया गया। कैंप में बीजीएच के चिकित्सक डॉ साकेत मिश्रा डॉ असित डॉ नितेन्द्र शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ ममता स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ जया डॉ शीतल नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ सुशील कुमार एवं डॉ अनुपमा शर्मा दन्त रोग विशेषज्ञ डॉ नीलम डॉ मधुमिता श्रीवास्तव कान नाक तथा गला विभाग से डॉ अमरेंद्र कुमार सर्जरी विभाग से डॉ मो अफसार आलम एवं डॉ सौरभ तथा चर्म रोग विशेषज्ञ डॉ विनोद उपस्थित थे। इस कैंप के सफल आयोजन में बीएसएल के सीएसआर विभाग के जीएम बी बनर्जी एवं उनके सहयोगी एससी तिवारी संजीव सिंह संतोष कुमार तथा पीरामल स्वास्थ्य के मोबाइल मेडिकल टीम का काफी सराहनीय योगदान रहा।

बोकारो इस्पात संयंत्र में ए बी बी ड्राइव्स पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

बोकारो। बीएसएल के मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग में एबीबी ड्राइव्स पर बीएसएल के अनुभवी फैकल्टी के सहयोग से आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में विभिन्न विभागों से कुल 20 प्रशिक्षणार्थी शामिल हुए हैं। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में सीजीएम विद्युत देवाशीष सरकार सीजीएम–ज्ञानार्जन एवं विकास नीता बा जीएम–ईटीएल हरिहर राउत उपस्थित थे। सर्वप्रथम जय नारायण यादव–प्रबंधक–ज्ञानार्जन एवं विकास ने सभी प्रतिभागियों तथा मुख्य अतिथियों का स्वागत किया तथा इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के संबंध में जानकारी दी। सीजीएम श्री सरकार ने कहा कि औद्योगिक प्रयोग में लाये जाने वाले मोटर को स्मार्ट व सुरक्षित और कुशल तरीके से नियंत्रित करना संयंत्र के उत्पादन प्रक्रिया के लिए अनिवार्य है तथा इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल प्रशिक्षणार्थियों को इसके बारे में विस्तृत जानकारी मिलेगी। सीजीएम नीता बा ने सभी प्रतिभागियों से इस कार्यक्रम को अन्त: क्रियात्मक बनाकर अधिकतम ज्ञान अर्जित करने तथा अपने अर्जित ज्ञान को विभाग के लोगों के साथ साझा करने का अनुरोध किया। कार्यक्रम का संचालन तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रबंधक जय नारायण यादव ने किया। कार्यक्रम के आयोजन में ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के वरीय ऑपरेटर नवनीत कुमार सिंह तथा ओसीटीटी भीम प्रसाद का योगदान सराहनीय रहा।

फुसरो में हनुमान मंदिर की छत ढलाई शुरू

बेरमो। गिरिडीह के पूर्व सांसद रविन्द्र कुमार पांडेय ने गुरुवार को फुसरो नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत वार्ड संख्या 22 के भूतबंगला के समीप नए हनुमान मंदिर की छत ढलाई कार्यक्रम का शुभारंभ किया। पूर्व सांसद ने खुद कड़ाही उठाकर छत की ढलाई के लिए गारा डाला। इसके साथ विधिवत मंदिर की छत की ढलाई शुरू हो गई। इस मौके पर पूर्व सांसद ने मंदिर समिति के सदस्यों को इस पुनीत कार्य के लिए बधाई दी। साथ ही इस तरह के धार्मिक आयोजन में हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि धर्म लोगों को नेक राह पर चलने के लिए प्रेरित करता है। धर्म समाजिक प्रदूषण को खत्म करता है। भटके हुए लोगों को सही राह भी दिखाता है। धर्म के आश्रय में आकर सभी इंसान बन जाते हैं। यह अच्छी बात है कि मंदिर समिति एक ऐसे स्थल का निर्माण करा रही है, जहां इंसान को सही रास्ता दिखाई देगा। उन्होंने कहा कि मंदिर के विकास के लिए समाज के हर वर्ग को आगे आना चाहिए। इस काम में योगदान करना चाहिए। इस मौके मंदिर कमाटि के पूर्व पार्षद भरत वर्मा, भाजपा नेता विक्रम पांडेय, मजदूर नेता दिनेश पांडेय, युवा व्यवसाई संघ अध्यक्ष वैभव चौरसिया, समाजसेवी मनोज सिंह, कृष्ण कुमार व दिनेश सिंह, कन्हैया कुमार, अरूण स्वर्णकार, बनारसी यादव सहित मौजूद सभी ने मंदिर की छत ढलाई में योगदान दिया।

के बी कॉलेज बेरमो में पौधरोपण व जैविक खेती के माध्यम से भिंडी, मकई, कद्दू, करेला का उत्पादन

बेरमो। गुरुवार को के बी कॉलेज बेरमो के पूर्व प्राचार्य सह विभागाध्यक्ष राजनीति विज्ञान विभाग विनोद बिहारी महतो कोयलांचल यूनिवर्सिटी धनबाद डॉ आर आर पॉल ने के बी कॉलेज बेरमो में पौधारोपण किया। बंजर एवं जंगल भूमि में प्रो इंचार्ज प्रो गोपाल प्रजापति अपनी देखरेख में जैविक खेती के माध्यम से कद्दू, करेला, भिन्डी, मकई, सीम आदि उगा रहे हैं और युवाओं को जैविक खेती के व्यवहारपरक परिणाम से अवगत करा रहे हैं। पौधरोपण कार्यक्रम में प्राचार्य लक्ष्मी नारायण, डॉ अरुण कुमार रॉय महतो, डॉ साजन भारती, डॉ नीला पूर्णिमा तिर्की, डॉ मधुरा केरकेट्टा, डॉ प्रभाकर कुमार, डॉ वासुदेव प्रजापति, डॉ व्यास कुमार, प्रो अमीत कुमार रवि, डॉ अरुण रंजन, डॉ सुशांत बैरा, प्रो विपुल कुमार पांडे, प्रो पी पी कुशवाहा, प्रो संजय कुमार दास, रविंद्र कुमार दास, सदन राम, रवि यादविंधु, मो साजिद, शिव चन्द्र झा, बालेश्वर यादव, संतोष राम आदि कॉलेज परिवार के सदस्यों की उपस्थिति रही।

बोकारो : माहवारी स्वच्छता दिवस पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन

बोकारो/कसमार। सहयोगिनी संस्था द्वारा माहवारी स्वच्छता दिवस के अवसर पर कसमार प्रखंड के टांगटोना दुगार्पुर सोनपुरा तथा गर पंचायत में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता सहित जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर किशोरियों के बीच माहवारी स्वच्छता की जानकारी दी गई। इस दौरान सहयोगिनी की सचिव कल्याणी सागर ने बताया कि किशोरी तथा महिलाओं को उनके मासिक धर्म के बारे में जानकारी प्रदान करने और स्वच्छता से संबंधित चुनौतियों का समाधान खोजने के लिए आज के दिन मासिक स्वच्छता दिवस मनाया जाता है। इस दौरान स्वच्छता से संबंधित उत्पादों की उपलब्धता स्वच्छता सुविधाओं की पहुंच और मासिक धर्म से संबंधित शिक्षा के महत्व पर चर्चा किया गया। सहयोगिनी की समन्वयक कुमारी किरण ने कहा कि माहवारी स्वच्छता का उद्देश्य है कि किशोरियों और महिलाओं को सुरक्षित और स्वच्छ मासिक धर्म का सही सूचना और सुविधा मिले। उन्होंने कहा कि आइए हम सब एक साथ मिल कर माहवारी पर जागरूकता फैलाएं। कार्यक्रम के दौरान कसमार प्रखंड की किशोरियों को रेखा देवी ने कहा कि बाल विवाह तथा किशोरी स्वास्थ्य को लेकर संस्था द्वारा लगातार जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

स्पीड न्यूज

बोकारो सेल मे कार्यरत चंदन कुमार का हार्ट अटैक से मौत

बेरमो। बेरमो थाना क्षेत्र अन्तर्गत मॉर्निंग वॉक के दौरान करगली गेट फिल्टर प्लांट के पास एक व्यक्ति की मौत हार्ट अटैक से हो गयी। लोगों के अनुसार मृतक रीजनल कॉलोनी ढ़ोरी निवासी और बोकारो सेल मे कार्यरत व केंद्रीय अस्पताल ढोरी में कार्यरत नर्स पुतुल कुमारी के पति 40 वर्षीय चंदन कुमार बताए जा रहे हैं। मॉर्निंग वॉक करते वह गिर गये।

बंद पड़े खादान में अधेड़ महिला का शव बरामद

दुमका। जिला के काठीकुंड प्रखंड अंतर्गत दुमका पाकुड़ पथ के किनारे दलाही गांव में बंद पड़े खदान में अधेड़ महिला का शव पुलिस ने बरामद की। ज्ञात हो कि उक्त गांव के मौज में पत्थर खादान काफी गहरा एवं पानी भरा है। खादान में पानी पर तैरता महिला का शव देख ग्रामीणों ने पुलिस को जानकारी दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी त्रिपुरारी कुमार पुलिस बल के साथ घटना स्थल पर पहुंच कर घंटों मेहनत मस्कक्त के बाद रस्सी के सहारे ग्रामीणों की मदद से महिला के शव को निकाला। थाना प्रभारी कुमार ने बताया कि शव की अभी तक पहचान नहीं हुआ है, न ही घटना के कारण का पता चल पा रही है। पुलिस मामले को गंभीरता से लेते शव की पहचान कराने एवं घटना की जांच में जुटी है। प्रभारी ने बताया कि वे शव की पहचान को लेकर ग्रामीणों के संपर्क में है। फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर विधि संवत कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम की तैयारी में है,उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद कारण पता चल पाएगा।

अवैध कोयला लोड वाहन अनियंत्रित होकर पलटा

बेरमो। बेरमो थाना क्षेत्र अंतर्गत डुमरी फुसरो मार्ग के चपरी चढाई के समीप गुरुवार सुबह अवैध कोयला लदा वाहन अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस दुर्घटना में वाहन सड़क के किनार खाई में गिर गया। मौका देख वाहन चालक फरार हो गया। वही वाहन में लदी कोयला की बोरी चारों ओर बिखर गया। बता दे कि इस मार्ग में रोजाना दर्जनों वाहनों में अवैध कोयला का तस्करी की जाती है। इस बात को बल इस घटना से मिलती है।

खेत में धान बीज डालकर संपन्न हुआ रहइन

बोकारो/कसमार। कुड़मी किसान संस्कृति का कृषि आधारित प्रमुख परब रहइन ढाई-पांच या सात मुट्ठी धान बीज खेत में डालकर संपन्न हुआ। कसमार पेटरवार जरीडीह प्रखंड क्षेत्र के किसान द्वारा आयोजित परब में अहले सुबह उठकर घर की महिला द्वारा घर के चारों ओर रहइन दाग लगाया गया। उसके बाद नहा-धोकर घर के पुरुष/महिला द्वारा नया वस्त्र पहनकर खाची काठाई सुप टोकी/पीतल गमला पइला सेर पौवा में हाथ से गुड़ि ढोपा और सिंदूर लगाया गया। इसके बाद टोकी या पीतल गमला में 10 सेर धान भरकर भीतर घर से मौन अवस्था में कंधे पर कुदाल व माथे में टोकी/पीतल गमला लेकर खेत पहुंचे। उसके बाद पूरब दिशा में कुदाल से थोड़ा सा कोड़कर ढ़ाई मुठा धान-पांच मुठा धान या सात मुठा धान डालकर मिट्टी से ढका गया। उसी मौन अवस्था में घर पहुंचकर देवा-भुताओं को धूप-धूना देने के बाद कुछ देर बाद दही चूड़ा और गुड़ खाये। घर के महिला हर दरवाजे के चौखट पर हाथ से गुड़ि ढोपा और सिंदूर लगाया गया।

गोड्डा : स्कॉर्पियो ने बुलेट को मारी टक्कर, दो लोगों की मौत

पोड़ैयाहाट–गोड्डा मुख्य मार्ग पर भटौंधा के समीप डीबीएल प्लांट के सामने हुई दुघर्टना

खबर मन्त्र संवाददाता

गोड्डा/पोड़ैयाहाट। प्रखंड अंतर्गत पोड़ैयाहाट-गोड्डा मुख्य मार्ग पर भटौंधा के समीप डीबीएल प्लांट के सामने अपना लाइन होटल से कुछ दूरी पर हुई सड़क दुघर्टना में दो युवक की मौत हो गई।

वहीं मृतक की पहचान मृतक कुंदन सिंह और धीरज साह के रूप में हुई है। दोनों अमुवार गांव के रहने वाला बताया जा रहा है। दोनों मृतकों की उम्र करीब तीस वर्ष बताई जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार मृतक कुंदन सिंह के चाचा छेदी राउत, द्रोपत पंचायत के मुखिया हैं। उन्होंने यह जानकारी दी है। पोड़ैयाहाट थाना प्रभारी विनय कुमार ने सड़क दुर्घटना में घायल दोनों युवकों के मौत की पुष्टि की है। वहीं बताया गया कि धीरज और कुंदन बुलेट से गोड्डा से पोड़ैयाहाट की ओर जा रहे थे वहीं गोड्डा की ओर से तेज रफ्तार में आ रही स्कॉर्पियो ने उन्हें धक्का मार दिया जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए।

घायल धीरज साह की गोड्डा सदर अस्पताल ले जाने के क्रम में मौत हो गई, जबकि कुंदन सिंह की हालत काफी गंभीर थी। चिकित्सक ने घायल युवक की स्थिति को गंभीर देख कर उसे भागलपुर रेफर कर दिया था जहां भागलपुर ले जाने के क्रम में पंजवारा के समीप कुंदन की भी मौत हो गई। वहीं घटना की सूचना मिलते ही पोड़ैयाहाट थाना प्रभारी विनय कुमार पुलिस बल के साथ घटना स्थल पर पहुंचे और घायलों को अपनी गाड़ी से सदर अस्पताल ले गए। बताया गया कि एक युवक ने गोड्डा पहुंचने के पहले ही दम तोड़ दिया था जबकि दूसरे की हालत नाजुक बनी हुई थी, उसकी मौत भागलपुर ले जाने के क्रम में पंजवार के समीप हो गई।

बीएसएल के एसएमएस-न्यू विभाग ने रचा नया कीर्तिमान

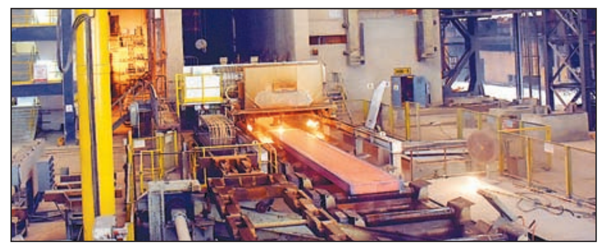

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। बोकारो स्टील प्लांट के एसएमएस-न्यू विभाग ने एक बार फिर अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से सफलता की नई ऊंचाई छू ली है। विभाग ने सिंगल टंडिश से रिकॉर्ड 34 हीट की सफल कास्टिंग कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। यह उपलब्धि फरवरी 2023 में बनाए गए 33 हीट के पिछले रिकॉर्ड को पार करते हुए हासिल की गई। उल्लेखनीय है कि एसएमएस-न्यू विभाग तकनीकी दक्षता समन्वय और योजनाबद्ध कार्यशैली के माध्यम से अपने परिचालन स्तर में निरंतर सुधार लाते हुए नई उपलब्धियां हासिल कर रहा है। सिंगल टंडिश से रिकॉर्ड 34 हीट की कास्टिंग विभाग की उच्च गुणवत्ता नियंत्रण तापमान प्रबंधन और टीम वर्क का प्रमाण है। यह सफलता निदेशक प्रभारी बीरेंद्र कुमार तिवारी एवं निदेशक-संकार्य सीआर महापात्रा के मार्गदर्शन में तथा मुख्य जीएम प्रभारी-स्टील अरविंद कुमार व मुख्य महाप्रबंधक पीवी राव के नेतृत्व में संभव हो सकी है। इस उपलब्धि में एसएमएस-न्यू विभाग की समस्त टीम एवं सहयोगी विभागों का भी सराहनीय योगदान रहा है। यह उपलब्धि न केवल बीएसएल की तकनीकी क्षमताओं को सदृढ़ करती है, बल्कि सेल की प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त को और अधिक सशक्त बनाती है। इसी प्रकार की निरंतर उत्कृष्टता से संयंत्र आने वाले समय में और भी नई ऊंचाइयों को स्पर्श करेगा।

दुमका : सरेंडर से पहले धारायें तीन हत्यारोपी, भेजे गये जेल

खबर मन्त्र संवाददाता

दुमका। जिला मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के धधकिया स्थित मुड़बहल गांव में मंगलवार को जमीन विवाद में तीन लोगों ने घर में घुसकर लीलू हेंब्रम की कुदाल मारकर हत्या कर दी थी। बुधवार को पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करा करने के बाद हाथीराम हेम्ब्रम के बयान पर राम हेम्ब्रम, लखन हेम्ब्रम और गोविंद हेम्ब्रम के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया था। गुरुवार सुबह पुलिस ने कोर्ट में सरेंडर करने आए तीनों आरोपियों को धर दबोचा। मुड़ाबहाल गांव के हाथीराम का मिस्त्री हेम्ब्रम के साथ जमीन का विवाद चल रहा था। मंगलवार की सुबह तीनों आरोपी हाथीराम के घर में घुस गए और उसके साथ मारपीट करने लगे। बचाव करने के लिए बेटा लीलू हेम्ब्रम और राजेश हेम्ब्रम आगे आए तो आरोपियों ने दोनों पर कुदाल से हमला कर दिया। जिसमे लीलू बुरी तरह से घायल हो गया। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया। बुधवार को हालत बिगड़ने पर चिकित्सक ने धनबाद रेफर कर दिया। लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। तीनों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करने के बाद पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए रात में कई बार दबिश दी। बस्ती सुबह पुलिस को सूचना मिली कि आरोपियों न्यायालय में आत्मसमर्पण कर सकते हैं। इसको लेकर सुबह से ही एएसआई बब्बन सिंह पूरी टीम के साथ कोर्ट के बाहर मुस्तैद थे। जैसे ही आरोपी कोर्ट पहुंचे तो पहले से सतर्क पुलिस ने घर दबोचा। थाना प्रभारी सत्यम कुमार ने बताया कि तीनों आरोपियों ने ही वारदात को अंजाम दिया था। तीनों की गिरफ्तारी कर जेल भेज दिया गया है।

डॉ लंबोदर महतो ने कोल इंडिया के चेयरमैन से मुलाकात कर ज्वलंत मुद्दों से कराया अवगत

सीसीएल कर्मियों सहित ग्रामीण विस्थापितों के मुद्दे से अवगत कराते हुए ठोस समाधान कराने की बात कही

खबर मन्त्र संवाददाता

कथारा। पूर्व विधायक डॉ लंबोदर महतो ने कोलकाता स्थित कोल इंडिया मुख्यालय में चेयरमैन पीएम प्रसाद से मुलाकात कर कथारा क्षेत्र के सीसीएल कर्मियों, ग्रामीण विस्थापितों की समस्याओं सहित अन्य ज्वलंत मुद्दों से अवगत कराते हुए इसके समाधान कि बात कही। उन्होंने कोल इंडिया चेयरमैन को 16 सूत्रीय पत्र भी सौंपा। यहां पूर्व विधायक लम्बोदर महतो ने सीसीएल के कथारा क्षेत्र के विभिन्न परियोजनाओं में संचालित आउटसोर्सिंग कंपनियों में कार्यरत मजदूरों को हाई पावर कमेटी के समझौते के तहत वेतन भुगतान सहित अन्य सुविधाएं देने, उक्त आउटसोर्सिंग कंपनियों में प्राथमिकता के आधार पर 75% प्रभावित ग्रामीण विस्थापितों को रोजगार देने, कथारा,स्वांग एवं जारंगडीह आदि के सीसीएल वाटर फिल्टर प्लांट जो कई दशकों से तकनीकी रूप से खराब एवं जर्जर स्थिति में है। लोग गंदा पानी पीने से गंभीर बीमारियों से ग्रस्त हो रहे हैं ऐसे में इन सभी जगह पर नया वाटर फिल्टर प्लांट बनानें, कथारा कोलियरी के कोयले के फेस में लगी भीषण अगलगी और जहरीले धुंए से ग्रामीणों को निजात दिलाने की दिशा में ठोस कार्य करने, ठेकेदारी एवं आउटसोर्सिंग के कार्यों में रैयत ग्रामीण विस्थापितों को प्राथमिकता के आधार पर रोजगार से जोड़ने, कथारा वाशरी प्लांट में अधिकारियों व अभियंताओं की कमी को दूर करने, कथारा क्षेत्र के विभिन्न परियोजनाओं में कार्मिक प्रबंधक अधिकारियों की कमी को दूर करने, 9:3:0 स्कीम के तहत मृत कामगारों के आश्रितों को मिलने वाली नियोजन प्रक्रिया में तेजी लाने व ठोस पहल करने, जारंगडीह अस्पताल में ट्रांसफर हो चुके चिकित्सक की जगह दूसरे चिकित्सक की पोस्टिंग की व्यवस्था करने, सीएसआर फण्ड का गुणवत्ता के साथ कार्य करवाने एवं पंचायत प्रतिनिधियों और ग्रामीण समिति की निगरानी में योजना का चयन और कार्य कराने,आईटीआई व डिप्लोमा एवं बीटेक (डिग्री) होल्डर छात्रों के लिए सीसीएल प्रबंधन बड़े पैमाने पर बहाली (वैकेंसी) निकाते हुए इसमें न्यूनतम आयु 35 वर्ष रखने की दिशा में पहल करने आदि मांगों से अवगत कराया गया। यहां विधायक को चेयरमैन द्वारा आश्वस्त कराया गया की उनकी मांगों व विचारों पर सकारात्मक पहल करेंगें।

दुमका: रेड क्रॉस सोसाइटी के सदस्यों ने डीसी सह अध्यक्ष का किया अभिनन्दन

खबर मन्त्र संवाददाता

दुमका। जिले के नवपदस्थापित डीसी सह अध्यक्ष भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी अभिजीत सिन्हा को समाहरणालय स्थित कार्यालय में भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के प्रबंधन समिति के पदाधिकारीओं ने गुरुवार को औपचारिक मुलाकात कर पुष्प गुच्छ देकर अभिनन्दन किया। इसमें सोसाइटी के चेयरमैन डॉ राज कुमार उपाध्याय, सचिव डॉ अमरेंद्र कुमार यादव, वाइस चेयरमैन डॉ मनोज कुमार घोष, संयुक्त सचिव धर्मेंद्र सिंह बिट्टू व डॉ सिकंदर कुमार, कार्यकारिणी सदस्य उज्ज्वल कुमार दास, मणि केशरी, अरविन्द कुमार आदि शामिल थे। सचिव डॉ अमरेंद्र कुमार यादव ने बताया कि डीसी को सोसायटी द्वारा किये गए कार्यों की विस्तृत जानकारी दिया गया। भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के भवन के जीर्णोद्धार सोसाइटी का एंबुलेंस स्वास्थ्य विभाग से तत्काल वापस कराने, रक्त की कमी को देखते हुए विभिन्न संस्थाओं द्वारा रक्तदान शिविर आयोजित कराने का आग्रह किया गया। इस पर डीसी सह अध्यक्ष ने सोसाइटी के लिए फण्ड सृजन, आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए जन जागरूकता कार्यक्रम चलाने, ब्लड बैंक में रक्त की कमी को दूर करने के लिए कैलेंडर का निर्माण कर जिले के विभिन्न संस्थाननों, प्रखंड मुख्यालयओं, कॉलेजों आदि स्थानों पर अभियान चला कर रक्तदान सिविर लगाने और नियमित रूप से बैठक करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा आप लोग कार्यक्रम करें संसाधन की कमी नहीं होने देंगे। अध्यक्ष से मुलाकात के बाद समिति के सदस्य उत्साहित नजर आये।

जिला टॉपर को किया सम्मानित

खबर मन्त्र संवाददाता

बेरमो। बोकारो जिले के बोकारो थर्मल डीवीसी के निदेशक भवन में डीवीसी परियोजना प्रधान सुशील कुमार अरजरिया उप महाप्रबंधक द्वारा जिला टॉपर छात्रा को बुके एवं अन्य सामग्रियां देकर सम्मानित करते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की एवं साथ ही उन्होंने कहा कि जो संभवतः मदद होगी वो किया जाएगा। बेटी राजलक्ष्मी ने 27 मई को जैक द्वारा जारी मैट्रिक बोर्ड परीक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त कर बोकारो जिला टॉपर होने का गौरव हासिल की है। परीक्षा परिणाम की सूचना के बाद उसके घर में बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। वही दूसरी ओर जिला टॉप की हुई बेटी को मान सम्मान वा मनोबल बढ़ाने जानकारी के अनुसार बोकारो जिला के हद में गोमिया प्रखंड के पलिहारी गुरुडीह पंचायत के भगत अहरा रहिवासी मनोज रवानी की पुत्री राजलक्ष्मी ने झारखंड बोर्ड मैट्रिक परीक्षा में 97.2 प्रतिशत अंक लाकर बोकारो जिला में टॉप की है। राजलक्ष्मी के पिता मनोज रवानी एवं माता अनिता देवी ने बताया कि उनकी बेटी बोकारो थर्मल के कार्मेल हाई स्कूल से कक्षा 10 तक की पढ़ाई की है।

जमीन की रजिस्ट्री में होगा बदलाव

स्पीड न्यूज

आयात शुल्क बढ़ाने के ट्रंप के फैसलों पर कोर्ट ने लगायी रोक

न्यूयॉर्क। अमेरिका की एक संघीय अदालत ने आयात पर भारी शुल्क लगाने से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फैसलों को अधिकार का दुरुपयोग बताते हुए उन पर स्थायी रोक लगा दी है। स्थानीय मीडिया की खबरों के अनुसार न्यूयॉर्क स्थित अंतरराष्ट्रीय व्यापार न्यायालय ने का यह फैसला उन कई कानूनी शिकायतों पर किया है जिनमें तर्क दिया गया है कि श्री ट्रम्प ने आयात पर भारी शुल्क लगाने के अपने अधिकार का दुरुपयोग किया है।

परम सुंदरी टीजर में जाह्नवी का जलवा

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री जाह्नवी कपूर ने अपनी आने वाली फिल्म परम सुंदरी टीजर में जलवा बिखेर दिया है। जाह्नवी कपूर एक बार फिर दर्शकों का दिल जीतने के लिए तैयार हैं, इस बार एक ऐसे अवतार में जिसे हमने पहले कभी नहीं देखा। उनकी आने वाली रोमांटिक कॉमेडी परम सुंदरी का टीजर रिलीज हो गया है।यह फिल्म उनके करियर की पहली ऐसी फिल्म है जिसमें वह एक आधी मलयाली और आधी तमिल लड़की की भूमिका निभा रही हैं।

चीनी छात्रों के वीजा रद्द करेगा अमेरिका

वाशिंगटन। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने बुधवार को घोषणा की कि अमेरिका कुछ चीनी छात्रों के वीजा रद्द करना शुरू करेगा। इनमें चीनी कम्युनिस्ट पार्टी से जुड़े या संवेदनशील क्षेत्रों में पढ़ रहे चीनी छात्र शामिल होंगे। रूबियो ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि सरकार सख्ती के साथ चीनी छात्रों के वीजा रद्द करेगी। अमेरिका में बाहर से पढ़ने आने वाले छात्रों के लिहाज से चीन का भारत के बाद दूसरा स्थान है। चीनी छात्रों का आंकड़ा 2023-2024 के शैक्षणिक वर्ष में 270,000 से अधिक का था, जो अमेरिका में सभी विदेशी छात्रों का लगभग एक चौथाई हिस्सा था।

अगस्ता वेस्टलैंड में मिशेल को राहत नहीं

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 3,600 करोड़ रुपये के अगस्ता वेस्टलैंड वीवीआईपी हेलिकॉप्टर खरीद घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले के आरोपी ब्रिटिश नागरिक क्रिश्चियन मिशेल जेम्स को गुरुवार को कोई राहत नहीं दी और उच्च न्यायालय की जमानत की शर्तें पूरी करने को कहा है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संजय कुमार की अंशकालिक कार्य दिवस पीठ ने मिशेल की जमानत पर रिहाई के लिए स्थानीय पता देने की शर्त हटाने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी।

मुठभेड़ में लारेंस बिश्नोई गिरोह का शार्प शूटर ढेर

हापुड़। यूपी एसटीएफ और दिल्ली पुलिस की विशेष शाखा की साझा टीम ने हापुड़ कोतवाली क्षेत्र में कुख्यात लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के एक शार्प शूटर को मुठभेड़ में मार गिराया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी। बदमाश की पहचान माफिया बिश्नोई गिरोह के सदस्य और हत्या एवं महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) जैसे मामलों में फरार नवीन कुमार के रूप में हुई।

117 वर्ष बाद बन रहा पंजीकरण का नया कानून

एजेंसी

फर्जीवाड़े पर प्रहार

- सभी राज्य में भूमि संबंधी कानून में करे बदलाव : केंद्र
- संपति विवादों को जमींदोज करेगा राजस्व न्यायालय
- लैंड रिकॉर्ड का किया जायेगा कंप्यूटराइजेशन

नयी दिल्ली। तहसीलों में फैला भ्रष्टाचार संपत्ति विवादों को बढ़ाता रहा और अदालतें उसके बोझ तले दबती रहीं, लेकिन किसी सरकार ने इस ओर ध्यान ही नहीं दिया। अब पहली बार भूमि संसाधन से जुड़ी व्यवस्था को पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त बनाने के लिए मिशन मोड पर काम शुरू किया गया है। संपत्ति के पंजीकरण की व्यवस्था को ऑनलाइन करने में जानबूझकर खड़ी की जा रही कानूनी बाधा को ढेर करने के लिए केंद्र सरकार ने नए पंजीकरण कानून का मसौदा तैयार कर लिया है। अब केंद्र सरकार राज्यों को भी सुझाने जा रही है कि उन्हें अपने भूमि संबंधी कानूनों में क्या बदलाव करने चाहिए। रजिस्ट्रेशन को ऑनलाइन करने की कवायद : मोदी सरकार की यह कवायद राजस्व न्यायालय, लैंड रिकॉर्ड सेंटर और रजिस्ट्रेशन सिस्टम के ऑनलाइन एकीकरण की आदर्श व्यवस्था बनाने के उद्देश्य से जुड़ी है, जिसके बाद रजिस्ट्री में फर्जीवाड़ा आसान नहीं होगा। रजिस्ट्री में फर्जीवाड़ा और संपत्ति विवाद देश में कितना विकराल रूप ले चुके हैं, उसे इन आंकड़ों से ही समझा जा सकता है कि निचली अदालतों में 66 प्रतिशत तो उच्च न्यायालयों में एक चौथाई मुकदमे संपत्ति विवाद से ही जुड़े हैं। इसे देखते हुए ही केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय के भूमि संसाधन विभाग ने वर्ष 2016 में डिजिटल इंडिया लैंड रिकॉर्ड मॉडर्नाइजेशन प्रोग्राम (डीआईएलआरएमपी) शुरू किया। इस कार्यक्रम के तहत मुख्य रूप से लैंड रिकॉर्ड का कम्प्यूटराइजेशन, रजिस्ट्रेशन का कम्प्यूटराइजेशन, भूमि का सर्वेक्षण-पुन: सर्वेक्षण, तहसील स्तर पर मॉडर्नलैंड रिकॉर्ड मैनेजमेंट सेंटर और राजस्व न्यायालयों का कम्प्यूटराइजेशन शामिल था। योजना में केंद्र सरकार ने राज्यों के लिए अलग-अलग योजनाओं में प्रोत्साहन राशि रखी, जिसके बाद कई राज्यों ने रुचि ली और लैंड रिकॉर्ड को डिजिटल रूप में परिवर्तित करने का लगभग काम पूरा हो चुका है। मगर, इसके अगले कदम में आवश्यक है कि संपत्ति पंजीकरण की व्यवस्था को भी ऑनलाइन सिस्टम से जोड़ दिया जाए, क्योंकि अभी रजिस्ट्री के मामले सामने आ रहे हैं कि रजिस्ट्री ऑफिस में न भूमि का स्वामित्व देखा जाता है, न भौतिक स्थिति का पता किया जाता है और न ही संपत्ति से संबंधित किसी विवाद की चिंता की जाती है।

कानूनों में किए जाएंगे कई परिवर्तन : वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि भूमि संबंधी कानून राज्य का विषय है, इसलिए अब राज्य सरकारों को भी सुझाव देने जा रहे हैं कि उन्हें अपने कानूनों में किस तरह के संशोधन करने होंगे। यदि राज्य इच्छाशक्ति दिखाएंगे तो केंद्र सरकार का उद्देश्य राजस्व न्यायालय, लैंड रिकॉर्ड सेंटर और रजिस्ट्रेशन सिस्टम को ऑनलाइन जोड़कर एकीकरण करने का है। इसके बाद जैसे ही कोई रजिस्ट्री कराने जाएगा तो लैंड रिकॉर्ड सेंटर से डिजिटल दस्तावेज नक्शे सहित अपने आप सामने आ जाएंगे कि उस संपत्ति का मालिकाना हक किसका है और उसका पहले पंजीकरण हुआ है या नहीं। यदि राजस्व न्यायालय में कोई विवाद लंबित होगा तो वह भी तुरंत पता चल जाएगा। सरकार का मानना है कि इससे संपत्ति विवाद रोकने में बड़ी सफलता मिलेगी।

एक ही संपति की कई बार होती है रजिस्ट्री

एक ही संपति की रजिस्ट्री कई-कई बार कर दी जाती है। भूमि संसाधन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि केंद्र के प्रयास से राज्यों ने पंजीकरण को डिजिटल रिकॉर्ड के साथ ऑनलाइन करने की दिशा में कदम भी बढ़ाया, लेकिन कई जगह कानूनी पेंच फंसा दिया गया कि भारत सरकार के पंजीकरण अधिनियम- 1908 में ऑनलाइन पंजीकरण का प्रविधान नहीं है। इसे देखते हुए 117 वर्ष बाद पंजीकरण विधेयक- 2025 तैयार कर इसमें ऑनलाइन पंजीकरण का प्रविधान शामिल किया है। इसके बाद रजिस्ट्रेशन कार्यालय कानूनी आधार पर इससे इनकार नहीं कर सकेंगे।

ओडिशा में नक्सली नेता कुंजाम हिडमा गिरफ्तार भारी मात्रा में हथियार जब्त

भुवनेश्वर। ओडिशा में माओवाद विरोधी अभियान के तहत कोरापुट पुलिस ने कुख्यात माओवादी नेता कुंजाम हिडमा उर्फ मोहन को गिरफ्तार किया है। कोरापुट के पुलिस अधीक्षक (एसपी) रोहित वर्मा ने गुरुवार को संवाददाताओं को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हिडमा उर्फ मोहन छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के उसुर थाना क्षेत्र का निवासी है। पुलिस ने उसके कब्जे से एक एके-47 राइफल, 35 राउंड गोला-बारूद, 27 इलेक्ट्रिक डेटोनेटर, 90 नॉन-इलेक्ट्रिक डेटोनेटर, 2 किलो बारूद, माओवादी साहित्य और अन्य आपत्तिजनक सामान बरामद किया है। पुलिस अब हिडमा से पूछताछ करेगी, ताकि उसके संपर्क में रहने वाले अन्य माओवादियों और उनके ठिकानों की जानकारी मिल सके। अधिकारियों का कहना है कि वे इस गिरफ्तारी के जरिए पूरा नेटवर्क खत्म करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार को दी 50 हजार करोड़ की सौगात

पटना में जेपी हवाईअड्डे के नये टर्मिनल भवन का किया उद्घाटन

आज बिक्रमगंज में कई योजनाओं का करेंगे शिलान्यास

खबर मन्त्र संवाददाता

पटना। पीएम नरेंद्र मोदी ने बिहार को 50,000 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं की सौगात दी। पटना में नए एयरपोर्ट टर्मिनल का उद्घाटन और कई बड़ी आधारशिलाएं रखकर उन्होंने प्रदेश के बुनियादी ढांचे को नई रफ्तार देने का संदेश दिया। गुरुवार को पीएम बिहार की राजधानी पटना पहुंचे । अपने इस दौरे के साथ उन्होंने बतौर पीएम राज्य की 50वीं यात्रा पूरी कर एक ऐतिहासिक रिकॉर्ड बना दिया। चुनावी साल में पीएम का यह दौरा सिर्फ राजनीतिक नहीं, बल्कि विकास की नयी लकीर खींचने वाला रहा। प्रधानमंत्री ने पटना के जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन किया, जो 65,155 वर्ग मीटर में फैला है और जिसकी लागत 1200 करोड़ बतायी गयी। इस अत्याधुनिक टर्मिनल से प्रदेश की हवाई कनेक्टिविटी को नया आयाम मिलेगा। साथ ही पीएम ने बिहटा में बनने वाले नए हवाई अड्डे का भी वर्चुअल शिलान्यास किया, जिसके लिए 542 करोड़ रुपये आवंटित किये गये हैं। वहीं पीएम मोदी 30 मई को औरंगाबाद के नबीनगर में 29,947 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले सुपर थर्मल पावर प्लांट की आधारशिला रखेंगे। इस संयंत्र से बिहार को 1500 मेगावाट बिजली मिलेगी, जिससे राज्य की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी।

कनेक्टिविटी को मिलेगी रफ्तार: पीएम मोदी ने पटना-सासाराम ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे की नींव रखी, जिसकी अनुमानित लागत 3,712 करोड़ रुपये है। यह एक्सप्रेसवे राज्य के मध्य और पश्चिमी हिस्सों को बेहतर तरीके से जोड़ेगा। बक्सर और यूपी के भरौली के बीच गंगा नदी पर बनने वाले 3.2 किलोमीटर लंबे तीन लेन के पुल का शिलान्यास किया गया, जिसकी लागत 368 करोड़ रुपये है। वित्त वर्ष 2024-25 के बजट में बिहार के लिए खास प्रावधान किये गये हैं।

पटना में गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रोड शो में उमड़ा जन सैलाब।

और अच्छे काम करने के लिए पड़े हैं मेरे पास

›› कांग्रेस नेताओं की आलोचना पर शशि थरूर ने किया तंज

नयी दिल्ली । ऑपरेशन सिंदूर पर दुनिया के विभिन्न देशों में भारत का पक्ष रखने गये सांसदों के प्रतिनिधिमंडल में शामिल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने उनके बयानों की आलोचना करने वाले कांग्रेस नेताओं की टिप्पणियों को तवज्जो नहीं देते हुए, कहा है कि उनके पास आलोचना सुनने के लिए समय नहीं है और भी अच्छे काम हैं करने के लिए। थरूर ने आलोचकों को करारा जवाब देते हुए कहा कि मेरे पास और भी अच्छे काम करने के लिए पड़े हैं। सच कहूं मेरे पास इनकी आलोचना सुनने के लिए समय नहीं है। मेरे आलोचक और ट्रोलर, मेरे विचारों और शब्दों को अपनी सुविधा के हिसाब से तोड़-मरोड़ कर पेश करने को स्वतंत्र हैं। सच यह है कि मेरे पास करने के लिए और भी बहुत सारे और बेहतर काम हैं। शुभ रात्रि। उन्होंने आतंकवाद पर जीरो टोलरेंस की भारत की नीति का पक्ष विदेशों में रखने के लिए कोलंबिया रवाना होने से पहले आलोचनाओं पर कटाक्ष करते हुए तीखा और सीधा जवाब दिया है।

शराफत का लबादा ओढ़कर दुनिया को धोखा दे रहा पाक

इस मुल्क को एफएटीएफ की ग्रे सूची में डालो,भारत में फैला रहा आतंक :ओवैसी

एजेंसी

›› पाक सेना प्रमुख के बगल में बैठा है कुख्यात आतंकी

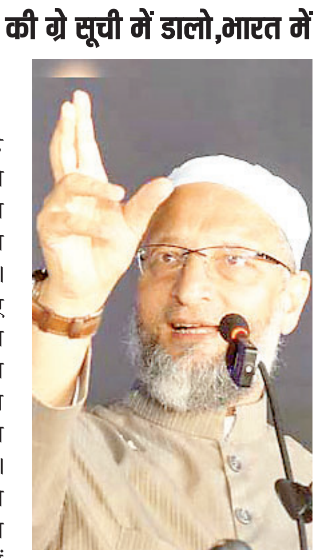

रियाद (सऊदी अरब)। भारत दुनिया के प्रमुख देशों में पहलगाम में आतंकी हमला करने वाले आतंकवाद पोषक पड़ोसी पाकिस्तान के कुटिल चेहरे से कलई उतार रहा है। इन दिनों भारतीय संसदीय सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल सदस्य कई देशों की यात्रा पर हैं। भाजपा सांसद बैजयंत पांडा के नेतृत्व वाला प्रतिनिधिमंडल सऊदी अरब में है। इस प्रतिनिधिमंडल में शामिल ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने रियाद में कहा कि आतंकवादी समूहों के वित्तपोषण पर अंकुश लगाने के लिए पाकिस्तान को एफएटीएफ की ग्रे सूची में वापस रखा जाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान शराफत का लबादा ओढ़कर दुनिया को धोखा दे रहा है। सच यह है कि आतंकवादी संगठनों को पाकिस्तान में प्रशिक्षित किया जा रहा है और वे भारत में अशांति पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। ओवैसी ने एक तस्वीर दिखाते हुए कहा कि इसमें पाकिस्तान के सेना प्रमुख के बगल में एक कुख्यात आतंकवादी बैठा हुआ है। इससे साबित होता है कि पाकिस्तान आतंकवादियों का साथ देता है। उन्होंने कहा कि असीम मुनीर को पाकिस्तान में फील्ड मार्शल बनाया गया तब उसके बगल में आतंकवादी मोहम्मद एहसान बैठा था। इस फील्ड मार्शल के साथ हाथ मिलाते हुए उसकी तस्वीरें हैं। पाकिस्तान में आतंकवादी फल-फूल रहे हैं। पाकिस्तान का इरादा आतंकवादियों के माध्यम से भारत को अस्थिर करना है। इसका मकसद है कि भारत में और अधिक हिंदू-मुस्लिम दंगे हों। उन्होंने कहा कि मुंबई हमले के बाद पाकिस्तान को सारे साक्ष्य दिए गए। ओवैसी ने कहा कि पाकिस्तान नंबर एक का झूठा है। उसने पहले दावा किया कि मुख्य आरोपी साजिद मीर मर चुका है। बाद में उसने कुबूल किया कि एफएटीएफ की जांच के तहत वह जीवित है। इस प्रतिनिधिमंडल में भाजपा सांसद निशिकांत दुबे, भाजपा सांसद फंगनन कोन्याक, भाजपा सांसद रेखा शर्मा, सांसद सतनाम सिंह संधू, गुलाम नबी आजाद और राजदूत हर्ष श्रृंगला भी शामिल हैं। दुनिया भर में भेजे गए सभी प्रतिनिधिमंडल का प्रमुख उद्देश्य 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले पर भारत की प्रतिक्रिया और सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ इसकी व्यापक लड़ाई के बारे में अंतरराष्ट्रीय भागीदारों को जानकारी देना है।

पीओके में मुठभेड़, 4 तालिबानी आतंकी ढेर

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में बुधवार रात मुठभेड़ में दो पुलिस अधिकारी और चार तालिबानी आतंकी मारे गए हैं। यह जानकारी गुरुवार को अधिकारियों ने दी। सुरक्षाबलों को क्षेत्र में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी। इस जानकारी के आधार पर सुरक्षाबलों ने रावलकोट जिले के हुसैन कोट वन क्षेत्र में अभियान चलाया था। रावलकोट के एसएसपी ने बताया कि इस क्षेत्र में आतंकियों की मौजूदगी की खबर मिली थी। आतंकियों के गुफा में छिपे होने की खबर मिली, जिसके बाद उन्हें घेर लिया गया। पुलिस ने जब उन्हें पकड़ने का प्रयास किया तो आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर हमला कर दिया। इस दौरान आतंकियों की ओर से अधिकारियों पर ग्रेनेड फेंका गया। बाद में सुरक्षाबलों ने कार्रवाई की।

ट्रंप के टैरिफ पर रोक से शेयर बाजार में तेजी

एजेंसी

सेंसेक्स 321 और निफ्टी 81 अंक उछला

मुंबई। अमेरिकी संघीय न्यायालय के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के प्रस्तावित लिबरेशन डे टैरिफ पर रोक लगाने से विश्व बाजार में आई तेजी से उत्साहित निवेशकों की स्थानीय स्तर पर हुई चौतरफा लिवाली की बदौलत शेयर बाजार पिछले लगातार दो दिनों की गिरावट से उबरकर गुरुवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सेंसेक्स 320.70 अंक की छलांग लगाकर 81,633.02 अंक और निफ्टी 81.15 अंक चढ़कर 24833.60 अंक पर पहुंच गया। इसी तरह बीएसई का मिडकैप 0.48 प्रतिशत उछलकर 45,311.54 अंक और स्मॉलकैप 0.39 प्रतिशत चढ़कर 52,325.75 अंक हो गया। बीएसई में कुल 4111 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2020 में लिवाली जबकि 1957 में बिकवाली हुई वहीं 134 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह एनएसई में कारोबार के लिए रखी गई कुल 2947 कंपनियों के शेयरों में से 1510 में तेजी जबकि 1373 में गिरावट रही वहीं 64 में टिकाव रहा। बीएसई में एफएमसीजी की 0.05 प्रतिशत की गिरावट को छोड़कर अन्य 20 समूहों में लिवाली हुई। इस दौरान कमोडिटीज 0.53, सीडी 0.55, ऊर्जा 0.19, वित्तीय सेवाएं 0.15, हेल्थकेयर 0.51, इंडस्ट्रियल्स 0.41, आईटी 0.71, दूरसंचार 0.40, यूटिलिटीज 0.34, ऑटो 0.42, बैंकिंग 0.37, कैपिटल गुड्स 0.31, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.23, धातु 0.89, तेल एवं गैस 0.07, पावर 0.23, रियल्टी 1.21, टेक 0.65, सर्विसेज 0.69 और फोकस्ड आईटी समूह के शेयर 0.79 प्रतिशत मजबूत रहे। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 279 अंक की तेजी के साथ 81,591.03 अंक पर खुला और लिवाली की बदौलत थोड़ी देर बाद ही 81,816.89 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। वहीं, बिकवाली होने से दोपहर तक यह 81,106.98 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गया। अंत में पिछले दिवस के 81,312.32 अंक के मुकाबले 0.39 प्रतिशत चढ़कर 81,633.02 अंक हो गया।

निवेशकों को 1.82 लाख करोड़ फायदा

शेयर बाजार में से स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में पौने दो लाख करोड़ रुपये से अधिक का इजाफा हो गया। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप बढ़ कर 445.59 लाख करोड़ रुपये हो गया। जबकि बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 443.77 लाख करोड़ रुपये था। निवेशकों को करीब 1.82 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।